P-12

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

P-12

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

वर्ष : 14 | अकं: 15 | नई दिल्ली, बुधवार , 15 अप्रैल 2026 | Email.timesofpedia@gmail.com | पृष्ठ: 12 | मूल्य : 01 ./-

संक्षिप्त समाचार

आज जारी होगा एमपी बोर्ड का रिजल्ट

● टॉपर्स को कैश प्राइज और लैपटॉप देगी मध्यप्रदेश की सरकार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कक्षा 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम कल 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे घोषित किया जाएगा। रिजल्ट की घोषणा मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से भोपाल स्थित बोर्ड मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की जाएगी। रिजल्ट की ऑफिशियल डेट बोर्ड ने सोमवार को ही जारी कर दी थी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी रिजल्ट की तारीख की पुष्टि कर दी थी। इस साल एमपी बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले

स्टूडेंट रिजल्ट जारी होने के बाद ऑफिशियल वेबसाइट पर अपना परिणाम चेक कर पाएंगे। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की प्रेस कॉन्फ्रेंस में 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं के टॉपर्स का नाम भी जारी किया जाएगा और फिर उसके बाद जो टॉपर्स होंगे उन्हें राज्य सरकार की ओर से कैश प्राइज और अन्य ईनाम के साथ सम्मानित भी किया जाएगा। राज्य में टॉप पोजीशन हासिल करने वाले स्टूडेंट्स को मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से सम्मानित किया जा सकता है। साथ ही प्राइज मनी और ईनाम भी दिए जाएंगे। मध्य प्रदेश बोर्ड 10वीं और 12वीं में टॉप करने वाले छात्रों को सरकार की ओर से 25 हजार रुपए की कैश राशि और लैपटॉप दिया जाएगा। मुख्य पुरस्कारों में मेधावी छात्राओं को स्कूटी और ग्रामीण क्षेत्रों के टॉपर्स को साइकिल दी जा सकती है। 12वीं के जिन स्टूडेंट्स ने 75 परसेंट या उससे ज्यादा नंबर मिलेंगे उन्हें कैश प्राइज मिलेगा। पिछले साल टॉपर्स को यही सब दिया गया था। 2025 में एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं में प्रज्ञा जायसवाल ने टॉप किया था। नरसिंहपुर की रहने वाली प्रज्ञा जायसवाल को 500 में से 500 नंबर मिले थे।

लता मंगेशकर-आशा भोसले की याद में बनेगा अस्पताल

● पुणे में एशिया का सबसे बड़ा हॉस्पिटल बनाने की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)। सिंगर लता मंगेशकर और आशा भोसले की याद में पुणे में एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाया जाएगा। दोनों सिंगर्स के भाई और म्यूजिक डायरेक्टर हृदयनाथ मंगेशकर ने सोमवार को यह जानकारी दी। हृदयनाथ मंगेशकर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुणे में उनकी मां और लता मंगेशकर ने गरीबों की सेवा के लिए अस्पताल बनाने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि करीब 25 साल पहले परिवार और डॉक्टरों ने इस अस्पताल को बनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उस समय यह पूरा नहीं हो सका। हृदयनाथ ने कहा कि बाद में परिवार ने फैसला लिया था कि अस्पताल लता मंगेशकर के नाम पर बनाया जाएगा और इसकी तैयारी भी है।

दिल्ली से देहरादून का सफर अब मात्र ढाई घंटे में

● पीएम मोदी ने किया दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन ● मोदी ने कहा-2029 के चुनावों में बेटियों को उनका हक देंगे

देहरादून (एजेंसी)। पीएम मोदी ने मंगलवार को देहरादून में कहा, '4 दशकों से महिला-बेटियां अपने हक का इंतजार कर रही है। अब वह समय आ गया है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। इसके लिए हम संसद में महिला आरक्षण बिल ला रहे हैं।' पीएम ने कहा, कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थीं। आज डबल इंजन सरकार के प्रयास से सड़क गांव तक पहुंच रही है। जो गांव वीरान थे आज फिर बस रहे हैं। इससे पहले उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन किया। वे एशिया के सबसे लंबे 12 किमी एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण करने सराहनपुर पहुंचे। यहां रोड शो भी किया। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर 213 किमी लंबा, 6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है।

महिला आरक्षण पर पीएम ने रखी अपनी बात

4 दशक बाद संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। 33 फीसदी आरक्षण लागू करने वाले इस कानून को बनाने के लिए सभी दलों ने समर्थन दिया। अब इसे लागू करने में देर नहीं होनी चाहिए। 2029 से ही यह लागू हो जाना चाहिए। यह देश की भावना है हर बहन बेटी की इच्छा है। मातृशक्ति की इसी इच्छा को नमन करते हुए 16 अप्रैल से संसद में चर्चा होनी है। इसे सभी दल सर्व सम्मति से आगे बढ़ाएं। इसलिए मैंने आज देश की नारी शक्ति के नाम आज सभी बहनों के लिए एक पत्र लिखा है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे।

देवभूमि को गंदगी से बचाना जरूरी

पीएम ने देवभूमि को साफ रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक और कचरे से बचना जरूरी है। कुंभ और नंदा देवी राजजात यात्रा को देखते हुए सभी को मिलकर इन जगहों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना होगा। पीएम ने कहा कि सड़क, रेल और एयरवे देश की भाग्य रेखाएं हैं। यह सिर्फ आज की सुविधा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए निवेश है। सरकार लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम कर रही है ताकि देश की प्रगति जारी रहे। पीएम सुबह 11 बजे देहरादून पहुंचे और यहां से उत्तर प्रदेश के सहारनपुर गए। वहां उन्होंने रोड शो किया।

टूरिज्म बना कमाई का सबसे बड़ा जरिया

पीएम ने कहा कि टूरिज्म बढ़ने से हर वर्ग को कमाई का मौका मिलता है। होटल, टैक्सी, दुकानदार सभी को लाभ होता है। उत्तराखंड अब

विंटर टूरिज्म और स्पोर्ट्स का बड़ा केंद्र बन रहा है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। पीएम ने कहा कि एक्सप्रेसवे और इकोनॉमिक कॉरिडोर विकास के गेटवे हैं। इससे समय और खर्च दोनों कम होंगे।

बिहार को मिल गया नया 'सम्राट'

● भाजपा के पहले मुख्यमंत्री का ऐलान, नीतिश की जगह लेंगे

आज होगी ताजपोशी, विधायक दल की बैठक में बने नेता

पटना (एजेंसी)। सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। पटना में मंगलवार को हुई भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की बैठक में यह ऐलान किया गया। लगभग दो दशक तक बिहार के सीएम रहे नीतिश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। सम्राट उनकी जगह लेंगे। बिहार में पहली बार भाजपा का सीएम बनेगा। नीतिश के डिप्टी रहे सम्राट चौधरी अब बिहार में एनडीए सरकार की कमान संभालेंगे। उनके नाम की अटकलें कई दिनों से लगाई जा रही थीं। नई सरकार का शपथ ग्रहण बुधवार को होगा। लोकभवन में सम्राट चौधरी को

राज्यपाल सैयद अता हसनैन मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाएंगे। उनके साथ कुछ और नेता भी शपथ ले सकते हैं।

विजय सिन्हा ने रखा सम्राट के नाम का प्रस्ताव

बिहार में नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा था। बताया जा रहा है कि दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व ने मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगा दी गई। इसके बाद शिवराज नए सीएम का नाम लेकर पटना पहुंचे। पटना में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा। इस पर सभी विधायकों ने सहमति दे दी।

तीसरी बार चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बनने जा रहे सम्राट चौधरी लगातार तीसरी बाहर भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए। 2024 में जब नीतिश कुमार महागठबंधन छोड़ एनडीए में लौटे थे, तब सरकार गठन से पहले सम्राट चौधरी को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया था। उस समय वे पहली बार नीतिश सरकार में डिप्टी सीएम बने थे। फिर नवंबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव में जीत के बाद एनडीए की सरकार बनी, तब भी सम्राट को ही भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। अब नीतिश के इस्तीफे के बाद नई सरकार के गठन से पहले भी उन्हें लगातार तीसरी बार नेता चुना गया है। नई सरकार के गठन को लेकर मंगलवार को पूरे दिन पटना में हलचल रही।

'सबका किनारा', होर्मुज स्ट्रेट में अकेला पड़ा अमेरिका

● यूके से लेकर जापान तक सबने एक साथ खींच लिए हाथ

तेल का दाम बढ़ाकर सहयोगियों को सजा देना चाहते हैं ट्रंप

वॉशिंगटन/तेहरान (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम का मकसद ईरानी जहाजों की आवाजाही रोकना है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि वो जहाज जो ईरान को टोल चुका रहे हैं उन्हें पकड़ा जाए चाहे वो किसी भी देश के हैं। ट्रंप चाहते हैं कि होर्मुज खुलवाने के लिए दुनिया के सभी देश उसके आएं और ईरान से झगड़ा करें। हालांकि दुनिया के ज्यादातर देशों ने ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई से साफ इनकार कर दिया है।

होर्मुज की घेराबंदी समझ से परे

हॉर्मुज स्ट्रेट एक संकरा समुद्री मार्ग है जिसका एक हिस्सा सिर्फ करीब 33 किलोमीटर चौड़ा है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के कुल तेल व्यापार का 20 फीसदी हिस्सा इसी रास्ते से होता था। खाड़ी देश जैसे सऊदी, यूएई, कतर और खुद ईरान भी इसी रास्ते से अपने एनर्जी का निर्यात करते हैं। भारत, चीन समेत एशिया के करीब करीब सभी देश इस समुद्री रास्ते पर ऊर्जा आपूर्ति के लिए निर्भर हैं।

ईरान युद्ध के बीच यूएन की डराने वाली रिपोर्ट

भारत में बढ़ सकते हैं 25 लाख गरीब, मुश्किल हो जाएगा इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर पूरी दुनिया की ही अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे भारत में 25 लाख लोगों के गरीबी में धकेल दिए जाने का खतरा है और देश के मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने पश्चिम एशिया में सैन्य वृद्धि- एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर प्रभाव शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि यह संघर्ष एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास के दबाव को बढ़ा रहा है। इसमें कहा गया कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से घरेलू क्रय शक्ति घट रही है, खाद्य असुरक्षा बढ़ रही है, सरकारी बजट पर दबाव पड़ रहा है और आजीविका कमजोर हो रही है। प्रारंभिक आंकलन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 88 लाख लोग गरीबी के जोखिम में आ सकते हैं और इस सैन्य तनाव से एशिया-प्रशांत क्षेत्र को 299 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है।

गरीबी दर में भी हो सकती है बढ़ोतरी

इसमें कहा गया कि सबसे गंभीर परिदृश्य में भारत की गरीबी दर 23.9 प्रतिशत से बढ़कर 24.2 प्रतिशत हो सकती है जिससे अतिरिक्त 24,64,698 लोग गरीबी में चले जाएंगे। संकट के बाद देश में गरीबी में रहने वालों की संख्या 35.40 करोड़ तक पहुंच सकती है जो पहले 35.15 करोड़ थी। रिपोर्ट में मानव विकास सूचकांक पर प्रभाव का भी आकलन किया गया है। इसमें कहा गया कि भारत में एचडीआई प्रगति में लगभग 0.03 से 0.12 वर्ष तक की गिरावट हो सकती है। इसके बाद नेपाल (0.02-0.09 वर्ष) और वियतनाम (0.02-0.07 वर्ष) का स्थान है जबकि चीन पर प्रभाव अपेक्षाकृत कम (0.01-0.05 वर्ष) रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है।

इलाज करवाना भी होगा मुश्किल

आतिथ्य, खाद्य प्रसंस्करण, निर्माण सामग्री, इस्पात आधारित उद्योग और रत्न-हीरा क्षेत्र की छोटी कंपनियों को उच्च लागत, आपूर्ति की कमी और ऑर्डर में देरी या रद्द होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इन परिस्थितियों का असर रोजगार, काम के घंटे और व्यवसाय की निरंतरता पर पड़ सकता है विशेषकर असंगठित एवं प्रवासी श्रमिकों पर। भारत में चिकित्सकीय उपकरणों से जुड़े माल की लागत भी होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ने की आशंका है, जबकि दवाओं के थोक दाम पहले ही 10-15 प्रतिशत बढ़ चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव एवं एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए यूएनडीपी की क्षेत्रीय निदेशक कन्नी विग्नराजा ने कहा कि इस स्थिति के बीच देशों के पास दीर्घकालिक मजबूती बढ़ाने के अवसर भी हैं।

दूसरे दिन भी बवाल

नोएडा में थमा नहीं टकराव

● 15 कंपनियों की फोर्स, 26 पुलिस अफसर भेजे

राहुल गांधी बोले- यह श्रमिकों की आखिरी चीख

गौतमबुद्धनगर (एजेंसी)। नोएडा, यानी गौतमबुद्ध नगर में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर फैक्ट्री कर्मचारी मंगलवार को भी सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। भीड़ ने 2-3 जगहों पर पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। हालांकि पुलिस ने थोड़ी देर में ही हालात पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया। फिलहाल, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान इंडस्ट्रियल इलाकों में सुबह 5 बजे से फ्लैग मार्च कर रहे हैं। सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, पीएसी और रैफ की 15 कंपनियां तैनात हैं।

● यूपी सरकार ने देर रात फैक्ट्री कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाई - इधर, यूपी सरकार ने सोमवार देर रात फैक्ट्री कर्मचारियों की सैलरी बढ़ा दी। न्यूनतम मजदूरी दरों में 3000 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ी हुई सैलरी 1 अप्रैल से लागू होगी। सोमवार को बवाल के बाद हाईलेवल कमेटी ने रात में कर्मचारियों के साथ बैठक की। इसके बाद रात डेढ़ बजे सरकार ने आदेश जारी कर मुहर लगा दी।

राहुल बोले-

हर आवाज को अनसुना किया गया

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- कल नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वो देश के श्रमिकों की आखिरी चीख थी, जिसकी हर आवाज को अनसुना किया गया, जो मांगते-मांगते थक गया। कल 350 से ज्यादा फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की थी इससे पहले, नोएडा में सोमवार को अलग-अलग इलाकों में फैक्ट्री कर्मचारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया। 9 अप्रैल से सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे 42 हजार कर्मचारी सड़कों पर उतर आए। 350 से ज्यादा फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की। 50 से ज्यादा गाड़ियां फूंक दीं। 150 वाहन तोड़ दिए।

बंगाल में बोले राहुल गांधी, अमेरिका से ट्रेड डील को बताया धोखा

पीएम मोदी देशभक्त नहीं हैं बल्कि वह देशद्रोही हैं

कोलकाता (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बंगाल विधानसभा चुनाव को संबोधित करते हुए पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला और उन्हें 'देशद्रोही' तक बता डाला। राहुल गांधी ने कहा कि मालदा की रैली में कहा कि पीएम मोदी देश भक्त नहीं हैं बल्कि वह देशद्रोही हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील देश में छोटे और मध्यम उद्योगों को बड़ा नुकसान पहुंचाएगी। इसके चलते देश में बड़े पैमाने पर रोजगार का संकट भी पैदा होगा। उन्होंने इस दौरान एसआईआर की भी बात की। राहुल गांधी ने कहा कि एसआईआर में बड़ी

संख्या में लोगों के नाम हटाए गए हैं और ऐसा करना असंवैधानिक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटे हैं। उन्हें कांग्रेस की सरकार आने पर वापस जोड़ा जाएगा।

नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है

राहुल गांधी ने कहा कि कुछ साल पहले मैं कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4 हजार किलोमीटर चला। मेरा इरादा यही था कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है। नफरत से देश कमजोर होता है, जैसे परिवार में यह फैल जाती है तो फैमिली खत्म हो जाती है। ऐसी स्थिति देश की होती है। यदि आपने नरेंद्र मोदी का चेहरा देखेंगे तो वह आंख में आंख में नहीं मिला पाते। मैं उनकी आंख में देखता हूं, लेकिन वह नीचे देखते हैं। वह कहते हैं कि हमारी 56 इंच की छाती है, लेकिन यह मजाक है। नरेंद्र मोदी ने तो देश को ही बेच दिया।

ट्रंप से यस सर-यस सर करते हैं पीएम मोदी

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी का पूरा कंट्रोल तो ट्रंप के पास है। ट्रंप यदि कहे कि आप जंप करिए तो कूदेंगे। वह कहे कि मेरे आगे झुक जाओ तो ये झुक जाएं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कृषि सेक्टर अमेरिका के लिए खोल दिया है। इन लोगों ने अमेरिका के साथ ही तेल खरीदने का करार कर लिया है। उनसे कह दिया है कि यदि हम किसी और देश से तेल खरीदेंगे तो आपसे पहले पूछ लेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि ट्रंप से तो नरेंद्र मोदी बस 'यस सर, यस सर' करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों का पूरा डेटा ही नरेंद्र मोदी ने अमेरिका को दे दिया है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

ललित गर्ग

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी शृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था।

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। 'अभी न जाओ छोड़ कर' जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली

संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।

आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'चुरा लिया है तुमने', 'दिल चीज क्या है' जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नेय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी शृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।

संपादकीय

श्रमिक अशांति

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्त्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में ह्यजिसकी लाठी, उसकी भैंसह्ण वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं।

चिंतन-मनन

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है। क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धति का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।

कैनवास पर जिंदगीः जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से

घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीघाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है। भारत की असली ताकत यहाँ के लोगों के हुनर और उनकी सांस्कृतिक विविधता में है। जब हम अपनी इस कलात्मक सोच को आधुनिक तकनीक और नए विचारों से पूरी तरह जोड़ देंगे, तभी एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जहाँ हर हाथ में कौशल होगा और हर दिमाग में एक नया विचार। आइए, इस रचनात्मकता के सप्ताह को अपनी जिंदगी के कोरे कैनवास पर नए रंग भरने और समाज में एक सार्थक बदलाव लाने की शुरूआत बनाएं।

धोखा फरेब नाकामी की पटकथा रही इस्लामाबाद वार्ता

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब डेढ़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते।

आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया।

अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी ह्यरेड लाइनह्ण बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा.

यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज बनारसमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ते इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क चिनेको एरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब नामिरिखोलूश्यनरी गाईस कॉर्पस को होर्मुज से गुजरने पाहा से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। एक बेरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरू किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके।

हालांकि इस युद्ध ने एक तरफ ईरान और खाड़ी देशों समेत पूरी दुनिया में घोर तबाही मचाई है, वहीं एक नयी वैश्विक व्यवस्था भी तैयार की है, जिसमें ईरान निस्संदेह एक आदर्श की तरह उभरा है। ईरान ने संदेश दे दिया है कि महाशक्ति की अवधारणा और उसके हौव्वे को आत्मबल से कैसे तोड़ा जा सकता है। अब अन्य देशों को भी यह प्रेरणा मिली है कि वे अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार करने की हिम्मत दिखाएं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब में अपने फाइटर जेट तैनात कर दिए. यह तैनाती दोनों देशों के रक्षा समझौते के तहत की गई, लेकिन इसे ईरान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है. यह अमेरिका की दोहरी रणनीति थी ताकि एक तरफ बातचीत के जरिए समाधान का दिखावा किया जाए, दूसरी तरफ सैन्य दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाई घटनाक्रम की तुलना 28 फरवरी की उस घटना से भी की जा रही है, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था. यह हमला ऐसे समय में किया गया था जब दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही थी. जब किसी को हमले की उम्मीद नहीं थी तब ईरान पर अटैक हुआ, जिसमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई मारे गए. इस बात का खतरा पहले से था कि कहीं अमेरिका बातचीत के बीच धोखा न दे दे वही हुआ अब ईरान को और मजबूती से खड़े होने की जरूरत होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दिल्ली के सुल्तानपुरी में नाबालिग की चाकू मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक नाबालिग लड़के की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। हमले के बाद घायल अवस्था में उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत और गुस्से का माहौल है। बताया जा रहा है कि यह कोई अचानक हुआ विवाद नहीं था, बल्कि पुरानी रंजिश का मामला है। मृतक के भाई मोहित ने आरोप लगाया कि उसके भाई रोहन को पहले से ही निशाना बनाया जा रहा था। मोहित के मुताबिक, आरोपी लड़का पहले भी करीब छह महीने पहले रोहन पर चाकू से हमला कर चुका था, लेकिन उस समय मामला शांत हो गया था और सख्त कार्रवाई नहीं हुई। मोहित ने बताया कि घटना वाले दिन आरोपी ने रोहन को बुलाया और फिर 3-4 लड़कों के साथ उसे एक तरफ ले गया। वहां ले जाकर उस पर चाकू से हमला किया गया। मोहित का कहना है कि उसने अपनी आंखों से देखा कि उसके भाई रोहन को जबरदस्ती एक तरफ ले जाया जा रहा था और फिर उसे चाकू मार दिया गया। एक सुनीता नाम की महिला ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि गुप्ता के लड़के और उसके साथियों ने मिलकर रोहन पर हमला किया। उनका कहना है कि पहले भी उसी लड़के ने रोहन को चाकू मारा था, लेकिन उस समय मामला आपसी समझौते के नाम पर खत्म कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि वह तीन भाइयों में से एक था और अब परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार का कहना है कि आरोपी पक्ष की तरफ से सुनियोजित तरीके से हमला किया गया। मृतक के परिवार ने आरोप लगाया है कि पहले भी इस मामले को दबाने की कोशिश की गई थी और पुलिस तक बात पहुंचने के बावजूद कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया। आरोपी के परिवार वालों ने मामला शांत करवा दिया था। परिवार का कहना है कि रोहन अभी सिर्फ 15-16 साल का था और मजदूरी करके अपने घर का खर्च चलाने में मदद करता था। परिवार के मुताबिक, रोहन हाल ही में घर लौटा था और अपने परिजनों से मिलने आया था, लेकिन उसी दौरान यह घटना हो गई।

दिल्ली पुलिस ने नरेन्द्र गिरोह के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने जहांगीरपुरी इलाके में सक्रिय 'नरेन्द्र गिरोह' के दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रणधीर उर्फ विजय (25) और परवेश उर्फ मोहम्मद दानिश (28) के रूप में हुई है। उनके मुताबिक, दोनों आरोपी पहले भी लूट, डकैती जैसे कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पंकज कुमार ने बताया कि एक गुप्त सूचना मिली थी कि नरेन्द्र गिरोह के दो सदस्य भलस्वा झील के पास लूट की वारदात को अंजाम देने आने वाले हैं जिसके बाद पुलिस टीम ने एक अभियान में दोनों को पकड़ लिया। कुमार ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी परवेश ने खुलासा किया कि वह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी योगेश उर्फ सचिन से अवैध रूप से 30-35 हजार रुपये में पिस्तौल और 10 हजार में देसी कट्टे खरीदता था और इनकी आपूर्ति नरेन्द्र गिरोह के सदस्यों को करता था और खुद भी दिल्ली में लूटपाट के लिए इनका इस्तेमाल करता था। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों के पास से एक अर्द्ध स्वचालित पिस्तौल, एक देसी कट्टा और चार कारतूस बरामद किए गए हैं। इस संबंध में अपराध शाखा थाने में शस्त्र कानून की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले की जांच जारी है। कुमार के अनुसार, आरोपी परवेश के खिलाफ दिल्ली और उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर में सात मामले दर्ज हैं। वहीं, रणधीर के खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में चोरी, झपटमारी और शस्त्र कानून के आठ मामले दर्ज हैं।

दिल्ली : फर्जी न्यायिक अधिकारी और उसका साथी गिरफ्तार, आग्नेयास्त्र बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार करके उनके पास एक आग्नेयास्त्र और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों में से एक व्यक्ति ने जाली दस्तावेजों का कथित तौर पर इस्तेमाल करके खुद को न्यायिक अधिकारी बताया था। आरोपियों की पहचान सूर्य अग्रवाल (31) और निखिल यादव (21) के रूप में हुई है। दोनों व्यक्ति उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, संसद मार्ग थाने की एक टीम ने दोनों व्यक्तियों को राष्ट्रीय राजधानी में संभावित सुरक्षा खतरों की जांच के लिए एक अभियान के बीच गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त (नई दिल्ली) सचिन शर्मा ने सोमवार को एक बयान में कहा, ''पांच अप्रैल को शाम करीब पांच बजे टीम ने एक संदिग्ध एसयूवी (एमजी हेक्टर) कार को रोका, जो बिना पंजिकृत नंबर प्लेट के थी और उसकी खिड़कियों पर काली फिल्म लगी थी। गाड़ी पर 'जज, उत्तर प्रदेश सरकार' लिखा एक स्टिकर भी लगा था, जिससे संदेह हुआ।''

वाहनों के शीशे पर काली फिल्म लगाना प्रतिबंधित है।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने बताया कि तलाशी के दौरान निखिल यादव के पास से एक पिस्तौल और चार कारतूस बरामद किए गए, जबकि अग्रवाल के पास पांच कारतूस मिले। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान, अग्रवाल ने खुद के एक अधिवक्ता होने और उत्तर प्रदेश का एक सिविल जज होने का दावा किया। उन्होंने बताया कि उसने एक न्यायिक पहचानपत्र और उत्तर प्रदेश अधिकारियों द्वारा जारी एक पत्र दिखाया, जिसमें दावा किया गया कि उसे दिल्ली में हथियार ले जाने की अनुमति है। अधिकारी ने बताया कि हालांकि, पड़ताल के बाद पुलिस को पता चला कि पहचापत्र और पत्र दोनों ही जाली थे तथा उनमें डिजिटल माध्यम से बदलाव किया गया था। पुलिस को पता चला कि अग्रवाल के पास उत्तर प्रदेश में जारी एक वैध हथियार लाइसेंस था, लेकिन यह लाइसेंस सिर्फ़ उसी राज्य तक सीमित था और उसे दिल्ली में हथियार ले जाने की अनुमति नहीं थी।

संसद मार्ग थाने में दोनों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने पिस्तौल, नौ कारतूस, घटना में इस्तेमाल की गई एसयूवी, जाली पहचान पत्र, जाली अनुमति पत्र और अधिकारी का गलत तरीके से दर्जा जताने के लिए इस्तेमाल किया गया स्टिकर जब्त कर लिया है।

दिल्ली-एनसीआर में बिक रही थी नकली हेयर रिमूवल क्रीम वीट, रेड मारकर फैक्ट्री पकड़ी ; सरगना सहित 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नकली वीट हेयर रिमूवल क्रीम और अन्य कास्मेटिक उत्पाद बनाकर मार्केट में सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर क्राइम ब्रांच ने सरगना समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनकी बादली के संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर स्थित फैक्ट्री में छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली वीट, पैकेजिंग और मशीनरी की बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सरगना नीरज गुप्ता, रवि, सुरेश कुमार राजपूत और दिनेश चंद्र सती के रूप में हुई है, जो घटिया मटीरियल का इस्तेमाल करके नकली वीट क्रीम का बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन कर रहे थे। इन नकली उत्पादों को स्थानीय बाजारों और साप्ताहिक बाजारों में सप्लाई करते थे। पुलिस इनसे पूछताछ कर मामले में आगे की जांच कर रही है।

ट्रांसपोर्ट नगर में की गई छापेमारी - उपायुक्त हर्ष इंदौरा के मुताबिक, छह अप्रैल को मेसर्स रेकिट बेनकिजर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि से संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर के इलाके में उनके जाने-माने ब्रांड जैसे वीट हेयर रिमूवल क्रीम और दूसरे फास्ट मूविंग कंस्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) आइटम के नकली उत्पादों की गैर-कानूनी मैन्युफैक्चरिंग और बिक्री के बारे में शिकायत मिली थी। सूचना पर एसीपी राज कुमार की देखरेख में और इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई और संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर, बादली में फैक्ट्री में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान अवैध मैन्युफैक्चरिंग यूनिट चलती मिली, जहां घटिया और बिना अनुमति वाले कच्चे माल का इस्तेमाल करके नकली कास्मेटिक उत्पाद बनाए जा रहे थे। पुलिस ने फैक्ट्री के मालिक रोशन आरा रोड के नीरज गुप्ता को गिरफ्तार किया। वह लगभग दो सालों से नकली कास्मेटिक उत्पाद की गैर-कानूनी मैन्युफैक्चरिंग, पैकेजिंग और सप्लाई में शामिल था। शुरुआत में, उसने दूसरे उत्पाद बनाने का छोटा-मोटा व्यापार शुरू किया था, लेकिन कम मुनाफे के कारण वह वीट हेयर रिमूवल क्रीम जैसे ब्रांडेड आइटम्स की नकली मैन्युफैक्चरिंग करने लगा। वह लोकल मार्केट से कच्चा माल खरीदता था और तैयार नकली उत्पादों को लोकल वेंडर्स, साप्ताहिक बाजारों और आस-पास के राज्यों में सप्लाई करता था।

पानीपत से भी की गई गिरफ्तारी - इसके बाद पानीपत, हरियाणा के रवि को गिरफ्तार किया गया, जो नकली उत्पाद बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रिंटेड पैकेजिंग मटीरियल, रैपर और ग्राफिक्स का इंतजाम करने और खरीदने में शामिल था। इसके बाद पटेल नगर के सुरेश कुमार राजपूत को दबोचा गया जो, बवाना के सेक्टर-3 में स्थित अपने कारखाने में कार्डबोर्ड बाक्स सहित नकली पैकेजिंग सामग्री की छपाई में शामिल था।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों पर चल रही दिल्ली सरकार: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 14 अप्रैल (वेब वार्ता)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश में उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है। इसी मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी अंबेडकर मेमोरियल पहुंचकर बाबासाहेब को पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर भारतीय लोकतंत्र के सबसे मजबूत स्तंभ हैं, जिनकी वजह से आज देश में लोकतंत्र की मजबूत नींव खड़ी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बाबासाहेब ने जो संविधान देश को दिया, वह सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है। उन्होंने बताया कि भारत का हर नागरिक बाबासाहेब को युगों-युगों तक याद करता रहेगा, क्योंकि उन्होंने समानता, न्याय और अधिकारों की जो नींव रखी, उसी पर आज पूरा देश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार बाबासाहेब के बताए रास्ते पर चलकर काम कर रही है और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाने की कोशिश कर रही है।

रेखा गुप्ता ने मीडिया से बातचीत में यह भी कहा कि सरकार लगातार ऐसी नीतियां बना रही है जिससे हर व्यक्ति का जीवन सम्मानपूर्वक और बेहतर बन सके। उनका कहना है कि बाबासाहेब ने हमेशा समानता और सामाजिक न्याय की बात की और उसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली में विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज वह खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें बाबासाहेब के चरणों में नमन करने का अवसर मिला।

वहीं, भाजपा सांसद अरुण सिंह ने भी बाबासाहेब को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब न सिर्फ संविधान के निर्माता हैं बल्कि उनके विचार आज भी हर नागरिक के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबासाहेब से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थलों को विकसित किया गया है और उनके सम्मान में कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं।

अरुण सिंह ने कहा कि संविधान दिवस पर विशेष चर्चा और कार्यक्रम आयोजित करना भी बाबासाहेब के प्रति सम्मान का ही एक हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि आज सभी लोग यह संकल्प लेते हैं कि बाबासाहेब के बताए रास्ते पर चलेंगे और संविधान का पूरी ईमानदारी से पालन करेंगे।

दिल्ली: सिरसा ने प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए डीआरएस मॉडल्स का अध्ययन करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पर्यावरण विभाग को नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरे की समस्या से निपटने के लिए डिपॉजिट रिटर्न स्कीम (डीआरएस) लागू करने की संभावनाओं पर विस्तृत अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की अध्यक्षता में हुई उच्च-स्तरीय बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्लास्टिक और अन्य कचरे से जुड़ी गंभीर समस्या पर चर्चा की गई। यह कचरा नालों को जाम कर रहा है, जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहा है, मिट्टी को नुकसान पहुंचा रहा है और खुले में जलने से वायु प्रदूषण बढ़ा रहा है।

बैठक के दौरान सिरसा ने कहा, 'यह स्कीम अन्य राज्यों में सफल रही है और दिल्ली को भी अपनी शहरी चुनौतियों के अनुसार इसे अपनाने पर विचार करना चाहिए, ताकि जल्दी और ठोस परिणाम मिल सकें।'

उन्होंने इस संबंध में स्टैंडिंग ऑर्डर जारी करते हुए पर्यावरण विभाग को कहा है कि वे इन मॉडलों का विस्तृत अध्ययन करें, दिल्ली के लिए उपयुक्त डीआरएस ढांचा तैयार करें और फाइनेंशियल मैकेनिज्म, संस्थागत व्यवस्था, स्टेकहोल्डर्स की जिम्मेदारियां और लागू करने की रणनीति को शामिल करते हुए एक व्यापक प्रस्ताव एक महीने के भीतर तैयार करें।

सिरसा ने इस पहल के जनहित पहलू पर जोर देते हुए कहा, 'नागरिकों, व्यवसायों और रीसाइक्लर्स को साथ लेकर डीआरएस न केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि दिल्ली को स्वच्छ और हरित बनाने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विजन के तहत हम दिल्ली को स्वच्छ सांस लेने और सस्टेनेबल बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।'

यह पहल प्रदूषण-मुक्त भविष्य के लिए दिल्ली सरकार की नवाचारी और जन-केंद्रित सोच को दर्शाती है।

डिपॉजिट रिटर्न स्कीम (डीआरएस) एक इंसेंटिव आधारित सिस्टम है, जिसमें प्लास्टिक बोतल या पैकेजिंग जैसी कुछ वस्तुओं पर खरीद के समय एक छोटा रिफंडेबल डिपॉज़िट लिया जाता है। जब उपभोक्ता इन खाली वस्तुओं को निर्धारित कलेक्शन पॉइंट्स जैसे दुकानों या रीसाइक्लिंग सेंटर पर वापस करते हैं, तो उन्हें यह राशि वापस मिल जाती है।

इससे कचरे का सही तरीके से अलग-अलग संग्रह और रीसाइक्लिंग बढ़ती है और इधर-उधर फेंका जाने वाला कचरा कम होता है। गोवा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में डीआरएस लागू किया गया है,

जहां इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। दुनिया के 40 से अधिक देशों में डीआरएस लागू है, जहां कई रिपोर्ट्स के अनुसार 90 प्रतिशत से अधिक रिटर्न रेट हासिल होता है। जर्मनी और स्वीडन जैसे देशों में यह दर लगभग 96 प्रतिशत तक बताई गई है।

डीआरएस से सरकार को कचरा प्रबंधन की लागत कम करने में मदद मिलती है, साथ ही लोगों में जिम्मेदारी से कचरा निपटान की आदत भी विकसित होती है।

दिल्ली के वसंत एन्क्लेव में सेना के ब्रिगेडियर पर हमला, उपराज्यपाल संधू ने कार्रवाई के दिए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने वसंत एन्क्लेव में भारतीय सेना में कार्यरत एक ब्रिगेडियर और उनके परिवार पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने दिल्ली पुलिस के आयुक्त व वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस मामले की गहन जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। दिल्ली के एलजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि वसंत एन्क्लेव में हुई घटना से मैं बहुत चिंतित हूं, जिसमें भारतीय सेना के एक सेवारत ब्रिगेडियर, उनकी पत्नी और उनके 23 वर्षीय बेटे (जो आईआईटी दिल्ली से ग्रेजुएट है) पर हमला किया गया। उन्होंने कहा, मैंने खुद ब्रिगेडियर पीएस अरोड़ा से बात करके घटना के बारे में जानकारी ली और उनका हालचाल जाना। मैंने पुलिस कमिश्नर व डीसीपी से भी बात की और उन्हें निर्देश दिया कि वे इस मामले की पूरी और तेजी से जांच सुनिश्चित करें, ताकि जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जा सके। मैंने दिल्ली पुलिस को यह भी निर्देश दिया है कि वे उस अधिकारी और उनके परिवार को पूरी सुरक्षा प्रदान करें। हम अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। बताते चलें कि यह घटना 11 अप्रैल की रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है, जब ब्रिगेडियर अपने बेटे के साथ खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से निकले थे। ब्रिगेडियर ने बताया कि जैसे ही वे अपने घर के बाहर पहुंचे, उन्होंने देखा कि एक कार में बैठे दो लोग खुलेआम शराब पी रहे थे। उन्होंने इसका विरोध किया, जिस पर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। मामला बढ़ता देख ब्रिगेडियर ने तुरंत पुलिस को कॉल किया और पीसीआर वैन को बुलाया। पुलिस के पहुंचने में करीब 20 मिनट लग गए। इस दौरान हालात और बिगड़ गए। कार में बैठे लोगों ने अपने कुछ साथियों को मौके पर बुला लिया। थोड़ी ही देर में 7-8 लोग वहां पहुंच गए और उन्होंने ब्रिगेडियर के बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब ब्रिगेडियर ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उनके साथ भी धक्का-मुक्की और बदसलूकी की गई। ब्रिगेडियर के अनुसार, वे वसंत विहार पुलिस थाने पहुंचे लेकिन वहां उन्हें उम्मीद के मुताबिक मदद नहीं मिली। पुलिस ने उनसे मेडिकल लीगल सर्टिफिकेट (एमएलसी) लाने को कहा, लेकिन कोई भी पुलिसकर्मी उनके साथ अस्पताल नहीं गया। मजबूर होकर उन्हें खुद ही आरआर अस्पताल जाना पड़ा, जहां उन्होंने अपना एमएलसी बनवाया। हैरानी की बात यह रही कि इसके बाद भी पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज नहीं की और सिर्फ एक जनरल डायरी में एंट्री कर ली।

दिल्ली में यमुना बाढ़ सुरक्षा परियोजना को मंजूरी, मजनू का टीला से ओआरबी तक बनेगी दीवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि सरकार ने यमुना की बाढ़ से बचाने वाली दीवार के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के अंतर्गत रिंग रोड के किनारे मजनू का टीला से ओल्ड रेलवे ब्रिज (ओआरबी) तक लगभग 4.72 किलोमीटर लंबी एक मजबूत सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को बताया कि हमारी सरकार ने तत्कालीन बजट में इस दीवार के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया है। यह दीवार न केवल यमुना के पानी को रिहायशी इलाकों में घुसने से रोकेगी, बल्कि सिविल लाइंस, कश्मीरी गेट, यमुना बाजार और मजनू का टीला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के लिए एक अभेद्य सुरक्षा कवच का काम करेगी। दशकों से ऐसा होता आ रहा है कि जब भी यमुना में जलस्तर बढ़ता है तो मजनू का टीला और उसके आसपास के निचले इलाकों से ही पानी सबसे पहले राजधानी में प्रवेश करता है। वर्ष 1978 की भीषण बाढ़ से लेकर 2023 और वर्ष 2025 की बाढ़ तक, रिंग रोड का यह हिस्सा जलमग्न होने के कारण पूरी दिल्ली की रफ्तार रोक देता था।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्तमान तटबंध भविष्य की चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं हैं, इसलिए अब सरकार स्थायी समाधान की ओर बढ़ रही है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में यमुना ने 208.66 मीटर का अपना सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर छुआ था, जिसने 1978 के रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया। वहीं 2025 में भी यमुना खतरे के निशान (205.33 मीटर) को पार कर 207.48 मीटर तक पहुंच गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की बाढ़ की आशंका भविष्य में भी बनी रहेगी, जिसके स्थायी समाधान के लिए प्रस्तावित दीवार एक मजबूत व स्थायी विकल्प है। इस परियोजना का तकनीकी आधार अगस्त 2024 में तैयार की गई जॉइंट फ्लड कमिटी की रिपोर्ट है, जिसमें पुणे स्थित केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र (सीडब्ल्यूपीआरएस) के विशेषज्ञ एवं सदस्यों द्वारा हाइड्रोलिक मॉडल अध्ययन और विस्तृत डेटा विश्लेषण किया गया था। इस अध्ययन में स्पष्ट रूप से सुझाव दिया गया कि रिंग रोड के इस हिस्से पर मजबूत फ्लड प्रोटेक्शन वॉल का निर्माण ही दीर्घकालिक समाधान हो सकता है, लेकिन पूर्व सरकार ने दिल्ली को बाढ़ से बचाने के लिए कोई निर्णय नहीं लिया, जिसका परिणाम है कि बाढ़ आते ही इन इलाकों में बाढ़ के हालात पैदा हो जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना के किनारे बनने वाली यह दीवार नदी और शहर के बीच एक मजबूत ढाल बनेगी, जिससे नदी का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर नहीं आएगा। इस दीवार से नदी के किनारों को कटने से बचाया जा सकेगा, जिससे सड़कों और आसपास की इमारतों की नींव सुरक्षित रहेगी। इसके अतिरिक्त यह दीवार नदी के किनारे होने वाली अवैध वेस्ट डंपिंग और म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट को रोकने में मदद करेगी, जिससे यमुना का फ्लड-प्लेन सुरक्षित और नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दिल्ली सरकार इस प्रोजेक्ट को युद्धस्तर पर पूरा करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। इस पूरी दीवार को अगले मॉनसून सीजन 2027 से पहले तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। यह परियोजना केवल बाढ़ से सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शहरी अवसंरचना को सुदृढ़ करने, पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों के जीवन स्तर को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस दीवार के निर्माण के बाद दिल्ली को हर वर्ष आने वाली बाढ़ की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी।

अंबेडकर समानता और सामाजिक न्याय के दृढ़ समर्थक रहे : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर समानता और सामाजिक न्याय के प्रबल समर्थक रहे। उन्होंने यह विचार आज दिल्ली विधान सभा परिसर में आयोजित डॉ. अंबेडकर की 136वीं जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद व्यक्त किए। बाबा साहेब की महान विरासत का उल्लेख करते हुए गुप्ता ने कहा कि डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार थे। उन्होंने संविधान को एक अद्वितीय और दूरदर्शी दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह आज भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का मार्गदर्शन कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार आज के समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया, जिनमें महिला सफाई कर्मी भी शामिल थीं। उनकी उपस्थिति डॉ. अंबेडकर के प्रति समाज के सभी वर्गों में व्याप्त गहरे सम्मान और श्रद्धा को दर्शाती है। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि अंबेडकर के आदर्श और दृष्टि आज भी एक समावेशी, न्यायपूर्ण और समानतापूर्ण समाज के निर्माण के लिए प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शासन और सार्वजनिक जीवन में इन सिद्धांतों को आगे बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। विजेंद्र गुप्ता ने यह भी उल्लेख किया कि अंबेडकर की जयंती को उनके महान योगदान के सम्मान में राजपत्रित अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित अंबेडकर को समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए उनके अद्वितीय योगदान के लिए सदैव स्मरण किया जाएगा।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे आधुनिकता को आध्यात्मिकता से जोड़ने वाला सेतु : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को जनता को समर्पित किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी इस कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ीं और इस एक्सप्रेसवे को दिल्ली की आधुनिकता को देवभूमि की आध्यात्मिकता से जोड़ने वाला सेतु बताया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में दिल्ली की जरूरतों को समझते हुए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी हुई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा परिवहन मंत्रालय के तहत दिल्ली में करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये के काम चल रहे हैं, जो राजधानी के बुनियादी ढांचे को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह एक्सप्रेसवे दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा समय को लगभग 6 से 7 घंटे से घटाकर मात्र 2 से 2.5 घंटे कर देगा। उन्होंने कहा कि देश में एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर का नेटवर्क तेजी से विस्तार कर रहा है, जो 3,000 किमी से अधिक हो चुका है, वहीं नेशनल हाईवे नेटवर्क भी लगभग 51,000 किमी से बढ़कर 1,46,000 किमी तक पहुंच गया है। यह देश में बुनियादी ढांचे के तीव्र विकास का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने 'डबल इंजन सरकार' की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के बेहतर तालमेल से दिल्ली तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रही है। कई प्रमुख सड़कों को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपा गया है, जिससे उनका बेहतर रखरखाव और विकास संभव हो सकेगा। लगभग 5,000 करोड़ रुपये की लागत से मुनक नहर पर बनने वाली एलिवेटेड रोड परियोजना से ट्रैफिक और सुगम होगा और जाम की समस्या भी काफी हद तक कम होगी। दिल्ली सरकार अब जमीनी स्तर पर काम करते हुए हर समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में दिल्ली निरंतर प्रगति कर रही है और आने वाले समय में नई परियोजनाओं और नीतियों के माध्यम से राजधानी को और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप दिल्ली विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

मजदूर संघ ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा में मजदूरों के हिंसक प्रदर्शन पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा की फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों के हिंसक विरोध प्रदर्शन पर चिंता जतायी है। बीएमएस ने यह भी कहा कि श्रमिकों के न्याय का अपहरण नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही बीएमएस ने मानेसर और नोएडा में अनुशासन एवं औद्योगिक सद्भाव का आहवान किया है। बीएमएस के राष्ट्रीय महासचिव सुरेंद्र कुमार पांडेय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि मानेसर और नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में हाल में हुई श्रम अशांति की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। इन घटनाक्रमों की जिम्मेदारी, संतुलन और दीर्घकालिक औद्योगिक सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता के साथ देखा जाना चाहिए। पांडेय ने कहा कि शुरुआत में यह स्वीकार करना हत्वपूर्ण है कि भारत का औद्योगिक परिदृश्य विविधतापूर्ण है। विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में वेतन संरचना में भिन्नता आर्थिक स्थितियों, जीवन यापन की लागत और उत्पादकता स्तरों के अंतर का एक स्वाभाविक परिणाम है। इसलिए पूरे देश में पूर्णतः समान वेतन संरचना का विचार न तो व्यावहारिक है और न ही आर्थिक रूप से टिकाऊ।

बेरोजगारी और नशा तस्करी को लेकर देवेंद्र यादव ने जताई चिंता, बोले-संविधान को मजबूत रखना हम सबकी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अंबेडकर जयंती पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह हम सभी लोगों के लिए खुशी का मौका है कि आज अंबेडकर जयंती है।

उन्होंने मंगलवार को कहा कि संविधान के निर्माण में डॉ. अंबेडकर की ओर से दिया गया योगदान काफी अहम है। उन्होंने संविधान में सभी लोगों को समानता का अधिकार दिया।

उन्होंने दावा किया कि आज की तारीख में देश के हालात ठीक नहीं हैं। ऐसी स्थिति में हमारे लिए यह जरूरी हो जाता है कि हम संविधान में बाबा साहेब द्वारा बताए गए सिद्धांतों को अपने व्यावहारिक जीवन में लागू करें। हम लोग भाईचारा बढ़ाएं और जो साथी पिछड़े हैं, उन्हें बराबर में लाने का काम करें।

प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि आज डॉ अंबेडकर जयंती को कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने भी मनाया। इस खास मौके पर हम सभी लोगों ने यह भी संकल्प लिया कि हम संविधान को किसी भी सूरत में कमजोर नहीं पड़ने देंगे। हम सभी लोग सबको साथ लेकर देश की तरक्की के लिए काम करेंगे।

इसके अलावा, उन्होंने नोएडा में श्रमिकों की ओर से वेतन वृद्धि को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि न्यूनतम वेतन गारंटी सभी का अधिकार है। इससे किसी को भी वंचित नहीं किया जा सकता। साथ ही, उन्होंने बेरोजगारी को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज की तारीख में देश में बेरोजगारी बढ़ रही है। पहले लोग इस आस से दिल्ली की ओर रवाना हुआ करते थे कि उन्हें रोजगार मिलेगा। उन्हें इस बात की उम्मीद हुआ करती थी कि उन्हें कहीं और नहीं, तो दिल्ली में जरूर रोजगार मिलेगा, लेकिन मौजूदा स्थिति अपेक्षित स्थिति से बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है। आज की तारीख में देशभर में नशा तस्करी और बेरोजगारी बढ़ गई है। लोगों को समझ नहीं आ पा रहा है कि क्या किया जाए।

उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि एसआईआर की मौजूदा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। यह बहुत ही जल्दी में किया जाने वाला एक कार्य है, जिसे मौजूदा समय में किसी भी कीमत

पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस वजह से इसमें त्रुटि हो सकती है। अब हमारी यही मांग थी कि इन त्रुटियों को खत्म किया जाए। बाकी जो कोर्ट की ओर से आदेश दिया जाएगा, उसे माना जाएगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में सुबह-सुबह लगे भूकंप के झटके, प्रशासन अलर्ट पर

श्रीनगर (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि दोनों ही क्षेत्रों से अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। भूकंप की जानकारी मिलते ही संबंधित जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन इकाइयां तुरंत सक्रिय हो गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की भदेरवाह घाटी और उसके आसपास के इलाकों में सुबह 4:55 बजे भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.9 दर्ज की गई है। डोडा जिले के लिए इस तरह की हलचलें चिंता का विषय बनी हुई हैं, क्योंकि इससे पहले 12 अप्रैल को भी यहां 4.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप महसूस किया गया था, जिसका समय सुबह 04:32 बजे दर्ज हुआ था। इतना ही नहीं, मार्च की शुरुआत में भी क्षेत्र ने 4.2 तीव्रता के झटके झेले थे। लगातार आ रहे इन झटकों ने घाटी के लोगों को डरा दिया है। दूसरी ओर, उत्तराखंड के सीमावर्ती जिले पिथौरागढ़ में भी मंगलवार सुबह 7:07 बजे धरती कांपी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने स्थिति का जायजा लेने के लिए भूकंप केंद्र और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। गनीमत रही कि वहां भी स्थिति सामान्य है और संपत्तियों को कोई क्षति नहीं पहुंची है। भूकंप की यह सक्रियता केवल उत्तर भारत तक ही सीमित नहीं रही है। हाल ही में महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र, विशेषकर हिंगोली जिले में भी 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हिंगोली के जिलाधिकारी के अनुसार, पांगरा शिंदे गांव में कुछ घरों और सामुदायिक केंद्रों की दीवारों में दरारें देखी गई थीं। देश के विभिन्न हिस्सों में बार-बार आ रहे ये झटके भूकंपीय संवेदनशीलता को दर्शाते हैं, जिसके चलते प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है।

बीजेपी विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल, डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

पटना (एजेंसी)। बीजेपी के कुम्हरार से विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक संजय गुप्ता पश्चिम बंगाल में चुनावी कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद सिलीगुड़ी से पटना लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका वाहन हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना कितनी गंभीर थी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि हादसे में उन्हें सीने में चोट लगी है। हादसे के तुरंत बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टरों द्वारा जांचें की जा रही हैं ताकि किसी अंदरूनी चोट की स्थिति का सही आकलन किया जा सके। इधर, घटना की खबर मिलते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता का माहौल है। पार्टी के कई नेता और करीबी अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जान रहे हैं। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

पटना में 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद, चार गिरफ्तार, 7 पर मामला दर्ज

पटना (एजेंसी)। पटना में औषधि नियंत्रण प्रशासन ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को रानीगंज स्थित एक गोदाम से भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन जब्त किए गए। अधिकारियों ने 39 कार्टन में रखे करीब 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद किए। इसकी कीमत 27.30 लाख है। इस मामले में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से चार आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पिकअप वाहन से नशीले इंजेक्शन की बड़ी खेप शहर में लाई जा रही थी। सूचना मिलते ही टीम ने पिकअप वाहन को रोका और शुरुआती खेप बरामद की। पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर रानीगंज इलाके के गोदाम पर छापेमारी की गई। सोमवार सुबह करीब 11 बजे गोदाम की तलाशी ली गई। इस दौरान भारी मात्रा में इंजेक्शन के कार्टन मिले। अधिकारियों के मुताबिक कुल 39 कार्टन में करीब 78 हजार इंजेक्शन थे, जिनकी कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक औषधि नियंत्रण प्रशासन ने इसे अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताया है। जांच में पता चला है कि जब्त किए गए इंजेक्शन का उत्पादन नारोडियन फार्मासिस्ट नामक कंपनी ने किया था। इसकी मार्केटिंग क्रिक फार्मा एजेंसी के जरिए की जा रही थी। दोनों कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने इसे जांच का अहम पहलू बताया।

पुणे के रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां फरार, केयरटेकर को बंधक बनाकर रची साजिश

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां हडपसर इलाके के मोहम्मदवाड़ी रोड पर स्थित रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां केयरटेकर पर हमला कर फरार हो गईं। यह घटना 23 मार्च की है, लेकिन इसका खुलासा करीब 20 दिन बाद 12 अप्रैल को हुआ। फरार हुई इन सभी युवतियों को मानव तस्करी के चंगुल से छुड़ाया गया था और हाल ही में उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने के अदालती आदेश जारी हुए थे। पूरी वारदात संस्थान के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना वाले दिन सुबह करीब 6:30 बजे, जब परिसर में सफाई चल रही थी, एक युवती ने पेट दर्द का बहाना बनाया। जैसे ही केयरटेकर लक्ष्मी कांबले दवा लेकर कमरे में पहुंचीं, युवतियों ने उन पर हमला कर दिया। एक लड़की ने उन्हें पीछे से पकड़ा, जबकि अन्य ने उन्हें पीटा और उनके हाथ-पैर बांध दिए। केयरटेकर के मुंह में कपड़ा ठूंसकर उन्हें कमरे में बंद कर दिया गया। सफाई कार्य के कारण उस समय मुख्य द्वार खुला रह गया था, जिसका लाभ उठाते हुए ये युवतियां बाहर की ओर भागीं। रास्ते में जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो युवतियों ने उसे भी नहीं बख्शा; उसे घसीटा गया और उसके हाथ पर दांत से काट लिया गया। इस अफरातफरी के बीच सभी 13 युवतियां परिसर से बाहर निकलने में कामयाब रहीं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और अब तक सैयद नगर व हडपसर इलाके से दो लड़कियों को बरामद कर लिया गया है, जबकि 11 अब भी लापता हैं।

बंगाल चुनाव: विधानसभाओं में गूंज रहा हृदय माझे काबा और नयने मदीना...गाना

-मुस्लिम वोटरों को लुभाने में जुटी टीएमसी, बीजेपी ने बताया तुष्टीकरण

कोलकाता (एजेंसी)। हृदय माझे काबा और नयने मदीना...यानी दिल में काबा और आंखों में मदीना...पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच यह गाना विधानसभाओं में गूंज रहा है। यह गीत टीएमसी की सभाओं में उसकी सांसद सायनी घोष गा रही हैं। इस गीते की रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है तो वहीं रैलियों में वह खुद पूरा गीत गाकर मुस्लिम वोटरों का भरोसा जीतने में जुटी हैं। वहीं बीजेपी का कहना है कि यह मुस्लिम तुष्टीकरण है।

बता दें सायनी घोष टीएमसी सांसद हैं और पेशे से अभिनेत्री भी हैं। उन्होंने कई बांग्ला फिल्मों और सीरियल्स में काम किया। सायनी घोष ने बांग्ला टेलीफिल्म इच्छे दाना से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह 2021 में टीएमसी में आई थीं और फिर 2024 में जादवपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी और जीत हासिल की। हालांकि इससे पहले 2021 में उन्हें आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव के बाद ही जून 2021 में उन्हें टीएमसी की यूथ विंग का अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने अभिषेक बनर्जी की जगह ली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की जगह उन्होंने यूथ टीएमसी की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे समझा जा सकता है कि ममता की वह कितनी करीबी हैं। सायनी घोष का नाम विवादों में भी जुड़ता रहा है। कई बार उनके बयान चर्चा में रहे हैं तो वहीं एक घोटाले में भी उनका नाम आया था। कम उम्र में ही बड़ी राजनीतिक सफलता पाने वालीं सायनी घोष अब अपनी गाने की क्षमता का इस्तेमाल राजनीतिक मंच पर कर रही हैं। वहीं बीजेपी इसे मुस्लिम तुष्टीकरण बता रही है।

बीजेपी समर्थकों की ओर से कई रील शेयर किए गए हैं और लिखा जा रहा है कि आखिर एक सांसद कैसे मंच से इस तरह का गाना गा सकती है। सायनी घोष को बीजेपी पर तीखे हमलों के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनका दिया एक नारा भी चर्चा में रहा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि बंगाल दिखाएगा- ममता की क्षमता। माना जा रहा है कि मुस्लिम बहुल इलाकों में इस गाने के जरिए टीएमसी माहौल बनाना चाहती है।

मुंबई में लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग ओवरडोज से 2 छात्रों की मौत, एक युवती की हालत गंभीर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर गोरेगांव में आयोजित एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग्स के ओवरडोज से दो लोगों की मौत का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मृतकों में एक युवक और एक युवती शामिल हैं, जो दोनों उच्च शिक्षित एमबीए छात्र बताए जा रहे हैं। जबकि एक युवती की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया है कि मृतक दक्षिण मुंबई के एक प्रतिष्ठित मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। दोनों अपने 15 दोस्तों के समूह के साथ कॉन्सर्ट में शामिल हुए थे। जांच में सामने आया है कि दोनों छात्रों ने कॉन्सर्ट से पहले और उसके दौरान एक्स्टेसी टैबलेट्स का सेवन किया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 11 अप्रैल को गोरेगांव इलाके में नेस्को एक्ज़िबिशन सेंटर में आयोजित एक लेट-नाइट टेक्नो म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान यह घटना हुई। वहां एक बड़े स्तर पर लाइव कॉन्सर्ट आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 3 से 4 हजार युवक-युवतियां शामिल हुए थे। संगीत और पार्टी के माहौल में शराब के साथ-साथ ड्रग्स के इस्तेमाल की भी जानकारी सामने आई है। कार्यक्रम के दौरान कुछ युवाओं ने कथित तौर पर अधिक मात्रा में ड्रग्स का सेवन कर लिया, जिससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। दो युवतियों को तुरंत हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि एक युवक को लाइफ लाइन अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती युवक की मौत हो गई। वहीं ट्रॉमा केयर अस्पताल से डिस्चार्ज के बाद दोनों युवतियों को आगे के इलाज के लिए निजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां सोमवार दोपहर एक युवती ने दम तोड़ दिया। दूसरी युवती की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। इस मामले में वनराई पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और पुलिस जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने लापरवाही और सदोष मनुष्यवध का मामला दर्ज करते हुए आयोजक सनी जैन, अन्य इवेंट आयोजकों और मृत छात्रों के दो मित्र को आरोपी बनाया है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों के खून के नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि किस प्रकार के ड्रग्स का सेवन किया गया था।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा कतार लांघ गई अभिनेत्री करीना, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि मुंबई एयरपोर्ट का एक वीडियो है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में करीना कपूर सुरक्षा जांच (सिक्योरिटी चेक) के दौरान लंबी कतार को छोड़कर सीधे सिक्योरिटी गेट की ओर जाती दिख रही हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर सेलिब्रिटी प्रिविलेज यानी मशहूर हस्तियों को मिलने वाले विशेषाधिकारों को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है।

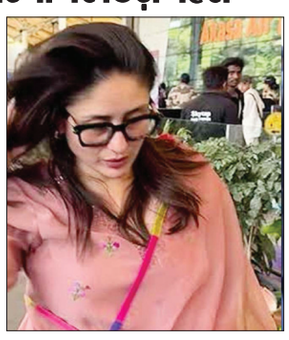

वीडियो वायरल होते ही माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई उपयोगकर्ताओं ने करीना के इस व्यवहार पर नाराजगी जताई और इसे आम नागरिकों के साथ नाइंसाफी करार दिया। एक यूजर ने पोस्ट करते हुए लिखा कि करीना कपूर ने कतार तोड़कर सीधे गेट पर पहुंचकर नियमों का उल्लंघन किया है। यूजर ने सवाल उठाया कि सेलिब्रिटी को यह विशेषाधिकार किसने दिया, जबकि अन्य यात्रियों की उड़ानें भी उतनी ही जरूरी होती हैं। कुछ लोगों ने इसे अहंकार बताया और सरकारी अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए।

हालांकि, बहस के बीच कई लोग करीना कपूर के बचाव में भी उतरे। सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने स्पष्ट किया कि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर पेड वीआईपी सर्विस (सशुल्क वीआईपी सेवा) उपलब्ध होती है। इस सेवा के तहत कोई भी यात्री एक निश्चित शुल्क (जैसे 6,000 रुपये) देकर एक्सप्रेस सुरक्षा जांच और त्वरित क्लियरेंस की सुविधा प्राप्त कर सकता है। समर्थकों का तर्क है कि यह कोई फ्री कल्चर नहीं बल्कि एक वैध व्यवसायिक सेवा है, जिसे करीना ने संभवतः खरीदा होगा। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी कहा कि जब राजनेताओं या क्रिकेटरों को ऐसी सुविधाएं मिलती हैं, तब कोई विरोध नहीं होता, लेकिन एक अभिनेत्री के मामले में समानता की बात उठाना गलत है।

इस विवाद ने देश में कतार संस्कृति और सेलिब्रिटी सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ समर्थकों का मानना है कि सेलिब्रिटी अक्सर भीड़ और सुरक्षा कारणों से आम कतारों से बचते हैं। फिलहाल इस पूरे विवाद पर करीना कपूर खान की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह घटना एक बार फिर भारत में सार्वजनिक स्थलों पर मिलने वाली विशेष सुविधाओं और आम जनता की उनके प्रति धारणा के बीच के बड़े अंतर को उजागर करती है।

महिला आरक्षण विधेयक: कांग्रेस ने जारी किया निर्देश, सभी रहें विशेष सत्र में उपस्थित

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण विधेयक में परिसीमन समेत अन्य सियासी मसाला लपेटने की कोशिश अगर चुनावी बेला में सरकार की तरफ से की जाएगी तो विपक्ष अपनी लामबंदी से घेरने को तैयार है। इसको ध्यान में रखते कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा में अपने सभी सांसदों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। इस व्हिप के तहत पार्टी के सभी लोकसभा सदस्य 16, 17 और 18 अप्रैल (गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार) को सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और पार्टी के रुख के अनुसार मतदान करेंगे।

उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा से यूपीए सरकार के समय ही पारित हो गया था। लोकसभा में साथी दलों समेत अन्य दलों के विरोध के चलते पारित नहीं कराया जा सका था। राजद, सपा, जदयू समेत विरोध करने वाले दलों के नेता महिला आरक्षण में एससी, एसटी, ओबीसी महिलाओं के आरक्षण की मांग को लेकर बेहद मुखर थे। अब विधेयक का प्रारूप क्या होगा, विपक्षी दलों की रणनीति उसी आधार पर फ्लोर टेस्ट में बदलेगी।

कांग्रेस संसदीय दल के चीफ व्हिप से जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि इन तीन दिनों के विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में महिला आरक्षण समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और मतदान प्रस्तावित है। ऐसे में सभी सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करना पार्टी के लिए अत्यंत आवश्यक है। व्हिप में सांसदों को सुबह 11:00 बजे से सदन की कार्यवाही शुरू होने से लेकर स्थगन तक मौजूद रहने के लिए कहा गया है। पार्टी नेतृत्व ने अपने निर्देश में यह भी रेखांकित किया है कि किसी भी परिस्थिति में अनुपस्थित रहने की अनुमति नहीं होगी और सभी सांसदों को बिना किसी चूक के पार्टी लाइन का समर्थन करना होगा। इस निर्देश को अत्यंत महत्वपूर्ण श्रेणी में रखा गया है, जो इसकी गंभीरता को दर्शाता है। इस घटनाक्रम के बाद लोकसभा की आगामी कार्यवाही पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं, जहां महिला विधेयक और प्रस्तावों पर तीखी बहस और निर्णायक मतदान होने की संभावना है।

क्या होता है तीन लाइन का व्हिप?

तीन लाइन का व्हिप संसद में जारी होने वाला सबसे सख्त निर्देश माना जाता है। इसके तहत संबंधित पार्टी के सांसदों के लिए सदन में उपस्थित रहना और पार्टी के निर्देशानुसार मतदान करना अनिवार्य होता है। यदि कोई सांसद इसका उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें सदस्यता समाप्ति तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि तीन लाइन व्हिप का जारी होना इस बात का संकेत है कि सदन में होने वाले मतदान बेहद अहम हैं और सरकार तथा विपक्ष दोनों के लिए राजनीतिक रूप से निर्णायक साबित हो सकते हैं। ऐसे में पार्टी अपने सांसदों की पूर्ण उपस्थिति और एकजुटता सुनिश्चित करना चाहती है।

कल्याण में भीषण सड़क हादसा : डंपर और कार की सीधी भिड़ंत में मरने वालों की संख्या हुई 11

मुंबई। महाराष्ट्र के कल्याण इलाके में सोमवार को हुए एक हृदयविदारक सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। अस्पताल में उपचार के दौरान दो और घायलों द्वारा दम तोड़ने के बाद प्रशासन ने इस आंकड़े की पुष्टि की। यह भीषण दुर्घटना कल्याण-मुरबाड मार्ग पर रायता पुल के पास सुबह करीब 11 बजे हुई, जब एक तेज रफ्तार कार और मिक्सर डंपर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, कार कल्याण से मुरबाड की ओर जा रही थी, जिसमें क्षमता से अधिक कुल 12 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायलों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, इलाज के दौरान तीन अन्य लोगों ने भी दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का कुल आंकड़ा 11 पहुंच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि नेशनल हाईवे 61 पर हुआ यह हादसा बेहद दुखद है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और घायलों को बेहतर उपचार प्रदान किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही टिटवाला पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराने के साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

तमिलनाडु चुनाव प्रचार में एआई का इस्तेमाल, डिजिटल अवतार में वोट मांग रहे विजय

-चुनाव आयोग ने चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जोरों शोरों से जारी है। इस बीच चुनाव प्रचार में एक उम्मीदवार ने एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया, जिसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। दरअसल कुंभकोणम में तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के एक उम्मीदवार ने होलोग्राफिक एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके, चुनावी रैलियों में पार्टी अध्यक्ष विजय की असली जैसी बड़ी और जीवंत छवि दिखाई, जिससे कई कार्यक्रमों में उनकी गैर-मौजूदगी की भरपाई हो जा रही है। राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है, और विजय कई चुनावी कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे में उम्मीदवार मतदाताओं का जुड़ाव बनाए रखने के लिए दूसरे तरीके ढूंढ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच टीवीके के तंजावुर पूर्वी जिले के सचिव और कुंभकोणम से चुनाव लड़ रहे 32 साल के विनोद रवि ने इस एआई टेक्नोलॉजी हैक का इस्तेमाल किया। जानकारी के मुताबिक यह सिस्टम उन्होंने कामा टेक्नोलॉजीज से लिया है, जिसका रोजाना का किराया 50,000 रुपए है। रवि ने कहा कि चुनाव आयोग ने मुझे चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। इससे मुझे बहुत ज्यादा जोश और आत्मविश्वास महसूस होता है, मानो हमारे थलापति मेरे ठीक बगल में खड़े होकर सीधे लोगों से बात कर रहे हों।

बता दें चुनावी वाहन पर लगा यह सिस्टम दृष्टि की निरंतरता के सिद्धांत पर आधारित होलोग्राफिक प्रोजेक्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है। इसमें एक प्रोजेक्शन फैन डिस्प्ले, तेज रफ्तार वाली मोटरें और एक सिंक्रोनाइज्ड ऑडियो सिस्टम लगा है, जिसे वाहन का जेनरेटर बिजली देता है।

यह सेटअप विजय की सिर से लेकर पैर तक की एक बहुत ही असली जैसी 3डी छवि बनाता है। इसे देखकर लगता है कि वे वाहन की छत से बाहर खड़े होकर लोगों की भीड़ को सीधे संबोधित कर रहे हैं। यह सिस्टम विजय के पुराने भाषणों की ऑडियो के साथ सिंक्रोनाइज्ड होता है, जिससे लगता है कि वे चुनावी वाहन से सीधे भाषण दे रहे हैं।

नोएडा हिंसा विकास को बाधित करने की साजिश, इसमें हो सकता है पाक कनेक्शन : राजभर

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सोमवार को नोएडा में हुई श्रमिक हिंसा को राज्य के विकास को बाधित करने की एक सुनियोजित साजिश बताया है। यह बवाल वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हुआ था, जहां आगजनी और पथराव से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा गया। हाल ही में मेरठ और नोएडा से पकड़े गए चार संदिग्ध आर्तकियों के तार पाकिस्तान से जुड़े होने के कारण एजेंसियां अब इस हिंसा में बाहरी ताकतों की भूमिका की जांच कर रही है। सीएम के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर बातचीत के जरिए स्थिति को सामान्य बनाने और मजदूरों की समस्याओं को सुलझाने में जुटे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा है कि यह घटना महज एक विरोध प्रदर्शन नहीं है। हाल के दिनों में मेरठ और नोएडा से चार संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है, जिनके हैंडलर पाकिस्तान में बैठे थे। इस पृष्ठभूमि में राज्य में अस्थिरता पैदा करने की साजिश की आशंका को बल मिलता है। मंत्री ने अंदेशा जताया कि इस अशांति का मकसद मुजफ्फरनगर में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बाधा डालना भी हो सकता था।

बता दें वेतन वृद्धि की मांग कर रहे फैक्ट्री मजदूरों का प्रदर्शन देखते ही देखते हिंसक हो गया था। नोएडा के फेज-2, सेक्टर 60, 62 और 84 में उपद्रवियों ने वाहनों को आग के हवाले कर दिया और जमकर तोड़फोड़ की। पत्थरबाजी की घटनाओं के कारण प्रमुख रास्तों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। राजभर ने स्पष्ट किया कि अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं और सरकार मजदूरों की हर जायज बात सुनने को तैयार है। मंत्री ने श्रमिकों से किसी भी तरह के बहकावे या उकसावे में न आने की अपील की है।

होर्मुज संकट के बीच चीन ने श्रीलंका को दिया दगा, भारत ने की आपातकालीन मदद

-भारत को पीएलसी में 51फीसदी नियंत्रक की हिस्सेदारी देकर अहसान चुका रहा श्रीलंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज संकट में जब चीन ने ईरान के साथ दोस्ती का ढोंग रचा और श्रीलंका से दगा किया तब भारत ने श्रीलंका का हाथ थाम लिया। ईंधन की कमी, आर्थिक दबाव और ऊर्जा संकट से जूझ रहे श्रीलंका को भारत ने आपातकालीन मदद पहुंचाई। अब श्रीलंका इस अहसान का बदला चुकाने जा रहा है। भारत की प्रमुख रक्षा शिपयार्ड मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा एमडीएल का पहली अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है, जिसकी कीमत 26.8 मिलियन डॉलर यानी करीब 249.5 करोड़ रुपए है। मुंबई स्थित इस डिफेंस पीएसयू ने 9 अप्रैल को जारी बयान में कहा था कि इस डील से श्रीलंका का सबसे बड़ा शिपयार्ड अब उसके परिचालन नियंत्रण में आ गया है। यह सौदा जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड से शेयर खरीदकर पूरा हुआ है। यह अधिग्रहण सिर्फ व्यापारिक नहीं, बल्कि जियो पॉलिटिक्स के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

चीन श्रीलंका में हम्बनटोटा बंदरगाह पर 99 साल का पट्टा ले चुका है और कोलंबो में नियमित रूप से अपने नौसैनिक जहाज खड़े कर रहा है। भारतीय हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती पैठ को देखते हुए दिल्ली इस अधिग्रहण को अपने समुद्री विस्तार रणनीति का हिस्सा बता रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (रिटायर्ड) कैप्टन जगमोहन ने कहा कि एमडीएल द्वारा सीडीपीएलसी का अधिग्रहण हमारे दोनों संगठनों के लिए ही नहीं, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग के लिए मील का पत्थर है।

ईरान की अमेरिका-इजराइल से जंग के दौरान होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। श्रीलंका जैसे छोटे देश ईंधन संकट, महंगाई और आर्थिक दबाव से जूझ रहे थे, जबकि चीन ने ईरान के साथ संबंधों का दावा किया, लेकिन व्यावहारिक रूप से श्रीलंका को तत्काल राहत नहीं दी। इसके उलट भारत ने श्रीलंका को डीजल और अन्य ईंधन की इमर्जेंसी सप्लाई की। पड़ोसी पहले सिद्धांत के तहत नई दिल्ली ने श्रीलंका का साथ दिया, जिससे कोलंबो में आर्थिक स्थिरता बनी रही। अब यह अधिग्रहण उस सहायता का प्रत्युत्तर माना जा रहा है।

यह डील भारत की समुद्री अमृत काल विज़न 2047 के अनुरूप है, जिसके तहत देश को वैश्विक समुद्री शक्ति बनाने का लक्ष्य है। एमडीएल जैसी कंपनियां अब विदेशों में पैर पसार रही हैं, जिससे भारतीय जहाज निर्माण और रिपेयर क्षमता बढ़ेगी। विश्लेषकों का मानना है कि मुख्य शिपिंग

रूट्स पर कोलंबो डॉकयार्ड की रणनीतिक स्थिति भारत को हिंद महासागर में मजबूत पकड़ देगी और चीन की 'स्ट्रिंग ऑफपर्ल्स' रणनीति को प्रभावी चुनौती मिलेगी। श्रीलंका के लिए भी यह फायदेमंद साबित होगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ पीडिया

हैबीटेट सोसायटी के सामने 25 दिन बाद सड़क निर्माण शुरू, लोगों को मिली राहत

फरीदाबाद, एजेंसी। ग्रेटर फरीदाबाद में सेक्टर-78 स्थित हैबीटेट सोसायटी के सामने आखिरकार 25 दिन बाद मास्टर रोड परत तारकोल की परत डालने का काम शुरू हो गया है। यहां सड़क निर्माण के लिए लाल मिट्टी व पत्थर डालकर आधार तो तैयार कर दिया था लेकिन इसके बाद तारकोल की कमी के कारण परत नहीं डाली जा सकी थी।इस वजह से सोसायटी वासी, ग्रामीण और यहां से गुजरने वाले हजारों वाहन चालक बेहद परेशान थे। वाहनों के चलने के साथ लाल मिट्टी उड़कर सोसायटी के फ्लैटों तक जा रही थी। यहां पार्किंग में खड़े वाहनों की प्रतिदिन सफाई करानी पड़ती थी। पूरी गाड़ी पर लाल मिट्टी की परत चढ़ जाती थी।अब एक ओर तो तारकोल की परत डाल दी है। दूसरी लेन पर जल्द परत डाली जाएगी। याद रहे यहां मास्टर रोड का करीब 200 मीटर का हिस्सा बेहद जर्जर था। गड्ढे होने की वजह से हजारों वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी। कई बार इस मामले की शिकायत फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण से की लेकिन बात नहीं बनी।प्रदेश के राज्य मंत्री राजेश नागर के पास भी यह शिकायत पहुंची। इसके बाद अब मास्टर रोड बननी शुरू हुई। प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता केएस पठानिया का कहना है कि अब कोई दिक्कत नहीं है। प्लांट से तारकोल मिक्सचर खूब आ रहा है। इसलिए जहां मास्टर रोड बनने से यह गई है, उसे पूरा किया जा रहा है।

जेसी बोस विवि में डॉ. बीआर आंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई

फरीदाबाद, एजेंसी। …संबोधन में कुलपति ने भारतीय संविधान को एक दूरदर्शी एवं प्रगतिशील दस्तावेज बताया। उन्होंने डॉ. आंबेडकर तथा संविधान सभा के सदस्यों की दूरदर्शी सोच की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय संविधान इतनी दूरदर्शिता से लिखा गया है कि आज भी यह पूर्णतः प्रासंगिक है। इन्हीं मूल्यों से प्रेरित होकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू की गई है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है। इस अवसर पर प्रो. प्रदीप डिमरी ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना को बढ़ा, जिसका सभी ने अनुसरण किया। कार्यक्रम में एससी-एसटी सेल के अध्यक्ष प्रो. राज कुमार तथा सेल के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय की टीम एवं स्टूडेंट क्लब अनन्या की ओर से किया गया।

एनएच-19 जाम मामले में पुलिस सख्त, अज्ञात कर्मचारियों पर केस दर्ज

पलवल/फरीदाबाद, एजेंसी।। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर सोमवार को लगाए गए जाम के मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना गदपुरी पुलिस ने सड़क बाधित करने और आमजन को परेशानी में डालने के आरोप में अज्ञात महिला व पुरुष कर्मचारियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह करीब नौ बजे पृथला के पास महिंद्रा रोड कट पर एक निजी कंपनी के बड़ी संख्या में कर्मचारी अचानक सड़क पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने हाईवे के बीच बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी, जिससे फरीदाबाद से पलवल की ओर जाने वाला मार्ग पूरी तरह जाम हो गया। करीब दो घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा और भीषण गर्मी में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही गदपुरी थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। काफी देर तक समझाने के बाद पुलिस ने कर्मचारियों को हटाकर जाम खुलवाया और यातायात बहाल कराया। पुलिस का कहना है कि जाम लगाने वाले लोगों की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

साईं ऑटो के बाहर हालात रहे सामान्य, पुलिस रही तैनात

पलवल, फरीदाबाद, एजेंसी। पृथला गांव स्थित साईं ऑटो कंपनी के बाहर मंगलवार को स्थिति पूरी तरह सामान्य रही और कहीं भी प्रदर्शन देखने को नहीं मिला। एहतियात के तौर पर कंपनी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर पुलिस बल तैनात रहा, ताकि किसी भी संभावित स्थिति को समय रहते नियंत्रित किया जा सके और यातायात सुचारू बना रहे।सोमवार को पृथला गांव में नेशनल हाईवे-19 पर कर्मचारियों ने वेतन बढ़ोतरी और अन्य मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया था। सुबह शुरू हुआ यह प्रदर्शन कुछ ही देर में उग्र हो गया और कर्मचारियों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। करीब चार घंटे तक चले इस जाम के कारण फरीदाबाद से पलवल की ओर जाने वाले मार्ग पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया था। जाम के चलते हजारों वाहन बीच रास्ते में फंस गए थे, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दफ्तर जाने वाले कर्मचारी, छात्र और अन्य राहगीर घंटों तक जाम में फंसे रहे। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और कर्मचारियों को समझाकर करीब चार घंटे बाद जाम खुलवाया गया, जिसके बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका।

दहेज प्रताड़ना के तीन मामलों में केस दर्ज, तीन महिलाओं ने लगाए गंभीर आरोप

पिनगवां। थाना क्षेत्र में दहेज प्रताड़ना के आरोपों को लेकर तीन अलग-अलग महिलाओं की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। तीनों मामलों में महिलाओं ने ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। पहले मामले में पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2022 में उसकी शादी मुस्लिम रीति-रिवाज से हुई थी।

शादी में परिजनों ने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया, लेकिन ससुराल पहुंचते ही कार और 2 लाख रुपये नकद की मांग की जाने लगी। मांग पूरी न होने पर उसे प्रताड़ित किया गया और घर से निकाल दिया गया। पीड़िता ने बताया कि उसने एक बच्ची को जन्म दिया, वहीं करीब एक महीने पहले पति ने फोन पर तीन तलाक दे दिया।दूसरे मामले में महिला ने आरोप लगाया कि शादी में अधिक दहेज देने के बावजूद ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं था और लगातार कम दहेज लाने का ताना देकर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। कुछ दिन पहले उसके साथ मारपीट कर पति ने सबके सामने तीन तलाक दे दिया।

मुख्यमंत्री ने पंचकूला में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को समर्पित समता मैराथन को दिखाई हरी झंडी

युवाओं और बच्चों ने एकता और भाईचारे का संदेश देते हुए मैराथन में उत्साहपूर्वक लिया भाग

यह दौड़ सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी*

मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा कर बढ़ाया उनका मनोबल

हरियाणा सरकार बाबा साहेब के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध, समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए चलाई अनेक योजनाएं- नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्रीनायब सिंह सैनी ने आज यवनिका पार्क सेक्टर-5 से भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को समर्पित समता मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह दौड़ सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इससे पूर्व, मैराथन स्थल पर पहुंचने पर युवाओं और बच्चों ने मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी स्नेहपूर्वक लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने न केवल मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया, बल्कि प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा कर उनका मनोबल भी बढ़ाया। प्रतिभागियों ने ÷भारत माता की जय÷ और ÷वंदे मातरम्÷ के नारों के साथ एकता और भाईचारे का संदेश देते हुए ताऊ देवी लाल खेल स्टेडियम, सेक्टर-3 तक मैराथन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।बाबा साहेब की 135वीं जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, त्याग और संकल्प की एक अद्भुत गाथा है। उन्होंने अपने पूरे जीवन को समाज के उस वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया जो सदियों से वंचित और शोषित रहा। उन्होंने हमें केवल संविधान ही नहीं दिया बल्कि एक ऐसी विचारधारा दी जो समानता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांत पर आधारित हैं। आज की यह समता मैराथन उसी विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा कि यह मैराथन हमें यह संदेश देती है कि समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव, असमानता या अन्याय स्वीकार नहीं है। हमें मिलकर ऐसे भारत का निर्माण करना है जहां हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, हर नागरिक को सम्मान मिले और कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित ना रहे। यही बाबा साहेब का सपना था और यही हमारे संविधान की आत्मा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार बाबा साहेब के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमने समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई है, जिनका उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पंहुचाना है। उन्होंने कहा कि चाहे शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृति योजनाएं हो, रोजगार के अवसर हो या सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं- हरियाणा सरकार हर स्तर पर समानता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का स्पष्ट मानना है कि जब तक समाज का हर वर्ग सशक्त नहीं होगा तब तक प्रदेश और देश का समग्र विकास संभव नहीं है। इसलिए हम लगातार ऐसी नीतियां बना रहे है जो समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने का कार्य करे।मुख्यमंत्री ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि आप देश का भविष्य है और आप सभी के कंधों पर एक सशक्त और समनतामूलक समाज के निर्माण की जिम्मेदारी है। बाबा साहेब ने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार बताया था। उन्होंने कहा था कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। हमें उनके इन शब्दों को अपने जीवन में उतारना होगा। शिक्षा, जागरूकता और एकता के माध्यम से ही हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब को नमन करते हुए लोगों से उनके दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण करें जो समता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों पर आधारित हो।इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल बडौली, राज्य सभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेनू भाटिया, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता, उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, सामुदायिक पुलिसिंग और आउटरीच कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री के विशेष अधिकारी आईजी श्री पंकज नैन, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक श्रीमती वर्षा खंगवाल, अतिरिक्त निदेशक श्री मनीष लौहान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अब शहरी गरीब परिवारों का भी होगा अपना घर

हरियाणा सरकार ने दी पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत 2,646 मकानों को मंजूरी

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा में जल्द ही शहरी गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का भी अपने घर का सपना साकार होगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजनाङ्कशहरी (पीएमएवाई-यू) 2.0 के तहत राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (एसएलएसएमसी) की तीसरी बैठक में राज्य के 60 शहरी स्थानीय निकायों में 2,646 लाभार्थियों के लिए आवास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

बैठक में 51 शहरी स्थानीय निकायों के 2,409 लाभार्थियों की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इसी दौरान 9 अन्य शहरी स्थानीय निकायों से 237 अतिरिक्त लाभार्थियों की परियोजनाएं भी प्राप्त हुईं। समिति द्वारा इनकी भी स्वीकृति प्रदान की गई। इस प्रकार इस चरण में कुल 60 शहरी स्थानीय निकायों के 2,646 लाभार्थियों को मंजूरी दी गई।

हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन ने जानकारी दी कि केंद्र सरकार के यूनिफाइड वेब पोर्टल के माध्यम से अब तक 1,69,483 आवेदकों ने अपनी आवास मांग दर्ज कराई है। इनमें से 97,584 आवेदन बेनिफिशियरी लेड कंस्ट्रक्शन (बीएलसी) श्रेणी में हैं, जबकि 71,899 आवेदन अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप (एएचपी) श्रेणी में हैं।

बीएलसी श्रेणी के अंतर्गत अब तक 46,902 आवेदनों का सत्यापन किया जा चुका है। इनमें से 17,465 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं और 29,437 आवेदन जांच के बाद अस्वीकृत किए गए हैं।

इसके अलावा, 12,552 मकानों की जियो-टैगिंग भी की जा चुकी है, जो लाभार्थियों को केंद्रीय सहायता जारी करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत 17,430 लाभार्थियों की आवास परियोजनाओं को केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी दी जा चुकी है। यह मंजूरी 20 मार्च, 2025 और 15 अक्टूबर, 2025 को हुई केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति की बैठकों में दी गई।

इसके साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा 2,174 मकानों के लिए केंद्रीय हिस्से की पहली किस्त के रूप में 1,304.40 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं।

पीएमएवाई-यू 2.0 के बीएलसी घटक के तहत पात्र लाभार्थियों को सभी मौसमों के अनुकूल बहुमंजिला पक्का मकान बनाने के लिए 2.50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसमें 1.50 लाख केंद्र सरकार और 1.00 लाख राज्य सरकार का हिस्सा होता है। मकान का न्यूनतम कार्पेट एरिया 30 वर्ग मीटर तथा अधिकतम 45 वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है।

बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए वार्षिक क्षमता निर्माण योजनाओं को भी मंजूरी दी गई, ताकि राज्य और शहरी स्तर पर योजना के क्रियान्वयन तंत्र को और मजबूत किया जा सके। इन योजनाओं के तहत सभी 87 शहरी स्थानीय निकायों और 3 शहरी विकास प्राधिकरणों में 32 सिटी लेवल टेक्निकल सेल क्लस्टर स्थापित करने का प्रस्ताव है।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए क्षमता निर्माण के लिए कुल 704.45 लाख रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया है, जबकि वर्ष 2026-27 के लिए 772.85 लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है।

यह व्यय केंद्र और राज्य सरकार के बीच 60: 40 के अनुपात में साझा किया जाएगा। इसके अंतर्गत स्टेट लेवल टेक्निकल सेल और सिटी लेवल टेक्निकल सेल की स्थापना, जियो-टैगिंग, थर्ड पार्टी गुणवत्ता निगरानी, सोशल ऑडिट, प्रशिक्षण कार्यशालाएं और एक्सपोजर विजिट जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा 1 सितंबर, 2024 से लागू की गई पीएमएवाई-यू 2.0 योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, निम्न आय वर्ग और मध्यम आय वर्ग के परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है।

राज्य सरकार ने केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर लिए हैं। साथ ही राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति तथा राज्य स्तरीय मूल्यांकन समिति का गठन भी किया जा चुका है। सभी शहरी स्थानीय निकायों को योजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए गए हैं।

बैठक में हाउसिंग फॉर ऑल के महानिदेशक श्री जे.गणेशन और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री अशोक कुमार मीणा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

फरीदाबाद में थाने-थानेदार की रेटिंग अब जनता करेगी, हर थाने में लगा कोड; फीडबैक से तय होगा क्रेडिट

सभी थानों और चौकियों पर क्यूआर कोड लगाए गए

जनता के फीडबैक से थानेदारों की रेटिंग तय होगी

खराब व्यवहार पर पुलिस आयुक्त स्वयं कार्रवाई करेंगे

फरीदाबाद, एजेंसी। अब थाने और थानेदार की रेटिंग क्यूआर कोड से तय होगी। इसके लिए सभी थाने और चौकियों में क्यूआर कोड लगाए गए है, जिनको स्कैन करके थाने में आने वाले शिकायतकर्ता को फीडबैक देना होगा। इसी के आधार पर तय होगा कि किस थाने में जनता के साथ अच्छा व्यवहार किया जा रहा है, वहीं जिन थानों में लगे स्कैन पर पब्लिक के फीडबैक सही नहीं आएंगे तो उनके खिलाफ खुद पुलिस आयुक्त की ओर से कार्रवाई की जाएगी।

जिले में कुल 29 थाने और 30 चौकी

इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी सभी जिलों के पुलिस आयुक्त को आदेश दिए थे कि वह थाने और चौकी में शिकायतकर्ता के साथ अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करे। इसके साथ ही थाने में आने वाले व्यक्ति के बैठने और उसके पेयजल की व्यवस्था भी हो।

जिले में कुल 29 थाने और 30 चौकी है। थानों में प्रतिदिन आठ से दस लोग शिकायत लेकर पहुंचते हैं। ऐसे में कई बार पुलिस पर कई बार शिकायतकर्ता द्वारा यह भी शिकायत की जाती है कि उनकी सुनवाई नहीं की गई या उनके साथ गलत व्यवहार किया गया।

सभी क्यूआर कोड पर आने वाली शिकायतों का होगा रिव्यू

क्यूआर कोड पर आने वाली शिकायतों या किसी भी तरह के फीडबैक का प्रतिदिन रिव्यू किया जाएगा। फीडबैक के अनुसार थाने और चौकी में अगर किसी तरह की कमी होती है तो उसमें सुधार किया जाएगा। इसके साथ शिकायतकर्ता के साथ गलत व्यवहार करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभी तक शिकायतकर्ता के पास फीडबैक देने को लेकर कोई सही मंच नहीं था।

यह पूरी प्रक्रिया पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए है। थाने में आने वाले शिकायतकर्ता को ऐसा महसूस नहीं होना चाहिए कि उसकी अगर यहां पर सुनवाई सही तरीके से नहीं हुई तो वह अपनी आवाज दूसरी जगह नहीं उठा सकता है।

युवक को जबरन अगवा करने का आरोप, 24 घंटे बाद भी सुराग नहीं

तावडू। सदर थाना क्षेत्र से एक 25 वर्षीय युवक को कार सवार बदमाशों द्वारा अगवा करने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित परिजनों ने बताया कि सुबासेडी निवासी शेर मोहम्मद का पुत्र आजाद अपने 12 वर्षीय बेटे के साथ एचपी. गैस एजेंसी से सिलिंडर भरवाकर मोटरसाइकिल पर घर लौट रहा था। जैसे ही वह नाई नंगला रोड पर रेलवे पुलिया के नीचे पहुंचा, वहां पहले से खड़ी एक कार में सवार 5-6 बदमाशों ने उसे जबरन रोक लिया और उसे कार में डालकर अगवा कर लिया। बदमाश गैस सिलेंडर और मोटरसाइकिल भी साथ ले गए। इस दौरान आरोपियों ने बच्चे को भी पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उसके जोर-जोर से रोने और शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा होने लगे, जिससे घबराकर बदमाश उसे मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। परिजनों का कहना है कि आजाद की किसी से कोई दुश्मनी या विवाद नहीं था। पुलिस ने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

केएमपी एक्सप्रेसवे पर बाइक सवार युवक की सड़क हादसे में मौत

पलवल। केएमपी कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर मिंडकोला टोल के पास हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान रेवाड़ी जिले के कतोपुर निवासी शरद यादव के रूप में हुई है। वह एक निजी प्रतिष्ठान में चालक के तौर पर कार्यरत था। बताया जा रहा है कि शरद वृंदावन दर्शन के लिए बाइक से घर से निकला था। परिजनों के अनुसार, देर रात उन्हें सूचना मिली कि शरद घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती है, जहां पहुंचने पर उसकी मौत की पुष्टि हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है ।

जिले में पराली जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध, उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई के आदेश

पलवल। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जिले में फसल अवशेष पराली जलाने पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के तहत जारी किए गए हैं। इसका उद्देश्य वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना है। जिलाधीश ने स्पष्ट किया कि पराली जलाना कानूनन अपराध है और इससे न केवल वायु गुणवत्ता खराब होती है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है।

रोहतक के नेफ्रोलॉजी विभाग ने फरवरी 2023 से अप्रैल 2026 के बीच किए गए 34 किडनी प्रत्यारोपणों में 100

हरियाणा ने 1.89 लाख मुफ्त डायलिसिस सेशन उपलब्ध कराए

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के सरकारी अस्पतालों, जिनमें क्क्त्नढ्रूस् रोहतक भी शामिल है, ने वर्ष 2025-26 के दौरान क्रोनिक किडनी रोग (छ्य्ष्ठ) से पीड़ित मरीजों को लगभग 1.89 लाख मुफ्त डायलिसिस सेशन उपलब्ध कराए। इसके साथ ही, रोहतक के नेफ्रोलॉजी विभाग ने फरवरी 2023 से अप्रैल 2026 के बीच किए गए 34 किडनी प्रत्यारोपणों में 100त्न सफलता-दर हासिल की है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान 2023 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम लगातार प्रगति कर रहा है। प्रत्यारोपण कार्यक्रम की शुरुआत दो सफल कैडेवरिक (मृत शरीर से) प्रत्यारोपणों के साथ हुई थी और तब से इसका लगातार विस्तार हुआ है। इनमें वर्ष 2024 में 10, वर्ष 2025 में 17, और वर्ष 2026 में अब तक 4 प्रत्यारोपण पूरे हो चुके हैं, जो विभाग की बढ़ी हुई क्षमता और जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

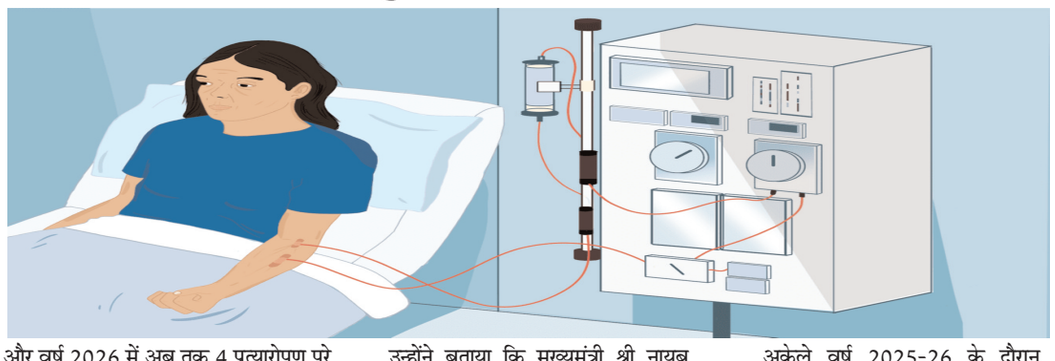

जहां शुरुआती प्रक्रियाओं में कैडेवरिक दान शामिल थे, वहीं हाल के रुझान जीवित दाताओं से होने वाले प्रत्यारोपणों में वृद्धि का संकेत देते हैं, जो बढ़ती जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को उजागर करता है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के तहत, राज्य सरकार पूरे हरियाणा में छ्य्ष्ठ मरीजों को मुफ्त डायलिसिस सेवाएं, आवश्यक दवाएं और नैदानिक सहायता प्रदान कर रही है।

मिश्रा ने बताया कि डायलिसिस की सुविधाएं रोहतक और सभी जिला अस्पतालों में चालू हैं।श

अकेले वर्ष 2025-26 के दौरान, रोहतक में 20,466 डायलिसिस सेशन आयोजित किए गए, जहां मरीजों को मुफ्त परामर्श और निरंतर देखभाल भी मिलती है। पिछले वर्ष संस्थान में लगभग 400-500 नए छ्य्ष्ठ मरीज पंजीकृत हुए थे

वर्तमान में, लगभग 125 मरीज डायलिसिस पर हैं और किडनी प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे हैं। समय पर उपचार सुनिश्चित करने के लिए इन सभी मरीजों की आवश्यक जांचें मुफ्त में की जा रही हैं। इस कार्यक्रम क ो और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से, सरकार ने किडनी प्रत्यारोपण को एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा पहल के रूप में अपनाया है। इसके तहत, दो प्रत्यारोपण सर्जनों को 3.5 लाख रुपये प्रति माह के विशेष मानदेय पर नियुक्त किया गया है, और साथ ही अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, दवाओं तथा व्यापक सहायता प्रणालियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। इसके परिणामस्वरूप, निजी अस्पतालों में आमतौर पर 5ङ्क7 लाख रुपये की लागत वाले किडनी ट्रांसप्लांट अब क्क्त्नढ्रूस् रोहतक में हरियाणा के निवासियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध हैं, जिससे उन्नत और जीवन-रक्षक चिकित्सा सुविधा तक उनकी पहुँच में काफी सुधार हुआ है।

उद्योग हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 3859

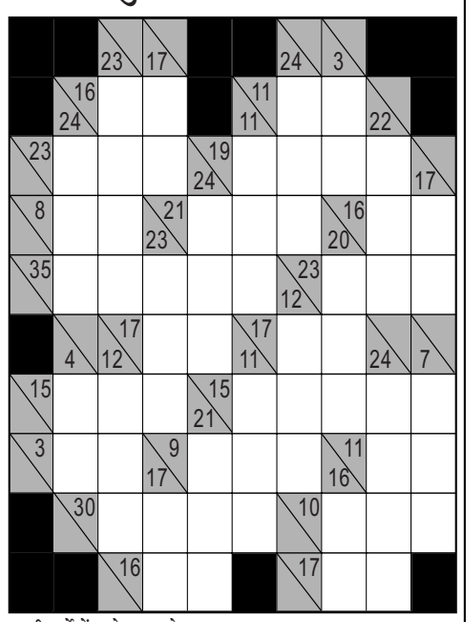

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

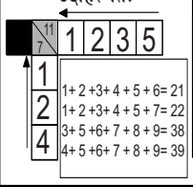

उदाहरणत:

काकुरो - 3858 का हल

हंसी के फूव्वारें

जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख दो.

चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर. माल का आधा-आधा होना चाहिए.

❑ ❑ ❑

बबलू (मम्मी से) - मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो.

मम्मी (बबलू से) - बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?

बबलू (मम्मी से) - क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है.

❑ ❑ ❑

युवा फिल्म अभिनेता (प्रेमिका से)- आज तक मुझसे शादी के सैकड़ों निवेदन किए जा चुके हैं.

प्रेमिका (अभिनेता से)- अच्छा, किस-किस ने निवेदन किया?

अभिनेता (प्रेमिका से) - 'मेरे मम्मी और डैडी ने.' अभिनेता मुस्कराते हुए बोला.

❑ ❑ ❑

एक छाताधारी सैनिक से उनके अफसर ने पूछा, 'तुमने कितनी बार हवाई जहाज से छलांग लगाई है.'

'केवल एक बार.' सैनिक ने कहा.

'लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकार्ड मे तो पन्द्रह बार लिखा हुआ है.'

'शेष चौदह बार तो मुझे धकेला गया था.' सैनिक ने कहा.

फिल्म वर्ग पहेली- 3859

ऊपर से नीचे:-

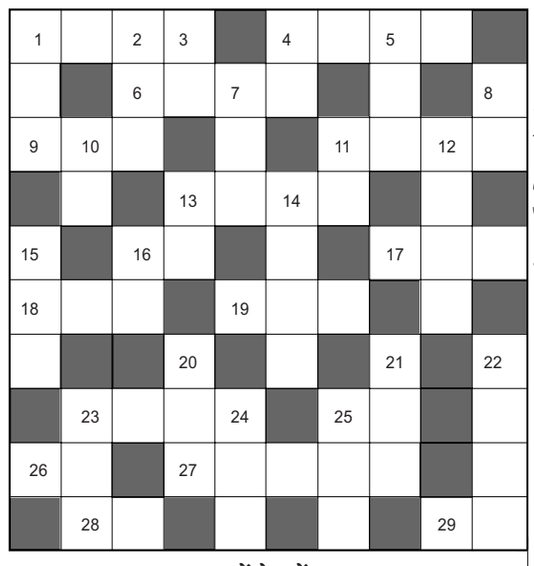

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चॉद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3858

को	ह	श		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
श	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	र्मा			सा	या
	श		आ		त्मा		सा	ज	न
श	स्ते	प्या	र	के		श		औ	
	का		जू		मे	श	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	र		आ	ह
	त्थ		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

सूडोकु -3859

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3858 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3859

बाएँ से दाएँ

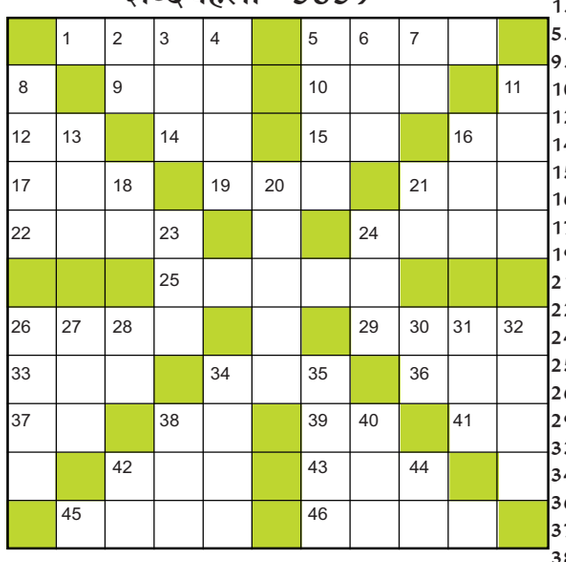

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -3858 का हल

हेल्थ प्लस

कैंसर की संभावना का पता लगाने के लिए नई विधियां विकसित होंगी, कैंसर के टीके, दवाइयां विकसित हो जाएंगी, जिनका उपयोग सरल, दुष्प्रभाव रहित प्रभावी होगा।

कैंसर स्क्रीनिंग

ज्यादातर लोगों में कैंसर की पूर्वदशा या शुरूआती अवस्था में विशेष लक्षण, कष्ट नहीं होते। इस अवस्था में यदि कैंसर का निदान हो जाता है, तो उपचार संभव है। वैज्ञानिक कैंसर की पूर्व दशा या शुरूआती अवस्था में उपचार की विभिन्न विधियों को विकसित करने में प्रयासरत हैं। इन विधियों द्वारा जन साधारण या फिर किसी विशिष्ट कैंसर ग्रस्त होने की ज्यादा संभावना वाले वर्ग के व्यक्तियों में कैंसर निदान के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।

स्क्रीनिंग टैस्ट किनको कराने चाहिए। यह सुविधाओं की उपलब्धता पर निर्भर करता है। यदि खतरा ज्यादा है जैसे कि स्तन, फेफड़ों के कैंसर का परिवारिक इतिहास है, सिगरेट, तंबाकू का सेवन करते हैं या ऐसे उद्योगों में कार्य करते हैं जहां कैंसर का खतरा ज्यादा है, तो उन्हें जरू री टेस्ट अवश्य करवाने चाहिए। महिलाओं को शादी पूर्व और फिर तीन वर्ष के अंतराल पर पैप स्मेयर जांच करवानी चाहिए जिससे गर्भाशय ग्रीवा की पूर्व अवस्था में निदान हो सकें और फिर उपचार कर खतरे से बचा जा सके।

आशा है निकट भविष्य में गुणसूत्रों और वातावरण में अर्न्तक्रियाओं की जानकारी के पश्चात् कैंसर के बचाव के लिए अनेक नई प्रभावी विधियां विकसित होने की उम्मीद है। इन विधियों द्वारा हर व्यक्ति में विशिष्ट कैंसरों का पता लगाना संभव हो सकेगा। कैंसर की संभावना का पता लगाने के लिए नई विधियां विकसित होंगी, कैंसर के टीके, दवाइयां विकसित हो जाएंगी, जिनका उपयोग सरल, दुष्प्रभाव रहित प्रभावी होगा।

वैज्ञानिक ऐसी चिप्स विकसित करने में प्रयासरत हैं जिनको त्वचा के नीचे प्रत्यारोपण कर दिया जाएगा जो गुणसूत्रों में बदलाव की सूचना कंप्यूटर पर देंगे जिससे कैंसर का शक होने पर अन्य जांचें करवा, कैंसर रोग की पुष्टि की जा सकेगी और उपचार कर स्वस्थ रहा जा सकेगा। अभी हाल में वैज्ञानिकों ने ऐसी इलेक्ट्रॉनिक नाक बनाई है जो कि श्वास में कैंसर कारक रसायनों को सूंघ कर फेफड़े के कैंसर की पूर्व सूचना देने में सक्षम हैं

स्तन कैंसर बचाव के लिए महिलाओं को प्रतिमाह स्वयं स्तनों की जांच करनी चाहिए। साथ ही 40 से 49 वर्ष आयु में तीन वर्ष के अंतराल और 50 वर्ष आयु के बाद हर वर्ष पर मैमोग्राफी करवाने का अनुमोदन भी किया गया है।

बड़ी आंतों के कैंसर की जांच के लिए मल में रक्त के मौजूद होने की जांच करवाई जा सकती है और रक्त मौजूद होने पर आंतों की दूरबीन से जांच करवाई जा सकती है जिससे रोग की पुष्टि हो सके।

गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, देश में महिलाओं में सबसे सामान्य कैंसर है। यह कैंसर भी कई चरणों में होता है। शुरूआत में यहां की झिल्ली में बदलाव आ जाता है। गर्भाशय ग्रीवा का इन चरणों में निदान ग्रीवा के स्त्राव को सूक्ष्मदर्शी से जांच से संभव है। यह विधि पैप स्मेयर विधि कहलाती है।

दूर रहें जंक फूड से

बच्चों और युवाओं में जंक फूड का शौक स्वाभाविक है और इसे समाप्त करना टेढ़ी खीर है। लेकिन कम से कम परीक्षा के दिनों में जंक फूड से दूर रहने में ही भलाई है क्योंकि इससे स्मरण शक्ति और एकाग्रता दोनों कमजोर पड़ जाती है।

परीक्षा का तनाव और छात्रों का छिटपुट चीजें खाते रहना कोई नई बात नहीं है। एक्जाम के भूत से जूझ रहे अधिकतर छात्र पौष्टिक आहार संबंधी जरूरतों के लिए जल्दबाजी में जंक फूड खाने के आदी हो जाते हैं। परीक्षा के कठिन दिनों में अपनी ऊर्जा को बरकरार रखने के लिए कई छात्र कॉफी व कोल्ड ड्रिंक का सेवन करने पर आश्रित हो जाते हैं, जबकि कई छात्र तो कैफीन से संबंधित दवाइयों तथा अन्य स्मरण शक्तिवर्द्धक दवाइयों का सेवन करने लगते हैं। इस तरह परीक्षा के तनावपूर्ण समय में पौष्टिक आहार को नकारने से उनकी याद करने की क्षमता व व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

भोजन, पौष्टिकता, पौष्टिक तत्वों की कमी व मनुष्य की दिगामी अवस्था के बीच एक गहरा संबंध है। नई दिल्ली की वरिष्ठ डाइटीशियन रितिका समद्दर बताती हैं कि तनाव हमारे शरीर के बायोकेमिकल बैलेंस (संतुलन) को बिगाड़ता है।

यह भलीभाँति ढंग से मानी हुई बात है कि ऊर्जा व एकाग्रता के स्तर को बनाए रखने में कैफीन का थोड़ी ही देर के लिए लाभ होता है। अन्य शब्दों में कहा जाए तो यह असर इतना कम होता है कि इसे मिनटों में भी नापा जा सकता है। जरूरत से ज्यादा कैफीन का सेवन करने से चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है तथा एकाग्रता स्तर में भी कमी आ जाती है।

भोजन, पौष्टिकता, पौष्टिक तत्वों की कमी व मनुष्य की दिगामी अवस्था के बीच एक गहरा संबंध है। नई दिल्ली की वरिष्ठ डाइटीशियन रितिका समद्दर बताती हैं कि तनाव हमारे शरीर के बायोकेमिकल बैलेंस (संतुलन) को बिगाड़ता है। उदाहरण के लिए हम यह कह सकते हैं कि तनाव व चिंता हमारे शरीर में प्रोटीन, विटामिन ए, सी व के के स्तर को घटाते है। इसलिए यह आवश्यक है कि परीक्षार्थी अपने आहार में अन्न, दाल, दूध, बादाम, दूध से बनी चीजों, अधिक मात्रा में हरी पत्तेदार सब्जियों और फल तथा थोड़ी-थोड़ी मात्रा में वसा और शकर का सेवन करें।

क्या खाएँ और कितना ?

- 350-400 ग्राम कार्बोहाइड्रेट का सेवन करना चाहिए क्योंकि यह शरीर में ऊर्जा का स्त्रोत है। इसमें अन्न, दाल, कंदमूल आदि शामिल हैं।
- रोजाना के आहार में पौष्टिक तरल पदार्थ भी लेना चाहिए।
- शकर का सेवन कम करना चाहिए अर्थात 2 चम्मच प्रतिदिन ही लेनी चाहिए ताकि उच्च कैलोरी की मात्रा में कटौती की जा सके।
- 50-70 ग्राम प्रोटीन लेना चाहिए। इसके लिए दाल, फली, बादाम खा सकते हैं।
- वसा का सेवन 35-45 मिलीलीटर तक ही करना चाहिए। छात्रों को उच्च वसायुक्त या अधिक तला हुआ भोजन नहीं खाना चाहिए। इससे उन्हें चक्कर आना या जी मिचलाना आदि जैसी शिकायतें हो सकती हैं।

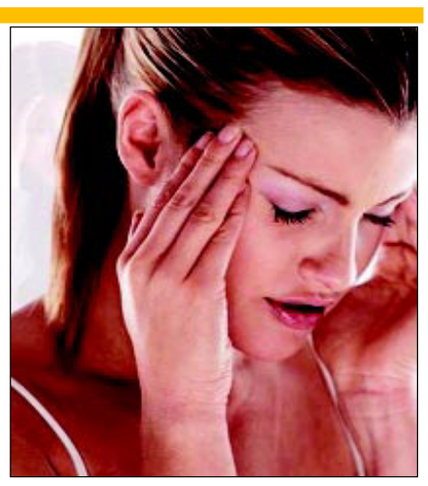

सिरदर्द कई प्रकार के होते हैं जैसे- अधिक देर तक सोते रहने या कम समय सोने से, नींद पूरी न होने के कारण भी सिरदर्द हो सकता है। कभी-कभी नींद के बीच-बीच में टूटने के कारण भी सिरदर्द होता है

सिरदर्द का कारण जानें

सिरदर्द को अधिकतर लोग साधारण मानकर गंभीरता से नहीं लेते और सिरदर्द की गोली लेकर सोचते हैं कि उन्हें इससे छुटकारा मिल गया। ये दवाईयाँ दर्द तो समाप्त कर देती हैं, परंतु सिरदर्द के कारणों को नहीं समाप्त करतीं, इसलिए सिरदर्द के कारण को जानकर उस कारण को समाप्त करना बहुत जरूरी है।

सिरदर्द कई प्रकार के होते हैं जैसे- अधिक देर तक सोते रहने या कम समय सोने से, नींद पूरी न होने के कारण भी सिरदर्द हो सकता है। कभी-कभी नींद के बीच-बीच में टूटने के कारण भी सिरदर्द होता है।

- कभी-कभी गर्मी में अधिक व्यायाम कर लेने से भी सिरदर्द शुरू हो जाता है, क्योंकि व्यायाम करते वक्त ग्लूकोज की मात्रा मांसपेशियों द्वारा खर्च कर ली जाती है और मस्तिष्क को ग्लूकोज नहीं मिल पाता।
- दाँतों में दर्द के कारण भी सिरदर्द की शिकायत रहती है। दाँतों में कीड़ा लगने, अक्ल दाढ़ आने आदि से पूरे जबड़े में दर्द रहता है।
- तनाव का पहला लक्षण ही सिरदर्द है। इसके अतिरिक्त निराशा, नींद न आना, थका हुआ महसूस करना आदि भी तनाव के कारण होते हैं। आँखों के चश्मे के नंबर में बदलाव के कारण भी सिरदर्द होता है। जिन लोगों को आँखों का चश्मा न लगा हो और उन्हें सिरदर्द की शिकायत लगातार हो रही हो उन्हें नेत्र विशेषज्ञ के पास जाकर आँखों को दिखाना चाहिए व नजर कमजोर होने पर चश्मा लगाना चाहिए।
- कभी-कभी कुछ दवाईयाँ भी सिरदर्द का कारण होती हैं जैसे ह्दय रोगों में ली जाने वाली दवाईयाँ व उच्च रक्तचाप होने पर ली जाने वाली दवाईयाँ।
- माइग्रेन ऐसा सिरदर्द है जो अधिकतर आनुवंशिक होता है। इसमें दर्द सिर के आधे हिस्से में होता है। इसका कारण किसी भोज्य पदार्थ से एलर्जी भी हो सकता है।
- अधिक जुकाम, मौसम में बदलाव, अधिक धूम्रपान आदि के कारण भी सिरदर्द की शिकायत रहती है।
- पूरा दिन किसी बंद कमरे में बिताने से शरीर को शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इस कारण से भी सिरदर्द हो सकता है।
- आज के कम्प्यूटर युग में जहाँ बच्चे से लेकर वृद्ध तक कई घंटों तक कम्प्यूटर के सामने बैठे रहते हैं, सिरदर्द एक आम बात है। अधिक देर तक टीवी देखने से भी सिरदर्द हो सकता है।

सिरदर्द का कारण जानने के लिए काफी समय लगता है। अगर आपको तनाव है तो अपने आपको उस तनावपूर्ण वातावरण से दूर रखने का प्रयास करें। बाजार में सिरदर्द की बहुत-सी दवाइयाँ उपलब्ध हैं लेकिन उनका प्रयोग डॉक्टर की सलाह लेकर ही करें। अगर सिरदर्द बिना किसी कारण के लगातार होता है तो एक्सरे या सीटी स्कैन डॉक्टर की सलाह अनुसार कराएँ।

कई बार आप दिन में कुछ नहीं खाते या व्रत रखते हैं तब भी सिरदर्द की शिकायत हो जाती है। कुछ भोज्य पदार्थ चाइनीज फूड, चॉकलेट, पिजा आइस्क्रीम आदि भी किसी-किसी को एलर्जी करते हैं और उन्हें इनके खाने के तुरंत बाद सिरदर्द शुरू हो जाता है। अगर आप कॉफी अधिक मात्रा में पीते हैं और फिर एकदम उसे छोड़ देते हैं तो भी सिरदर्द हो जाता है। नमक की अधिक मात्रा भी इसका एक कारण है। चाइनीज फूड में सोया सॉस का प्रयोग किया जाता है, जिसमें एक रसायन मोनो सोडियम ग्लूटमेट होता है, जो सिरदर्द का कारण होता है।

जिस भी भोज्य पदार्थ के कारण आपको सिरदर्द की शिकायत हो रही है उसे अपने भोजन से निकाल दें। सिरदर्द की कोई भी दवा लेने से पूर्व कारण को जानने का प्रयास करें और डॉक्टर से परामर्श लेते वक्त भी उन्हें बता दें कि आपका दर्द कौन से प्रकार का है ताकि वह आपको सही दवा दे सके।

ह्दयाघात से बचाता है प्याज

रोजाना की खुराक व सब्जियों पर आधारित एक शोध में यह बात सामने आई है कि यदि रोजाना थोड़ी मात्रा में प्याज खाई जाए तो ह्दयाघात को कई हद तक टाला जा सकता है। इंस्टीट्यूट ऑफ फूड रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक चाय, प्याज, सेबफल, रेड वाइन,स्ट्राबैरी और चॉकलेट दिल को सुरक्षित बनाए रखने के लिए काफी उपयोगी हैं। इसी के साथ इनके सेवन से मोटापा कम करने में भी सहायता मिलती है। शोधकर्ता पॉल करुन ने बताया कि रोजाना यदि 100 से 200 ग्राम तक प्याज खाई जाए तो यह दिल की बीमारियों से लड़ने में ज्यादा कारगर साबित होगा।

Disclaimer (अस्वीकरण) :

टाइम्स ऑफ पीडिया में पब्लिश किये गए आलेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं। इसमें दी गई किसी भी सूचना डाटा की सटीकता, संपूर्णता, व्यावहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति टाइम्स ऑफ पीडिया उत्तरदायी नहीं है। आलेख में सभी सूचनाएं ज्यों की त्यों प्रस्तुत की गई हैं। इस आलेख में दी गई कोई भी सूचना अथवा तथ्य अथवा व्यक्त किए गए विचार टाइम्स ऑफ पीडिया के नहीं हैं, तथा टाइम्स ऑफ पीडिया उनके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है। (TOP Legal Cell)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

प्रयागराज : इरफान हत्याकांड में फरार माफिया अतीक के करीबी दो आरोपितों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित

प्रयागराज (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के करेली थाना क्षेत्र में गत दिनों हुई हत्या मामले में माफिया अतीक अहमद के करीबी आसिफ दुरानी और उसके भाई राशिद दुरानी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। दोनों आरोपित करेली थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी विवाद में इरफान (55) की गोली मारकर हत्या के मामले में नामजद हैं और घटना के बाद से फरार चल रहे हैं। पुलिस के अनुसार, मृतक इरफान पुत्र लाल मोहम्मद की हत्या प्रॉपर्टी रंजिश के चलते की गई थी। इस मामले में मृतक के भतीजे सुफियान की तहरीर पर करेली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस संबंध में मनीष कुमार शांडिल्य (पुलिस उपायुक्त नगर) ने बताया कि दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। उनकी जल्द गिरफ्तारी के लिए इनाम घोषित किया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है।

आवास विकास में कूड़े के ढेर में मिला नवजात का शव

फरुर्खाबाद (एजेंसी) जनपद में एक बार फिर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। थाना कादरी गेट क्षेत्र के आवास विकास इलाके में सोमवार को कूड़े के ढेर में नवजात शिशु का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कूड़ा उठाने पहुंचे एक सफाई कर्मचारी को कूड़े में पड़ा एक संदिग्ध डिब्बा दिखाई दिया। शक होने पर जब उसने डिब्बा खोला तो उसमें एक नवजात शिशु का शव रखा मिला। यह दृश्य देखकर वह स्तब्ध रह गया और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कादरी गेट थाना प्रभारी कपिल चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। कुछ ही देर में स्वास्थ्य विभाग के एसीएमओ रंजन गौतम भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने नवजात के शव को डिब्बे में बंद कर यहां फेंका है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास के अस्पतालों और क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि घटना से जुड़े व्यक्ति की पहचान की जा सके। एसीएमओ रंजन गौतम ने बताया कि दोषी की पहचान होने पर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना ने एक बार फिर समाज को झकझोर कर रख दिया है और ऐसे मामलों को लेकर प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की टीमें मामले की गहन जांच में जुटी हुई हैं। इससे पहले भी आवास विकास में कई नवजात के शव मिल चुके है। जिससे पुलिस की शक की सुई निजी नर्सिंग होम की तरफ घूम गई है।

अग्निशमन सेवा दिवस पर निकली जागरूकता रैली

जौनपुर, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर मंगलवार को अग्निशमन विभाग की ओर से एक जागरूकता रैली निकालकर लोगों को आग से बचाव के प्रति सचेत किया गया। इस दौरान विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहर के विभिन्न मार्गों पर रैली निकालते हुए आमजन को आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। फायर ब्रिडेग के सहायक अधिकारी नागेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि रैली के माध्यम से लोगों को बताया गया कि आग लगने पर घबराने के बजाए तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दें। बिजली के उपकरणों को सुरक्षित तरीके से उपयोग करें और गैस सिलेंडर जैसी ज्वलनशील वस्तुओं के प्रति विशेष सावधानी बरतें। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों और स्थानीय नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर वर्ष 1944 में मुंबई डॉकयार्ड में हुए भीषण विस्फोट में देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए 66 दमकलकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर वीर अग्निशमन कर्मियों के बलिदान को नमन किया। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य अग्निशमन कर्मियों के साहस और बलिदान को सम्मान देना तथा आम जनता को आग से बचाव और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है।उल्लेखनीय है कि भारत में हर वर्ष 14 अप्रैल को अग्निशमन सेवा दिवस मनाया जाता है। यह दिन 14 अप्रैल 1944 को मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) में ह्यएसएस फोर्ट स्टिकाइनह्ल नामक जहाज पर लगी भीषण आग और विस्फोट की घटना की स्मृति में मनाया जाता है, जिसमें 66 दमकलकर्मी वीरगति को प्राप्त हुए थे।

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम कार्यालय में मनाई बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती

वाराणसी (एजेंसी)। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर वाराणसी में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पूर्विविनि) के मुख्य कार्यालय के सभागार में मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक शम्भु कुमार सहित अधिकारियों ने बाबा साहब के चित्र पर माला और पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा अर्पित किया।
पूर्विविनि लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शम्भु कुमार ने सभागार में उपस्थित अधिकारियों और कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों को स्मरण करते हुए समानता, न्याय एवं सामाजिक समरसता के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता की जिम्मेदारी का निर्वहन करना है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि हर व्यक्ति कठिन से कठिन परिस्थितियों को पार कर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने भी अपनी बातों को रखा।

बाबा साहब संविधान निमार्ता ही नहीं बल्कि एक महान समाज सुधारक - जिलाधिकारी

फिरोजाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद के कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में संविधान शिल्पी भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मंगलवार को गौरवपूर्ण तरीके से मनाई गई। जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहब केवल संविधान के निमार्ता ही नहीं बल्कि एक महान समाज सुधारक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी रमेश रंजन ने की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी व अपर जिलाधिकारी न्यायिक अरविंद द्विवेदी एवं अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोहनलाल गुप्ता सहित कलेक्ट्रेट के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहब के जीवन दर्शन और राष्ट्र निर्माण की भावना ने देश के नवनिर्माण में अतुलनीय योगदान किया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केवल भारतीय संविधान के निमार्ता ही नहीं बल्कि एक महान समाज सुधारक और दूरदर्शी व्यक्तित्व थे।

पश्चिम यूपी के लिए गेमचेंजर होगा दिल्ली-बागपत-सहारनपुर-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर: सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने कहा, सहारनपुर से दिल्ली व देहरादून की यात्रा अब बेहद कम समय में होगी पूरी

सहारनपुर (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली-बागपत-सहारनपुर-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर बताते हुए कहा कि अब सहारनपुर से दिल्ली व देहरादून की दूरी काफी कम समय में पूरी की जा सकेगी। सीएम ने कॉरिडोर के लोकार्पण को प्रदेश के विकास का ऐतिहासिक क्षण बताते हुए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह कॉरिडोर न केवल आवागमन को सुगम बनाएगा, बल्कि सहारनपुर के वुडवर्क, मेरठ के स्पोर्ट्स गुड्स और क्षेत्रीय किसानों के उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी से होते हुए वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा। यह परियोजना क्षेत्र में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करते हुए ह्यडबल इंजनह्ल सरकार की विकास दृष्टि को साकार करती है। कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को मिलेगी नई गति मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के कर-कमलों से दिल्ली-बागपत-सहारनपुर-देहरादून कॉरिडोर का लोकार्पण होना प्रदेश के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस परियोजना से लाभान्वित होने वाले सभी जनपदवासियों को बधाई देते हुए पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया तथा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व एनएचएआई के अधिकारियों को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस इकोनॉमिक कॉरिडोर के बन जाने से सहारनपुर से दिल्ली व देहरादून तक का सफर तेजी से पूरा किया जा सकेगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। प्रदेश के उत्पादों की वैश्विक बाजारों तक होगी पहुंच मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कॉरिडोर के माध्यम से सहारनपुर के वुडवर्क समेत शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ व बागपत में बनने वाले विभिन्न उत्पादों को नया प्रोत्साहन मिलेगा। जैसे मेरठ स्पोर्ट्स गुड्स निर्माण का केंद्र है, यह क्षेत्र मेहनती अन्नदाता किसानों का है। सरकार इस क्षेत्र में गन्ना, फल-सब्जी व विभिन्न खाद्यान्न उत्पादन को आगे बढ़ा रही है। अब इस इकोनॉमिक कॉरिडोर के रूप में इन सभी उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी के जरिए वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने का एक उत्कृष्ट माध्यम प्राप्त हो रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में नया भारत विकास, सुशासन और सेवा का जो मॉडल स्थापित कर रहा है, उसे हम इस इकोनॉमिक कॉरिडोर के माध्यम से भी देख सकते हैं।
महापुरुषों के सम्मान में होंगे विशेष कार्य मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह अवसर हम सबके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में सामाजिक न्याय को धरातल पर उतारने वाले संविधान शिल्पी बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की आज 135वीं पावन जयंती है। उन्होंने संविधान के माध्यम से देश के हर नागरिक को चाहे वह किसी जाति का हो, किसी संप्रदाय का हो, किसी क्षेत्र का रहने वाला हो, महिला हो, पुरुष हो, बुजुर्ग हो या नौजवान, सभी को समान अधिकार देकर एक सशक्त भारत की नींव रखी। बाबा साहेब के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए प्रधानमंत्री जी ने देश में ह्यपंचतीर्थह्ल का निर्माण कराया। उनकी प्रेरणा से हमारी सरकार ने भी तय किया है कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर, सद्गुरु रविदास जी महाराज, महर्षि वाल्मीकि समेत सामाजिक न्याय के प्रणेता महापुरुषों की जहां-जहां मूर्तियां स्थापित हैं, वहां यदि बाउंड्री वॉल या मूर्ति के ऊपर छत नहीं है तो सरकार आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराकर इन कार्यों को पूर्ण कराएगी। इस कार्य की शुरूआत होने जा रही है। यह सम्मान आने वाली पीढ़ियों को एक सूत्र में जोड़ते हुए प्रधानमंत्री जी के ह्यएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्ल के संकल्प को आगे बढ़ाता है। बड़े से बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में कोई दुविधा नहीं मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश सुरक्षा, सुशासन, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार और निवेश का नया केंद्र बनकर उभरा है। ह्यडबल इंजनह्ल सरकार की ताकत क्या होती है, यह आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। चाहे उत्तराखंड हो, उत्तर प्रदेश हो या दिल्ली, अब बड़े से बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में कोई दुविधा नहीं है। आज सहारनपुर में मां शाकुंभरी के नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित हो चुका है। सरसावा में सिविल टर्मिनल समेत एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। अब सहारनपुर का कोई नौजवान यदि फिल्मों में अपना करियर बनाना चाहता है तो जेवर में फिल्म सिटी का निर्माण भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह क्षेत्र भी अपनी प्रतिभा को समाज के सामने प्रस्तुत करने का एक सशक्त माध्यम है। समाज को बांटने वाले विकास के बारे में नहीं सोच सकते मुख्यमंत्री ने कहा कि जब विकास होता है, तो उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। मैं देख रहा था कि मां शाकुंभरी कॉरिडोर कितना भव्य बन रहा है। नवरात्रि से ठीक पहले मैं उसका निरीक्षण करने के लिए आया था। यह तभी संभव होता है, जब ऐसी सरकार हो जो विरासत का संरक्षण भी करती हो और विकास कार्यों को बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके आगे बढ़ाती हो। जो लोग समाज को बांटने का काम करते हैं, जाति के नाम पर, परिवारवाद के नाम पर, जो वैमनस्यता फैलाते हैं, वे कभी विकास के बारे में नहीं सोच सकते। जिन लोगों ने समाज को विभाजित किया, जो अराजकता में विश्वास रखते हैं, जिन्होंने प्रदेश की पहचान पर संकट खड़ा किया, माफियाओं को प्रश्रय दिया और दंगों-कर्फ्यू को बढ़ावा दिया, उनसे यह उम्मीद करना कि वे विकास करेंगे, नौजवानों को रोजगार देंगे या किसानों के लिए काम करेंगे, अपने आप में एक दिवास्वप्न है। क्लस्टर विकसित करने पर जोर सीएम योगी ने कहा कि सरकार ने सहारनपुर, मेरठ और बागपत में सुदृढ़ इंडस्ट्रियल व हाउसिंग क्लस्टर विकसित करने का निर्देश दिया है। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यहां के कृषि उत्पादों को न केवल देश की राजधानी लखनऊ और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक, बल्कि गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़कर आगे वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में भी सहायता मिलेगी। इससे हमारे अन्नदाता किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा। विकास की रफ्तार और विरासत का संरक्षण मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बाबा साहेब की पावन जयंती पर सहारनपुर वासियों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से यह कॉरिडोर प्राप्त हो रहा है। पहले यह मार्ग अत्यंत कठिन हुआ करता था। डाट काली मां के स्थान से जुड़ा यह मार्ग अक्सर अवरुद्ध हो जाता था। बरसात के दिनों में तो पूरा आवागमन ठप हो जाता था। देहरादून के लोग इधर नहीं आ पाते थे और सहारनपुर सहित अन्य जनपदों के लोग इस मार्ग से देहरादून नहीं पहुंच पाते थे। उन्हें हरिद्वार वाले मार्ग का सहारा लेना पड़ता था। इसीलिए आज हम सब यहां प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए एकत्र हुए हैं। विकास की रफ्तार और विरासत का संरक्षण, दोनों को साथ लेकर डबल इंजन सरकार बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके निरंतर आगे बढ़ती रहेगी। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल, प्रभारी मंत्री सुनील शर्मा, लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह, औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी समेत अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थिति रहे।

हाथरस में धूमधाम से निकाली गई बाबा साहब की प्रभात फेरी , जगह—जगह हुई पुष्प वर्षा

हाथरस (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस के कस्बे में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर मंगलवार सुबह प्रभात फेरी और रथ यात्रा निकाली गई। डॉ. भीमराव अंबेडकर नवयुवक संघ के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और आम नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान 'जय भीम' और 'बाबा साहब अमर रहें' के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। प्रभात फेरी का शुभारंभ भाजपा नेता और एमडी हॉस्पिटल के निदेशक धर्मेंद्र गौतम ने फीता काटकर किया। समिति अध्यक्ष अवनीश सागर और अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें पगड़ी पहनाकर और दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके उपरांत, आगरा चुंगी स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। यात्रा आगरा चुंगी से शुरू होकर कृष्णा टॉकीज, जवाहर बाजार, चौक बाजार, सब्जी मंडी तिराहा और रोडवेज बस स्टैंड से होते हुए विनोबा नगर चौराहे तक पहुंची। वहां से वापस चौधरी चरण सिंह चौराहा होकर अंबेडकर पार्क, मोहल्ला पोखर वाला में इसका समापन हुआ। यात्रा में शामिल युवाओं के हाथों में तिरंगा और नीले झंडे आकर्षण का केंद्र रहे। ।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित लोगों ने बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एडीओ राजेश किंग, विष्णु कुमार मिस्त्री, अध्यक्ष अवनीश सागर, संयोजक भगवती प्रसाद, सुनील कुमार, मोहन मालती स्वरूप, सोनू राना, अंकित कुमार, मनोज सागर, राज कपूर, संतोष निमेष, बहादुर सिंह, रंजीत सागर, भानुवेंद्र सिंह और गंभीर सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

मायावती ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए, देशवासियों को दी बधाई

लखनऊ,(एजेंसी)। बहुजन समाज के मसीहा भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की आज जयंती हैं। इस अवसर पर उनके अनुयायी लखनऊ समेत पूरे देश में धूमधाम से जयंती मना रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भारत देश में बहुजन समाज के मसीहा भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को आज उनकी जयंती पर शत-शत नमन, पुष्पांजलि एवं अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित किए हैं। उन्होंने बसपा के लोगों द्वारा पूरे देश भर में खुद व अपने परिवार सहित उन्हें पूरी मिशनरी भावना के साथ भावभीनी श्रद्धांजलि एवं श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के लिये सभी लोगों का तहेदिल से आभार प्रकट किया हैं । बसपा प्रमुख ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का पूरा जीवन देश के गरीबों उपेक्षितों, शोषितों तथा जातिवाद एवं सामंतवाद से पीड़ित महिलाओं आदि समेत बहुजन समाज की सुरक्षा, सम्मान व उत्थान के लिये अत्यन्त ही कड़े संघर्ष में बीता, और अन्ततः जिसकी गारण्टी उन्होंने संविधान में सुनिश्चित करने का ऐतिहासिक कार्य किया। वह अमर हो गये और जिसके लिये देश हमेशा उनका कृतज्ञ रहेगा। किन्तु काश, देश की केन्द्र व यहाँ राज्यों की सत्ता में रहने वाली पार्टियाँ बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के अति-मानवतावादी, सर्वजन-हितैषी व बहुजन-कल्याणकारी संविधान के पवित्र उद्देश्यों को प्राप्त करने में सही से सफल हो पातीं तो भारत अभी तक स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर व विकसित देश बनकर यहाँ के करोड़ों बहुजनों की अपार गरीबी, बेरोजगारी, जातिवादी द्वेष, शोषण व जुल्म-ज्यादती आदि से मुक्त समता एवं न्याय-युक्त जीवन लोगों को जरूर दे पाता। अगर ऐसा नहीं हो पाया है तो क्यों? इसका जवाब ढूंढने पर देश में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति का कारवाँ चुनावी सफलता भी हासिल करके अपनी मंज़िल की ओर जरूर आगे बढ़ेगा। जय भीम, जय भारत

बाबा साहब की सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखेगी सपा: अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी) समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर हजरतगंज चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। अखिलेश यादव ने बाबा साहब की सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखने के लिए सपा की प्रतिबद्धता जताई। मंगलवार को बाबा साहब को श्रद्धांजलि देने के बाद अखिलेश यादव ने यहां पत्रकारों से कहा कि संविधान बनाने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन है। उन्होंने समाज में दबे कुचले वर्ग के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संघर्ष और जीवनभर काम किया। उनकी सामाजिक न्याय की लड़ाई जारी रखने का संकल्प लेते हुए हमें आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सिद्धांतों को आगे बढ़ाना होगा तभी समाज को जातीय भेदभाव, खासकर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को दूर किया जा सकता है। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में बाबा साहब की प्रतिमाएं तोड़े जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आएदिन प्रदेश में बाबा साहब की प्रतिमाएं तोड़े जाने और पोस्टर फाड़ने के मामले सामने आते हैं, लेकिन सरकार उन पर कोई एक्शन नहीं लेती है। अखिलेश यादव ने भावुक होते हुए बाबा साहब की मूर्ति खंडित करने वालों को चेतावनी दी। उन्होंने ये लोग न सिर्फ मूर्ति खंडित करते हैं बल्कि उनका संविधान भी नहीं मानते। शादी कार्यक्रम में घोड़ी नहीं चढ़ने देते, पानी पीने से रोकते हैं। ये लड़ाई लम्बी है और मजबूती से लड़ी जाएगी और सपा सरकार आने पर इस पर कम किया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, किसान के साथ अन्याय, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। इसलिए जनता से 2027 में भाजपा को प्रदेश से हटाने की अपील करता हूं। उन्होंने नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन और घटना को सरकार की नाकामी बताया। उन्होंने इसे सरकार की लापरवाही करार दिया। श्रमिकों के साथ अन्याय न किए जाने और उनकी मांगें मानकर न्याय दिए जाने की बात कही।

कासगंज-नई दिल्ली इंटरसिटी की समय सारिणी जारी, 16 अप्रैल से नियमित होगा संचालन; जानें पूरी डिटेल

बदायूं (एजेंसी) बरेली से बदायूं होते हुए कासगंज तक विस्तार के बाद सोमवार को बदायूं-नई दिल्ली के बीच 05303 विशेष उद्घाटन गाड़ी चलाई गई। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने भी बदायूं से बरेली के बीच कई अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ उद्घाटन गाड़ी में यात्रा की। 16 अप्रैल से इस ट्रेन का नियमित संचालन शुरू हो जाएगा। इसकी समय सारिणी जारी कर दी गई है। दिल्ली के लिए सीधी रेल सेवा शुरू होने की लंबे समय से चली आ रही मांग सोमवार को पूरी हो गई। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने बदायूं से दिल्ली से सीधी रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्रीय विकास को नई रफ्तार मिलेगी। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के अंतर्गत बरेली-नई दिल्ली-बरेली इंटरसिटी एक्सप्रेस (14315/14316) का संचालन विस्तार बदायूं और कासगंज तक कर दिया गया है। अब इस ट्रेन का नाम कासगंज-नई दिल्ली इंटरसिटी हो गया है। 16 अप्रैल से ट्रेन का नियमित संचालन शुरू हो जाएगा। रेलवे ने समय सारिणी जारी कर दी है। बदायूं रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में विशेष गाड़ी 05303 को केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कासगंज, उझानी और बदायूं क्षेत्र के लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि यह रेल सेवा क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है, इससे आमजन को दिल्ली सहित प्रमुख शहरों तक सुगम, सुरक्षित और किफायती यात्रा की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के संचालन से छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए बड़े शहरों तक पहुंच आसान होगी, वहीं व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों को भी आवागमन में सहूलियत मिलेगी। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं में हो रहे सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे लगातार यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए कार्य कर रहा है। वहीं, अपर मंडल रेल प्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि इस विस्तार से कासगंज, बदायूं और उझानी के यात्रियों को बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, गाजियाबाद होते हुए नई दिल्ली तक सीधी कनेक्टिविटी मिल गई है। इससे व्यापार, इलाज, रोजगार और शिक्षा के लिए यात्राएं और आसान हो जाएंगी। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, विधायक महेश चंद्र गुप्ता, एमएलसी वागीश पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, शारदेंदु पाठक, विश्वजीत गुप्ता, अनुभव उपाध्याय, शिव स्वरूप गुप्ता समेत तमाम भाजपाइयों ने बरेली तक ट्रेन में सफर किया। केंद्रीय मंत्री ने यात्रियों से मिलकर उनसे हाल भी पूछा व आम लोगों के साथ जनरल डिब्बे में सफर भी किया। दिल्ली अब दूर नहीं, लखनऊ तक जल्द सीधी ट्रेन केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली अब दूर नहीं है। वहीं लखनऊ तक जल्द ही सीधी ट्रेन का संचालन कराया जाएगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

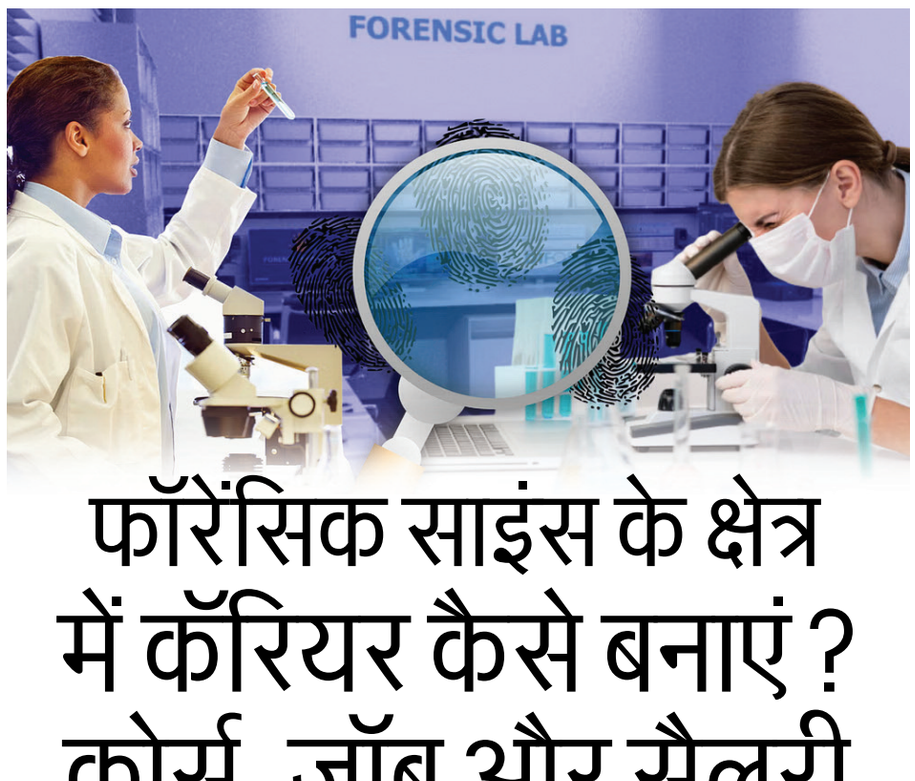

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सैंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सैंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12थ्द्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि ?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान को सऊदी अरब-कतर देंगे पांच अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को सऊदी अरब और कतर ने सहारा प्रदान करने का वादा किया है। दोनों देश खस्ताहाल पाकिस्तान को पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता देंगे। पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, देश को महत्वपूर्ण समय में धन मिलने वाला है क्योंकि इस्लामाबाद इस महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.5 अरब डॉलर चुकाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान अपने विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान को ईरान के कमजोर विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव को कम करने के लिए सऊदी अरब और कतर पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

ताइवान और चीन में नरमी के संकेत, शुरू करेंगे सीधी उड़ान

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान व चीन के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने के संकेत दिखाई देने लगे हैं। चीन ने रविवार को ताइवान के साथ निलंबित संबंधों को कुछ हद तक बहाल करने का एलान किया है। इनमें चीनी शहरों के लिए सीधी उड़ानें व ताइवानी मत्स्य उत्पादों का आयात शामिल है। ताइवान की विपक्षी पार्टी की नेता चेंग ली-वुन ने लंबे अरसे बाद हाल ही में चीन की यात्रा पर थीं। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन ताइवान वर्क ऑफिस ने एक बयान में कहा कि वह कम्युनिस्ट पार्टी व ताइवान की कुओमिंतांग पार्टी के बीच एक दीर्घकालिक संचार तंत्र स्थापित करने की संभावना तलाशेगा। इसके साथ ही ताइवान के जलीय कृषि उत्पादों के आयात को सुविधाजनक बनाएगा जिन पर हाल के वर्षों में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

नेपाल : पीएम बालेंद्र के खाते में 1.46 करोड़ रुपये

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र उर्फ बालेन शाह ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक किया है। उनके बैंक खाते में 1.46 करोड़ नेपाली रुपये जमा हैं। प्रधानमंत्री बालेन शाह की पत्नी सबिना काफ्ले के पास सोना, चांदी और हीरा-जवाहरात सहित दो किलो 216 ग्राम आभूषण हैं। सोना, चांदी और हीरे का अलग-अलग ब्योरा नहीं दिया गया है। संपत्ति विवरण में इन आभूषणों का स्रोत पैतृक बताया गया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय ने रविवार शाम प्रधानमंत्री सहित अन्य मंत्रियों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक किया है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन की आलोचना करने पर एक यूट्यूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। भारी विरोध व जेन-जी आंदोलनकारियों की तरफ से आपत्ति जताए जाने के बाद उसे छोड़ दिया गया। हेड्स नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाले रोशन पोखरेल को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया था।

क्वींसलैंड में अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और आठ अस्पताल में भर्ती

ब्रिस्बेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में 24 घंटे के भीतर हुई तीन भीषण सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से पांच की हालत गंभीर है और उनकी जान को खतरा है। क्वींसलैंड पुलिस सेवा (क्यूपीएस) ने एक बयान में कहा कि रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम 5:40 बजे के आसपास ब्रिस्बेन से 60 किलोमीटर दक्षिण में स्थित छोटे शहर क्रायना के पास एक राजमार्ग पर एक वाहन के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई, जिनकी पहचान नहीं हो पाई है। इससे पहले, रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे के कुछ ही समय बाद क्रायना से 20 किलोमीटर पूर्व में माउंट टैम्बोरिन में दो कारों और एक मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर के बाद आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था।

इस्राइल ने रोमन गोफमैन को बनाया मोसाद का नया प्रमुख

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने रोमन गोफमैन को खुफिया एजेंसी मोसाद का नया प्रमुख नियुक्त किया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले साल दिसंबर में गोफमैन को नामित करने की घोषणा की थी। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति के लिए गठित एक समिति ने रविवार को इस फैसले को मंजूरी दे दी। गोफमैन जून में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह एजेंसी के वर्तमान निदेशक डेविड बार्निया का स्थान लेंगे। 49 वर्षीय गोफमैन एक अनुभवी सैन्य जनरल हैं। वर्तमान में वह प्रधानमंत्री के सैन्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद निक्की हेली बोलीं- तेहरान के साथ बातचीत समय की बर्बादी है

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ बातचीत से पीछे हटना सही था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'ब्लॉकेड प्लान' का समर्थन किया और चेतावनी दी कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई, दोनों पक्षों के बीच वार्ता बहुत अलग-अलग थी। निक्की हेली ने सीएनएन को एक इंटरव्यू में बताया, 'अमेरिका के पास 15 पॉइंट का प्लान था। ईरान के पास 10 पॉइंट का प्लान था। वे सच में मीलों दूर थे। ईरानी अपना न्यूक्लियर प्रोडक्शन और होर्मुज पर अपना कंट्रोल छोड़ने को तैयार नहीं थे।' उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बातचीत खत्म करने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, 'हम बातचीत जारी नहीं रखेंगे। यह हमारे समय के लायक नहीं है। ट्रंप सरकार अब निश्चित तौर पर आगे बढ़ रहा है। हम ईरान पर वहीं हमला करेंगे जहां उसे चोट पहुंचेगी।'

हेली ने इस ब्लॉकेड को ईरान को कमजोर करने की एक बड़ी आर्थिक रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'ईरान को असल में घुटनों पर लाने के लिए उस पर आर्थिक रूप से हमला करना होगा। होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अमेरिका और उसके साथियों पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ईरान जीत को ट्रंप और खाड़ी के साथियों पर जितना हो सके उतना राजनीतिक और आर्थिक दबाव डालने के तौर पर देखता है। यह एक मुश्किल काम है। हेली ने कहा कि 20 फीसदी तेल, 20 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस और एक तिहाई फर्टिलाइजर स्ट्रेट से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि रुकावटें पहले से ही दिख रही थीं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर एक दिन में 135 जहाज स्ट्रेट से गुजरते थे। अब हमारे पास शायद कुछ ही बचे हैं, आपके पास 400 जहाजों का बैकलॉग है।'

हेली ने कहा कि मकसद कोई लंबी लड़ाई नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम कभी न खत्म होने वाली लड़ाई नहीं चाहते। इसे जल्दी पूरा करने की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि इस इलाके में अमेरिकी नेवी फोर्स पहले से ही रास्ते को सुरक्षित करने के लिए तैनात हैं। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर, हेली ने कहा कि अभियान तब तक पूरा नहीं होगा जब तक यूरेनियम संवर्धन को हटाया नहीं जाता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वह नहीं चाहते कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार हो। खाड़ी के सहयोगी इस मकसद का समर्थन करते हैं।' उन्होंने सुझाव दिया कि एक टारगेटेड मिलिट्री ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद यही बात होगी, इसे पूरा होने में लगभग एक हफ्ते से 10 दिन लगेंगे।' निक्की हेली ने इसे एक स्पेशल फोर्स मिशन बताया जो खतरनाक होगा। हेली ने चीन और रूस पर ईरान की मदद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'चीन ने सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें सप्लाई की हैं। बीजिंग जल्द ही और एयर डिफेंस सिस्टम दे सकता है।' उन्होंने सवाल किया कि क्या ट्रंप को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्लान की गई समिट पर आगे बढ़ना चाहिए। इसपर निक्की ने कहा, 'मुझे शक है कि समिट जारी रहनी चाहिए या नहीं। जब तक चीन ईरान को अपना सपोर्ट बंद नहीं करता, तब तक अमेरिका को और सख्त रवैया अपनाना चाहिए।' 2024 के कैंपेन के दौरान ट्रंप की आलोचना करने के बावजूद, हेली ने कहा, 'वह हमारे दुश्मनों से मजबूती से निपट रहे हैं, कमजोर नहीं हैं। उनका तरीका कभी-कभी अफरा-तफरी मचा सकता है।' इस दौरान निक्की ने घरेलू चिंताओं पर भी ध्यान दिलाया और कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था और बढ़ता कर्ज देश में सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने 40 ट्रिलियन डॉलर के करीब देश के कर्ज और एंटाइटलमेंट प्रोग्राम पर दबाव की ओर इशारा किया।

अमेरिका में विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का अनावरण

सिएटल , एजेंसी। प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद की अमेरिका में पहली आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है. अमेरिका के सिएटल शहर में स्वामी विवेकानंद की यह प्रतिमा वेस्टलेक स्क्वायर पर लगाई गई है. जो आने वाले दिनों में सिएटल पहुंचने वाले भारतीयों को एक अलग गौरव की अनुभूति कराएगा. स्वामी विवेकानंद की इस प्रतिमा को देखकर सहज ही उनकी 1893 की शिकागो यात्रा का यादें ताजा हो जाएगी. जब पहली बार स्वामी विवेकानंद वैश्विक रूप से चर्चा में आए थे. स्वामी के जीवन में शिकागो की इस यात्रा का बड़ा महत्व है. 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने हिंदू दर्शन की ऐतिहासिक व्याख्या की थी.

सिएटल की मेयर और भारत के महावाणिज्य दूत ने किया प्रतिमा का अनावरण : अधिकारियों ने बताया कि सिएटल शहर में 'वेस्टलेक स्क्वायर' पर स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है. भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिएटल की महापौर केटी विल्सन और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया. भारत के महावाणिज्य दूतावास ने स्वामी की शिकागो यात्रा का जिक्र किया सिएटल में भारत के

महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''शिकागो 1893 से सिएटल 2026 तक! ...सिएटल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है.'' विल्सन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मारक सिएटल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है. भारत और अमेरिका के आपसी संबंधों को मजबूत करने की पहल सिएटल में भारतीय मिशन ने एक बयान में कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने सिएटल की ''समृद्ध बहुसांस्कृतिक पहचान और समावेशी भावना'' के सम्मान में उसे यह प्रतिमा भेंट की. महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि प्रतिमा का अनावरण आईसीसीआर दिवस के अवसर पर किया गया और यह भारत की व्यापक सांस्कृतिक कूटनीतिक पहलों का हिस्सा है जिसका उद्देश्य भारत और अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के बीच लोगों के आपसी संबंधों को मजबूत करना है।

अमेरिका के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करने से कच्चे तेल की कीमत 10 प्रतिशत बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

मुंबई , एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में सोमवार को 10 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है, जिससे दाम फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह ईरान से वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करना है। सुबह 10:45 पर ब्रेंट क्रूड का दाम 7.41 प्रतिशत या 7.05 डॉलर बढ़कर 102.2 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 8.54 प्रतिशत या 8.25 डॉलर बढ़कर 104.8 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। घरेलू स्तर पर भी कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर क्रूड ऑल फ्यूचर्स (20 अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट)7.61 प्रतिशत या 697 रुपए बढ़कर 9,850 रुपए पर था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान 'जलमार्ग को खुला रखने में विफल रहा है' और चेतावनी दी कि अमेरिका स्ट्रेट में प्रवेश करने या बाहर निकलने की कोशिश करने वाले 'सभी जहाजों' को रोकेगा। उन्होंने समुद्री सुरक्षा और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान को लेकर चिंता व्यक्त की। अमेरिका और ईरान ने 8 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति जताई थी, जिसका उद्देश्य तनाव कम करना और एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलना सुनिश्चित करना था। हालांकि, दोनों देशों के बीच वार्ता विफल होने से आपूर्ति में व्यवधान की आशंका बढ़ गई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक कच्चे तेल के परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, और इसमें किसी भी प्रकार की रुकावट का आपूर्ति श्रृंखलाओं और कीमतों पर तत्काल प्रभाव पड़ता है। इस बीच, घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों में लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई। एशियाई बाजारों में भी प्रमुख सूचकांक भी लाल निशान में हैं, जिनमें निक्केई, हांग सेंग और कोस्पी जैसे प्रमुख सूचकांकों में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

हंगरी में बड़ा उलटफेर, 16 साल बाद गई ट्रंप के करीबी की सत्ता; विक्टर ओरबान हारे

बुडापेस्ट, एजेंसी। हंगरी में रविवार को हुए आम चुनावों में विपक्षी तिसा पार्टी को दो तिहाई बहुमत हासिल हो गया है। इस तरह बीते 16 साल से सत्ता में बने हुए प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान की फिडेस पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। रविवार देर रात हंगरी के चुनाव आयोग ने बताया कि 84।91 प्रतिशत वोटों की गिनती के बाद तिसा पार्टी ने 199 में से 138 सीटें जीत ली हैं। इस तरह, उसे संवैधानिक बदलावों के लिए जरूरी बहुमत मिल गया है।

इससे पहले हंगरी के प्रधानमंत्री ओरबान ने अपनी हार स्वीकार करते हुए बुडापेस्ट में अपने समर्थकों से कहा, 'भले जो हो, हम विपक्ष में रहकर मातृभूमि की सेवा करेंगे।' उन्होंने तिसा पार्टी के नेता पीटर मागयार को फोन कर जीत की बधाई दी। इस जीत के साथ माग्यार हंगरी में जरूरी सुधार कर पाएंगे जिसके लिए संवैधानिक बदलाव करने होंगे। इनमें ओरबान के दौर में नियुक्त किए अहम अधिकारियों को

हटाना भी शामिल है। अगर मागयार के पास दो तिहाई बहुमत ना होता, तो इस तरह के कदमों को संवैधानिक अदालत रोक देती।

माग्यार ने जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, 'हमने कर दिखाया... मिलकर हमने ओरबान की सत्ता को गिरा दिया... एक साथ मिलकर।' 45 साल के माग्यार ने बुडापेस्ट में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने हंगरी को आजाद करा दिया। हमने अपनी मातृभूमि को वापस ले लिया है।

जीत पर बधाई : माग्यार को शानदार जीत पर जर्मन चांसलर फ्रीडरिष मैर्त्स ने बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'हंगरी ने जनादेश दे दिया है। मैं एक मजबूत, सुरक्षित, और सबसे जरूरी एकजुट यूरोप के लिए आपके साथ मिलकर करने को उत्सुक हूं।' जर्मनी और दूसरे यूरोपीय देशों का प्रधानमंत्री ओरबान के साथ टकराव होता रहा है क्योंकि उन्होंने यूक्रेन को दी जाने वाली मदद को बार बार रोका और यूरोपीय संघ से उच्च स्तर की सूचनाएं रूस को मुहैया कराईं।

रूस और अमेरिका के करीबी थी विक्टर ओरबान : ओरबान के रूस से नजदीकी संबंध हैं जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनके समर्थकों में गिने जाते हैं। लेकिन मीडिया की आजादी, भ्रष्टाचार के आरोप, सख्त माइग्रेशन नीति और अहम नीतियों पर यूरोपीय संघ से टकराव जैसे मुद्दों को लेकर उनके खिलाफ रोष बढ़ रहा है।

अब हंगरी के चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेयर लायन ने कहा कि हंगरी ने यूरोप को चुना है। उन्होंने कहा कि इस नतीजे से यूरोपीय संघ और मजबूत होगा। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल माक्रों ने माग्यार को बधाई दी और उन्हें 'अधिक संप्रभु यूरोप की तरफ' जाने के लिए आमंत्रित किया।

कोविड वैक्सीन ने ले ली हजारों जानें, दावे के समर्थन में उतरे एलन मस्क बोले- ऐसा लगा जान निकल जाएगी

वाशिंगटन, एजेंसी। कोरोना काल के दौरान जिस वैक्सीन को लेकर होड़ लगी हुई थी उसी को लेकर कई तरह के डरावने दावे भी किए जाते हैं। कोविड वैक्सीन को लेकर दावे करने वालों में अब एलन मस्क काभी नाम जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैक्सीन का दूसरा डोज लेने पर उन्हें लगा कि जैसे यह उन्हें मार ही देगी। बता दें कि फाइजर के एक पूर्व टॉक्सिकोलॉजिस्ट ने जर्मनी की संसद में दावा किया था कि द्व्रह वैक्सीन को मंजूरी ही नहीं मिलनी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि इस कोविड-19 वैक्सीन की वजह से जर्मनी में हजारों लोगों की जान चली गई। अमेरिकी बायोफार्मा कंपनी फाइजर

के यूरोपीय सेंटर के पूर्व टॉक्सिकोलॉजी हेड ने भी इसी तरह का दावा किया कि इतिहास में सबसे बड़े स्तर पर इस्तेमाल की गई वैक्सीन बेहद खतरनाक है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। पिछ्ळे सप्ताह इसे करोड़ों लोगों ने देखा। मस्क ने कहा कि इतने बड़े दावे को भी खबरों में हाइलाइट नहीं किया गया। दुनियाभर में शुरू हो गई बहस कोविड-19 वैक्सीन को लेकर इस तरह के दावे के बाद पूरी दुनिया में इसको लेकर बहस शुरू हो गई। बता दें कि इस बात का दावा करने वाले डॉ. हेलमुत स्टर्ज ने दशकों टॉक्सिलॉजी के क्षेत्र में काम किया है। इसमें पता लगाया जाता है कि कोई वस्तु कैसे इंसानों या फिर अन्य जीवों को प्रभावित करती है। 2007 में वह रिटायर हो गए थे। जर्मनी की धुर दक्षिणपंथी विपक्षी पार्टी की तरफ से उन्हें संसद में बुलाया गया था। उन्होंने वैक्सीन माफिया नाम की एक किताब भी लिखी। उनका कहना है कि शॉर्टकट तरीके से बिना पर्याप्त ट्रायल के ही वैक्सीन को मंजूरी दे दी गई। स्टर्ज ने दावा किया कि इस वैक्सीन को मंजूरी देने से पहले पांच जरूरी प्रीकीनिकल सेफ्टी मेजर पर ध्यान नहीं दिया गया। वहीं फाजर-बायोएनटेक की mRNA वैक्सीन पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों को लगा दी गई। इस दावे को लेकर मस्क ने कहा कि दूसरा डोज लेने के बाद उनकी अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ गई थी। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लग रहा था कि जान निकल जाएगी। स्टर्ज का मुख्य तर्क है कि जल्दबाजी में कोविड-19 वैक्सीन का प्रीक्लीनकल ट्रायल नहीं हुआ। भारत में एम्स की एक स्टडी में कहा गया था कि युवाओं में हार्ट अटैक से वैक्सीन को कोई लेना देना नहीं है।

ईरान ने बातचीत विफल होने के लिए यूएस को ठहराया दोषी, अमेरिका पर शर्तों को बदलने का लगाया आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने एक संभावित समझौते को अंतिम चरण में आकर पटरी से उतार दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के मुताबिक, बातचीत के दौरान अमेरिका ने ज्यादा से ज्यादा दबाव बनाने, बार-बार शर्तें बदलने (गोलपोस्ट शिफ्ट करने) और नाकाबंदी जैसी रणनीतियों का सहारा लिया, जिससे सहमति बनने की प्रक्रिया बाधित हो गई। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि प्रस्तावित 'इस्लामाबाद समझौता' (एमओयू) लगभग तैयार था और दोनों पक्ष अंतिम सहमति के बेहद करीब थे। उनका कहा है कि इन परिस्थितियों के चलते 21 घंटे तक चली गहन और मुश्किल बातचीत आखिरकार बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। तेहरान ने यह भी संकेत दिया कि अगर बातचीत के दौरान शर्तों में लगातार बदलाव न किए जाते, तो यह डील संभव हो सकती थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान ने 47 सालों में वॉशिंगटन के साथ अपनी सबसे ऊंचे स्तर की सीधी बातचीत ईमानदारी और चल रहे झगड़े को खत्म करने में मदद करने के इरादे से की है। अराघची ने दुख जताया कि 'कोई सबक नहीं मिला। अराघची ने एक्स पर लिखा, '47 सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर हुई गहरी बातचीत में, ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ

अच्छी नीयत से बातचीत की। लेकिन जब 'इस्लामाबाद एमओयू' से बस कुछ इंच दूर थे, तो हमें गोलपोस्ट बदलने और ब्लॉकेड का सामना करना पड़ा। कोई सबक नहीं मिला। अच्छी नीयत से अच्छी नीयत पैदा होती है। दुश्मनी से दुश्मनी पैदा होती है।' ईरानी विदेश मंत्री का यह कहना कि दोनों पक्ष एक समझौते को फाइनल करने से कुछ ही दूर थे, यह दिखाता है कि आखिरी स्टेज पर तनाव तेजी से बढ़ने से पहले अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत सफलता के कितने करीब आ गई थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिका के साथ डिप्लोमैटिक ब्रेकथ्रू की संभावना अभी भी है, बशर्ते वॉशिंगटन अपना नजरिया बदले। उन्होंने अमेरिका से 'सर्वाधिकारवाद' को छोड़ने और ईरान के अधिकारों का सम्मान करने की अपील की। ऐसा बदलाव एक समझौते का रास्ता बना सकता है। बता दें, सर्वाधिकारवाद एक ऐसी राजनीतिक प्रणाली है, जिसमें राज्य सार्वजनिक और निजी जीवन के हर पहलू पर पूर्ण नियंत्रण रखता है। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने एक्स पर एक पोस्ट में बातचीत करने वाले डेलिगेशन के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा, 'अगर अमेरिकी सरकार अपना सर्वाधिकारवाद छोड़ दे और ईरानी देश के अधिकारों का सम्मान करे।

ईरान मुद्दे पर पोप लियो की टिप्पणी से भड़के ट्रंप, धर्मगुरु को अपराध और कूटनीति में बताया कमजोर

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ संघर्ष और पाकिस्तान में आयोजित बातचीत विफल होने के बाद पोप लियो XIV ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में पोप पर तीखा पलटवार किया। ट्रंप ने उन पर अपराध रोकने में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने विदेश नीति, ईरान और अमेरिका के घरेलू मुद्दों पर पोप के विचारों की कड़ी आलोचना भी की। ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'पोप लियो अपराध के मामले में कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए बहुत बुरे हैं।' इससे व्हाइट हाउस और वेटिकन के बीच तनाव फिर से बढ़ गया। पोस्ट में, ट्रंप ने पोप पर आरोप लगाया कि वे कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक सभाओं पर लगी पिछ्ली पाबंदियों को नजरअंदाज करते हुए अपने सरकार की आलोचना पर ध्यान दे रहे हैं। ट्रंप ने लिखा, 'पोप मेरी सरकार के 'डर' की बात तो करते हैं, लेकिन वो उस डर के बारे में कुछ नहीं बोलते जो कोरोना के समय चर्च ने झेला था। उस वक्त चर्च में प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए पादरियों और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा था।' राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर पोप की राय पर भी निशाना साधा और कहा कि वे उस नरमी से सहमत नहीं हैं जिसे उन्होंने (पोप ने) नरमी बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार होना ठीक है।'

ट्रंप ने वेनेजुएला समेत विदेशों में अमेरिका के कामों का बचाव किया और उन्हें अमेरिका में ड्रग्स और अपराध संबंधित चिंताओं से जोड़ा और लिखा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि यह बहुत बुरा है कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला किया, एक ऐसा देश जो अमेरिका में भारी मात्रा में ड्रग्स भेज रहा था। वह देश अपनी

जेल खाली कर अपराधियों को हमारे देश में भेज रहा था। पोप की आलोचना यहीं तक नहीं रूकी। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यक्तिगत तौर पर हमला करते हुए पोप की तुलना उनके भाई से की। उन्होंने कहा, 'मुझे उनका भाई लुइस उनसे ज्यादा पसंद है, क्योंकि लुइस पूरी तरह से एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) के समर्थक हैं। वह इसे समझते हैं और लियो नहीं!' ट्रंप ने चुनावी जीत, अपराध में कमी और आर्थिक परफॉर्मेंस का हवाला देते हुए अपनी प्रेसीडेंसी का बचाव किया और लिखा, 'मैं ठीक वही कर रहा हूं जिसके लिए मुझे भारी बहुमत से चुना गया था, अपराध में रिकॉर्ड कम नंबर लाना और इतिहास का सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बनाना।' एक चौंकाने वाले दावे में, ट्रंप ने कहा कि पोप का चुनाव उनके अपने राष्ट्रपति पद से जुड़ा था। उन्होंने कहा, 'लियो को शुक्रगुजार होना चाहिए क्योंकि वह सबके लिए एक हैरान करने वाला सरप्राइज थे। अगर मैं व्हाइट हाउस में नहीं होता, तो लियो वेटिकन में नहीं होते।' उन्होंने पोप के राजनीतिक हस्तियों के साथ बातचीत की भी आलोचना की और पूर्व सलाहकार डेविड एक्सलरॉड का जिक्र करते हुए कहा, 'लियो को पोप के तौर पर अपना काम ठीक से करना चाहिए। कट्टरपंथी वामपंथ की सेवा करना बंद करें और एक महान पोप बनने पर ध्यान दें, न कि एक राजनेता बनने पर।'

ये बातें ट्रंप और वेटिकन के बीच बढ़ती दरार को दिखाती हैं, जिसमें दोनों पक्ष युद्ध और डिप्लोमेसी से लेकर इमिग्रेशन और घरेलू नीति जैसे मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।

दिसावरी मजबूती से मंगलवार को किराना जिंसों में हल्दी बाजार तेजी के रहे। सौंफ अच्छे मालों में मजबूत हुई। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हल्दी में मॉग का सीज़न है। दिसावरी बाजारों में मजबूती से भावों में सुर्खी है।

वहीं, सौंफ व जीरा भी मजबूती बनाए हुए है। खाद्य तेलों में टिकाव कायम है। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे

किराना

शक्कर 4080-4180, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बार्रो क 220-380,

राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीर्डो यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820,

मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल

सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1460-1470, सोया रिफाइंड 1520-1530, कपास्या 1450, धूलिया 1460, कड़ी 1460,

रात की धारणा

गुजरात लुज 1700-1710, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1560,

खली

कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3725 (प्रति क्वि ंटल)

तिलहन

सरसो 7200-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन

चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5600, एवरेज 5550-5600, विशाल 5500-5550, महाराष्ट्र विशाल 5650-5675, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रर्शो यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7300, एवरेज 7000-7100, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल चना

दाल एवरेज 7000-7200, मीर्डो यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400,

तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

हाजिर कच्चा तेल 135 डॉलर, सौदे में 104 डॉलर प्रति बैरल

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर असामान्य स्थिति देखने को मिल रही है। हाजिर (स्पॉट) बाजार में कच्चा तेल 135 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जबकि वायदा सौदों में इसकी कीमत 104 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई। कीमतों के इस बड़े अंतर ने कारोबारियों और निवेशकों को चौंका दिया है।विशेषज्ञों का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति बाधाएं और उत्पादन में कटौती जैसे कारक स्पॉट कीमतों को ऊपर धकेल रहे हैं। वहीं वायदा बाजार में निवेशक आने वाले समय में आपूर्ति सुधरने और मांग में संतुलन बनने की उम्मीद जता रहे हैं, जिससे कीमतें अपेक्षाकृत कम बनी हुई हैं।तेल की ऊंची हाजिर कीमतों का सीधा असर पेट्रोल-डीजल के दाम, परिवहन लागत और महंगाई पर पड़ सकता है। आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। ऊर्जा बाजार के जानकारों के अनुसार आने वाले हफ्तों में वैश्विक घटनाक्रम और उत्पादन संबंधी फैसले कीमतों की दिशा तय करेंगे।

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में रिकॉर्ड उछाल, एयूएम 73.73 लाख करोड़ के पार

- एसआईपी में लगातार मजबूत निवेश और बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम

मुंबई ।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत ग्रोथ दर्ज कर रहा है। निवेशकों के बढ़ते भरोसे और लगातार एसआईपी निवेश के चलते इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। एसो सिएशन आफ म्युचुअल फंड इन इं डिया के ताजा आंकड़ों के अनुसार, उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 12.2 फीसदी बढ़कर 73.73 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद निवेशकों का रुझान इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की ओर बढ़ा है। मार्च महीने में एक्टिव इक्विटी फंड्स में इनफ्लो 40,450 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो जुलाई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फरवरी में यह आंकड़ा 25,978 करोड़ रुपये था, जिससे स्पष्ट है कि बाजार में निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। रिटेल निवेशकों का भरोसा सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में भी मजबूत दिखाई दिया। मार्च में एसआईपी के जरिए 32,087 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो फरवरी के 29,845 करोड़ रुपये से अधिक है। यह दर्शाता है कि निवेशक उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि की रणनीति पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि, कुल मिलाकर मार्च में इंडस्ट्री से 2.39 लाख करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो भी दर्ज हुआ, जिसका मुख्य कारण डेट म्यूचुअल फंड्स से 2.94 लाख करोड़ रुपये की भारी निकासी रही। इसी अवधि में गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया, जबकि फरवरी में यह 5,254 करोड़ रुपये था। इक्विटी कैटेगरी में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे ज्यादा आकर्षण में रहे, जहां 10,054 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया। इसके साथ ही मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड्स में भी निवेश बढ़ा, जबकि लार्ज-कैप फंड्स में अपेक्षाकृत कम इनफ्लो देखने को मिला। म्यूचुअल फंड निवेश एक ऐसा माध्यम है जिसमें कई निवेशकों का पैसा एकत्र कर पेशेवर फंड मैनेजर द्वारा शेयर, बॉन्ड और अन्य साधनों में निवेश किया जाता है। एसआईपी के जरिए छोटे निवेश से शुरुआत कर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न और जोखिम में संतुलन बनाया जा सकता है।

चीन के निर्यात में धीमी वृद्धि, वैश्विक अनिश्चितताओं और ऊर्जा संकट का असर गहराया

– मार्च में निर्यात 2.5 फीसदी बढ़ा, आयात में तेज उछाल, ईरान युद्ध और ऊर्जा कीमतों ने बढ़ाई चिंता

हांगकांग।

चीन के व्यापार आंकड़ों में मार्च के दौरान निर्यात वृद्धि में तेज गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर ईरान से जुड़े युद्ध और ऊर्जा संकट, ने अंतरराष्ट्रीय मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नकारात्मक असर डाला है। चाइना के सीमा शुल्क विभाग द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च महीने में देश का निर्यात सालाना आधार पर केवल 2.5 प्रतिशत बढ़ा। यह वृद्धि पिछले दो महीनों की तुलना में काफी कमजोर है, जब जनवरी-फरवरी में निर्यात 21.8 प्रतिशत की तेज गति से बढ़ा था। विश्लेषकों का कहना है कि यह गिरावट वैश्विक मांग में आई नरमी का संकेत है। दूसरी ओर, आयात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में आयात 27.8 प्रतिशत बढ़ा, जो इस वर्ष के पहले दो महीनों की 19.8 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। इससे संकेत मिलता है कि घरेलू खपत और कुछ क्षेत्रों में मांग अभी भी बनी हुई है,

हालांकि निर्यात क्षेत्र दबाव में है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, इरान से जुड़े युद्ध और मध्य पूर्व में जारी तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को प्रभावित किया है। इससे न केवल तेल और गैस की कीमतों में अस्थिरता आई है, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन पर भी दबाव बढ़ा है।

इसका सीधा असर चीन के निर्यात पर पड़ रहा है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक मांग कमजोर हुई है,

जिससे निर्यात में गिरावट देखी जा रही है। वैश्विक बाजार अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित बीजिंग यात्रा और चीनी राष्ट्रपति एक्सआई `जिं पिंग से उनकी मुलाकात पर भी नजर बनाए हुए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि कमजोर घरेलू मांग और संपत्ति क्षेत्र की मंदी के बीच चीन के लिए निर्यात ही आर्थिक वृद्धि का मुख्य सहारा बना रहेगा।

ईरान-अमेरिका तनाव का असर भारत में, फिज, पंखे, खाद्य तेल और कपड़ों के दाम 15 फीसद तक बढ़े

मुंबई।

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारतीय बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सप्लाई चेन पर दबाव के कारण रोजमर्रा के सामान महंगे हो गए हैं। फ्रिज, पंखे, पेंट, कपड़े और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की लागत 10 से 15 फीसदी तक बढ़ी है, जबकि कई खाद्य सामग्रियों की कीमतों में 7 फीसदी तक इजाफा दर्ज किया गया है।विशेषज्ञों के अनुसार भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, खासकर खाद्य तेल और कच्चा तेल। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने से परिवहन, पैकेजिंग और उत्पादन लागत पर सीधा असर पड़ता है। कंपनियां बढ़ी लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं।यदि पश्चिम एशिया में हालात

लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे तो महंगाई और बढ़ सकती है। सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है, लेकिन आम लोगों की जेब पर फिलहाल दबाव साफ महसूस किया जा रहा है।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में 31,561 करोड़ का निवेश दर्ज किया गया

– सोने में निवेश 6 गुना बढ़ा, एयूएम तीन गुना होकर 1.71 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की ओर रुख किया है। इसी कारण जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में रिकॉर्ड स्तर पर निवेश देखने को मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना अधिक है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में कुल 31,561 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 5,654 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग छह गुना वृद्धि को दर्शाता है। तिमाही आधार पर भी इस श्रेणी में निवेश 36 प्रतिशत बढ़कर 23,132 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हालांकि, मासिक प्रवाह में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जनवरी में जहां 24,040 करोड़ रुपये का भारी निवेश आया, वहीं फरवरी में यह घटकर 5,255 करोड़ रुपये और मार्च में 2,266 करोड़ रुपये रह गया। विशेषज्ञों का मानना है कि जनवरी में असामान्य रूप से अधिक निवेश जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन और सोने की कीमतों में तेजी के कारण हुआ। मार्च में आई गिरावट को शुरुआती भारी निवेश के बाद

सामान्यीकरण माना जा रहा है। बाजार`` विश्लेषकों के अनुसार बाजार की अनिश्चितताओं के बीच सोना अब भी निवेशकों के लिए एक मजबूत विविधीकरण साधन बना हुआ है।

मजबूत निवेश प्रवाह के चलते मार्च 2026 के अंत तक गोल्ड फंड्स की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) लगभग तीन गुना बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो एक वर्ष पहले 58,888 करोड़ रुपये थीं। गोल्ड ईटीएफ जो भौतिक सोने की कीमत को ट्रैक करते हैं, निवेशकों को डिजिटल रूप में सोने में निवेश का आसान विकल्प प्रदान करते हैं।

अगले 15 वर्षों में 80 करोड़ नौकरियों की कमी का खतरा- वर्ल्ड बैंक

- तेजी से बढ़ती आबादी और धीमी नौकरी सृजन से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर दबाव की आशंका

मुंबई ।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच वर्ल्ड बैंक ने एक गंभीर चेतावनी जारी की है। बैंक के अनुसार, आने वाले 10 से 15 वर्षों में दुनिया एक बड़े रोजगार संकट की ओर बढ़ रही है, जहां कामकाजी उम्र की आबादी तेजी से बढ़ेगी लेकिन उसके अनुपात में रोजगार के अवसर नहीं बन पाएंगे। इस असंतुलन से वैश्विक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार विकासशील देशों में अगले डेढ़ दशक में लगभग 1.2 अरब लोग कामकाजी उम्र में प्रवेश करेंगे, जबकि मौजूदा आर्थिक रुझानों के आधार पर केवल करीब 40 करोड़ नई नौकरियां ही सृजित हो पाएंगी। इसका अर्थ है कि दुनिया को लगभग 80 करोड़ रोजगार अवसरों की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि नीति निर्माता अक्सर तात्कालिक संकटों और क्षेत्रीय संघर्षों में उलझ जाते हैं, जबकि रोजगार जैसे दीर्घकालिक मुद्दे लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते ठोस नीतिगत कदम नहीं उठाए गए, तो इसका प्रभाव केवल अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक प्रवासन, अस्थिरता और सामाजिक तनाव को भी बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2025 तक दुनिया भर में 11.7 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं, जो बढ़ते दबाव का संकेत है। वर्ल्ड बैंक ने सरकारों से आग्रह किया है कि वे केवल तात्कालिक संकटों पर नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, स्वच्छ पानी और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों पर भी समान रूप से ध्यान दें। साथ ही कृषि, स्वास्थ्य, विनिर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निजी निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत बताई गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्ल्ड बैंक के नेतृत्व में कुछ वैश्विक और बड़ी कंपनियाँ जैसे` रिलायंस इंडस्ट्रीज, मे हिंद्रा ग्रुप और डेनगोट ग्रुप रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा सकती हैं। वर्ल्ड बैंक का मानना है कि अगर अभी से कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाला दशक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

पश्चिम एशिया तनाव का भारतीय कंपनियों पर असर, बिक्री 40 फीसदी तक घटी

सप्लाई चेन बाधित, कई एफएमसीजी और कंज्यूमर कंपनियों की विस्तार योजनाएं प्रभावित

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारतीय कंज्यूमर और एफएमसीजी कंपनियों के कारोबार पर साफ दिखाई देने लगा है। बिक्री में गिरावट, लागत में तेज उछाल और सप्लाई चेन बाधित होने से कंपनियों की रणनीतियों पर पुनर्विचार शुरू हो गया है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अस्थिरता के चलते भारतीय कंज्यूमर कंपनियों के कारोबार पर गंभीर असर पड़ा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण इस क्षेत्र में कई कंपनियों की बिक्री में 30 से 40 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही कंटेनर शिपिंग की लागत 4 से 5 गुना तक बढ़ जाने से लॉजिस्टिक्स और ऑपरेशनल खर्च में भारी वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख कंपनियों में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, डाबर, मैरिको, इमामी, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बीबा फैशन, आईडी फ्रेश फूड, रसना और` बिसलेरी शामिल हैं। इन कंपनियों की कुल कमाई का लगभग 5 से 20 है। आईडी फ्रेश फूड के ग्लोबल सीईओ पी.सी. मुस्तफा के अनुसार कंपनी ने मौजूदा हालात को देखते हुए अपने निवेश और विस्तार योजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। वहीं रसान के चेयरमैन पीरूज खंबाटा ने स्थिति को कोविड जैसे हालात बताया है, जिससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है। बीवा फैशन के एक अे धिकारी ने बताया कि यूएई में ईद तक कारोबार स्थिर था, लेकिन उसके बाद बिक्री में अचानक 30-40 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कंपनियां अब जोखिम कम करने के लिए अतिरिक्त स्टॉक, वैकल्पिक सप्लाई रूट और बीमा कवरेज पर ध्यान दे रही हैं। डाबर ने भी स्वीकार किया है कि इस क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का उसके कारोबार पर असर पड़ा है। कंपनी की लगभग 15 फीसदी सालाना आय मिडिल ईस्ट से आती है और वहां करीब 500 कर्मचारी कार्यरत हैं। कुल मिलाकर, पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भारतीय कंपनियों के लिए मांग, लागत और विस्तार तीनों मोर्चों पर बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है, जिससे आने वाले समय में उनकी वैश्विक रणनीति

ऊर्जा और खाद्य कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहने की आशंका आईएमएफ, विश्व बैंक, आईईए

वैश्विक संस्थाओं ने चेताया, तेल, गैस और उर्वरक बाजार पर गहरा असर, आपूर्ति बहाली में लगेगा समय

वॉशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। तीनों संस्थानों ने कहा कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक और असमान रूप से पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रह सकती है। इन संस्थानों ने इस महीने की शुरुआत में गठित एक समन्वय समूह के तहत बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। संयुक्त बयान में कहा गया कि युद्ध का प्रभाव केवल ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वैश्विक स्तर पर लोगों का विस्थापन हुआ है, रोजगार प्रभावित हुए हैं और यात्रा व पर्यटन क्षेत्र में गिरावट आई है। इन क्षेत्रों को सामान्य स्थिति में लौटने में काफी समय लग सकता है। तीनों संस्थानों ने स्पष्ट किया कि यह संकट व्यापक, वैश्विक और असमान है। विशेष रूप से ऊर्जा आयात करने वाले देशों और निम्न-आय वाले देशों पर इसका अधिक गंभीर असर पड़ा है। तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में वृद्धि ने खाद्य सुरक्षा और रोजगार से जुड़ी चिंताओं को भी बढ़ा दिया है। बयान में यह भी कहा गया कि पश्चिम एशिया के कुछ तेल और गैस उत्पादक देशों को निर्यात राजस्व में नुकसान हुआ है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री आवागमन अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। संस्थाओं ने चेतावनी दी कि भले ही भविष्य में आवाजाही सामान्य हो जाए, फिर भी युद्ध से प्रभावित बुनियादी ढांचे के कारण वैश्विक आपूर्ति को पूर्व स्तर पर लौटने में समय लगेगा। इससे ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। आईएमएफ, विश्व बैंक और आईईए ने कहा कि वे स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और सदस्य देशों को नीति सलाह और आवश्यकतानुसार वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए समन्वित प्रयास जारी रखेंगे, ताकि वैश्विक आर्थिक स्थिरता और रोजगार बहाली को समर्थन मिल सके।

हर तीसरे हार्ट इलाज पर 1.7 लाख से ज्यादा खर्च, स्पेशल इंश्योरेंस बना सहारा

नई दिल्ली ।

भारत में दिल से जुड़ी बीमारियां अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहीं। 20 से 30 साल के युवाओं में तेजी से बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य और आर्थिक दोनों स्तरों पर चिंता बढ़ा दी है।

इलाज का खर्च बढ़ने के साथ हेल्थ इंश्योरेंस लेना भी चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हार्ट से जुड़े हर तीन में रुपये से अधिक पहुंच जाता है, जबकि गंभीर मामलों में यह 5 लाख रुपये से ऊपर चला जाता है। खासतौर पर आईसीयू में भर्ती या सर्जरी की स्थिति में खर्च और बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है

कि देश में करीब 6 से 7 करोड़ लोग किसी न किसी प्रकार की हृदय बीमारी से जूझ रहे हैं और हर साल 20 से 25 लाख नए मामले सामने आते हैं। कम उम्र में दिल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह बीमा पॉलिसी लेने में भी बाधा बनता है। बीमा कंपनियां ऐसे मामलों में ट्रेडमिल टेस्ट, इको और एंजियोग्राफी जैसी विस्तृत जांच कराती हैं।

इसके अलावा पॉलिसी मिलने पर भी कई शर्तें लागू होती हैं, जैसे 2 से 3 साल का वेटिंग पीरियड और अधिक प्रीमियम। विशेषज्ञों के अनुसार, जोखिम को देखते हुए प्रीमियम में 30 से 80 प्रतिशत साथ ही को-पे क्लॉज के तहत मरीज को इलाज का 10 से 30 प्रतिशत खर्च खुद उठाना पड़ सकता है।

ऐसे में दिल के मरीजों के लिए स्पेशलाइज्ड हार्ट इंश्योरेंस पॉलिसी एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। यह पॉलिसी न केवल हृदय रोग, बल्कि उससे जुड़ी अन्य बीमारियों और इलाज को भी कवर करती है, जिससे मरीजों को तेजी से और भरोसेमंद कवरेज मिल

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और सुपर जायंट्स में मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। (ईएमएस)। आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। इस मैच में जहां आरसीबी अपने घरेलू मैदान में जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं सुपरजायंट्स भी जीत के लिए पूरा प्रयास करेगी। आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसके पास विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। टीम ने अभी तक के मैचों में 200 से अधिक रन बनाये हैं। वह अंक तालिका में भी तीसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का अब तक का प्रदर्शन सामान्य रहा है। पिछले मैच में उसे गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हार मिली थी। टीम के कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं1 टीम में निरंतरता की भी कमी है। अब सुपर जायंट्स का लक्ष्य किसी भी प्रकार से ये मैच जीतकर

अपनी लय हासिल करना होगा। बेंगलुरु के मशहूर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर बड़े स्कोर बनते हैं। ऐस में इस मैच में रोमांचक मुकाला होना तय है। अब तक दोनो टीमों के बीच 6 मैच खेले गये हैं जिसमें से आरसीबी ने 4 जबकि सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), क्रुणाल पंड्या, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मंगेश यादव। भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

लखनऊ सुपर जायंट्स

मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, जॉर्ज लिंडे, मोहम्मद शमी, अवेश खान, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- आयुष बडोनी

धोनी फिट हुए, 19 अप्रैल को सनराइजर्स के खिलाफ मैच से कर सकते हैं वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिट हो गये हैं और उनके 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी के नहीं होने से सीएसके काफी कठिन हालातों से गुजर रही है। उसे शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में धोनी के प्रशंसक चाहते हैं कि वह शीघ्र वापसी करें। प्रशंसकों को उम्मीद थी वह वह मंगलवार को केकेआर के खिलाफ मैच में उतरेंगे पर प्रबंधन ने इससे इंकार करते हुए कहा था कि वह धोनी की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।

44 साल के धोनी 2026 सत्र की शुरुआत से ही पिंडली की चोट परेशान रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके टीम में नेतृत्व क्षमता और फिनिशिंग की कमी दिखी। इसी कारण सीएसके इस बार अंक तालिका में भी काफी नीचे हैं। उनके नहीं होने से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन निभा रहे हैं।

सीएसके की मेडिकल टीम धोनी को जल्दबाजी में पूरी समय मैदान पर उतारने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। एमएस धोनी 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिाफ खेल सकते हैं पर ये तय है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरेंगे। वैसी भी धोनी पिछले आईपीएल सत्र से ही अंतिम ओवरों में उतरने के बाद भी मैच का रुख बदल देते हैं।

सैमसन को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। सैमसन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है। उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सैमसन को पहली बार ये खिताब मिला है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में लगातार तीन अर्धशतक लगाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेऑफ में उन्होंने 97 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़े अंतर से जीत दिलायी थी। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाए। वहीं फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 89 रनों की पारी खेली थी।

सैमसन ने आईसीसी अवार्ड मिलने पर खुशी जताते हुए कहा है कि ये उनके लिए एक सुखद अनुभव है। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था जो पूरा हुआ है। इस अवॉर्ड की दौड़ में सैमसन के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे।

टीम इंडिया में वैभव सूर्यवंशी की एंट्री तय

-सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने की दहलीज पर 15 वर्षीय युवा सनसनी, आयरलैंड दौरे पर कर सकते हैं ऐतिहासिक डेब्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के उभरते हुए सितारे वैभव सूर्यवंशी अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रचने के बेहद करीब हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति आईपीएल 2026 में उनके विस्फोटक प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें आगामी जून में होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यदि वैभव इस दौरे पर पदार्पण करते हैं, तो वह मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के 16 साल की उम्र में डेब्यू करने के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बन जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ता राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज को सीधे सीनियर टीम में परखना चाहते हैं।

वैभव सूर्यवंशी पहली बार तब चर्चा में आए थे जब आईपीएल 2025 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मात्र 35 गेंदों में शतक जड़कर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का लोहा मनवाया था। इतना ही नहीं, अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 80 गेंदों में 175 रनों की अविश्वसनीय पारी ने उन्हें रातों-रात वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में ला दिया। उनकी इसी निरंतरता और प्रतिभा को देखते हुए आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने भी उन्हें कम उम्र में भारत के लिए डेब्यू करने का हकदार बताया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की रणनीति स्पष्ट है कि आयरलैंड जैसी टीम के खिलाफ वैभव को मौका देकर उनके कौशल को अंतरराष्ट्रीय दबाव में आजमाया जाए। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव की बल्लेबाजी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट के अनुकूल है और उन्हें लंबा इंतजार कराने के बजाय अनुभव प्रदान करना टीम के भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, वैभव का नाम शॉर्टलिस्ट किया जा चुका है और यदि वे फिटनेस

मानकों पर खरे उतरते हैं, तो आगामी सीरीज में वे नीली जर्सी में बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं।

बेंगलुरु या न्यू चंडीगढ़ में खेले जा सकते हैं आईपीएल प्लेऑफ

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए अभी मैच स्थल घोषित किये जाने हैं। इसके लिए बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ सबसे आगे माने जा रहे हैं। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल अंतिम चरण की मेजबानी के लिए कई बातों पर विचार कर रही है। कई राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए कार्यक्रम की घोषणा में भी देर हो रही है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं हालांकि अंतिम फैसला कई बातों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। इसमें लॉजिस्टिक्स, यात्रा की व्यवस्था, ब्रॉडकास्ट की जरूरतें आदि भी इसमें शामिल हैं। आईपीएल के इस सत्र में कुल 74 मैच खेले जाने हैं। जिसमें 70 मैच 13 अलग-अलग स्थलों पर होंगे। इनमें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, रायपुर और धर्मशाला शामिल हैं। अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुल पांच लीग मैच हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इस बार अपने दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स को अपने चार मैच घरेलू मैदान मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में खेलने हैं।

बीसीसीआई ने रॉल्यल्स के मैनेजर रोमी को नोटिस दिया, डगआउट के अंदर मोबाइल के उपयोग पर मांगा जवाब

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी ईकाई ने डगआउट के अंदर फोन का प्रयोग करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को नोटिस भेजकर एक दिन में जवाब मांगा है। रोमी को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मैच में डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते हुए देखा हुआ था जबकि इसपर प्रतिबंध है। मोबाइल का उपयोग केवल ड्रेसिंग रुप में ही किया जा सकता है। गुवाहाटी में रोमी की मोबाइल का प्रयोग करते हुए की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिसके बाद से ही उनपर कार्रवाई किये जाने की मांग हो रही थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी भी उनके साथ ही बैठे हुए थे। आईपीएल प्रोटोकॉल में साफ तौर पर कहा गया है कि टीम मैनेजर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं पर डगआउट में नहीं, ऐसा करना नियमों के खिलाफ हैं। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने रोमी से 24 घंटे के अंदर यह बताने को कहा है कि उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल क्यों किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि रोमी ने मेडिकली इमरजैंसी के कारण मोबाइल का इस्तेमाल किया था। इसका कारण है कि उनके फेफडे हो गये हैं जिसके कारण वह पिछले दिनों वेंटिलेशन पर भी थे। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया। प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया। अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके। प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है। वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

अभिषेक, दीप्ति सहित छह भारतीय क्रिकेटरों को मिले विजडन अवार्ड

लंदन (एजेंसी)। अभिषेक शर्मा और दीप्ति शर्मा सहित छह भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 पुरस्कारों में 9 में से 7 पुरस्कार जीते हैं। अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी20 पुरुष क्रिकेटर। वहीं दीप्ति को वर्ष की महिला क्रिकेटर का अवार्ड मिला है। अभिषेक ने साल 2025 के सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस सत्र में उन्होंने 21 मैचों में 193 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं दीप्ति ने पिछले साल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप में 22 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

दीप्ति ने 9 मैचों में 3 अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे। इसके अलावा भारत के शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को भी इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुने गये हैं। उनके अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी चार भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी जगह मिली है। शुभमन को पिछले साल टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड दौरे पर सबसे अधिक 754 रन बनाए और पांच मैचों की सीरीजको 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका के लिए पुरस्कार दिया गया। जड़ेजा ने भी पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। जडेजा ने सीरीज में 5 अर्धशतक भी लगाये थे, जिसमें मैनचेस्टर में खेली गई उनकी शतकीय पारी भी शामिल है। उन्होंने 86 के औसत से 516 रन बनाए थे। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस सीरीज में सबसे अधिक 23 विकेट लिए जबकि ऋषभ ने 479 रन बनाए थे।

ईरान की महिला फुटबॉल कप्तान जहरा गनबरी को कोर्ट से राहत, जब्त संपत्ति लौटाई गई

तेहरान। ईरान की अदालत ने महिला फुटबॉल टीम की कप्तान जहरा गनबरी को बड़ी राहत देते हुए उनकी जब्त संपत्ति वापस करने का आदेश दिया है। यह फैसला उनके आचरण में बदलाव और मामले में निर्दोष पाए जाने के बाद लिया गया। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोर्ट ने गनबरी की संपत्ति लौटाने का निर्णय हालिया समीक्षा के बाद सुनाया। इससे पहले उनकी संपत्ति एक विवाद के चलते जब्त कर ली गई थी, जो उस समय शुरू हुआ था जब उन्होंने और कुछ अन्य खिलाड़ियों ने विदेश में शरण लेने की कोशिश की थी। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एशियन कप के दौरान, जो क्षेत्रीय तनाव के शुरुआती दौर में हुआ था, गनबरी उन खिलाड़ियों में शामिल थीं जिन्होंने शरण मांगी थी। इस कदम ने उस समय काफी विवाद खड़ा कर दिया था और इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी। हालांकि, बाद में जहरा गनबरी समेत पांच खिलाड़ी और एक स्टाफ सदस्य ईरान लौट आए थे। 19 मार्च को तेहरान पहुंचने पर उनका स्वागत भी किया गया, जिससे संकेत मिला कि स्थिति में कुछ नरमी आई है। यह फैसला ईरान के भीतर खेल और सामाजिक मामलों में बदलते रुख का संकेत हो सकता है। गनबरी के मामले में कोर्ट का यह कदम खिलाड़ियों और खेल समुदाय के लिए एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर खिलाड़ियों की स्वतंत्रता, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के दौरान उनकी स्थिति को लेकर बहस को जन्म दिया है। आने वाले समय में इस तरह के मामलों में नीति और रुख किस दिशा में जाते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुम्बई। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस क़्वीरोज़ को बनाया मुख्य कोच

अकरा (घाना)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस क़्वीरोज़ को अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय क़्वीरोज़ लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क़ालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब ऑस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे। जीएफए ने अपने बयान में कहा, 'कार्यकारी परिषद ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कार्लोस क़्वीरोज़ को सीनियर राष्ट्रीय टीम 'ब्लैक स्टार्स' का मुख्य कोच नियुक्त किया है।' क़्वीरोज़ का कोचिंग करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2010 वर्ल्ड कप में पुर्तगाल को प्री-क़ार्टरफाइनल (राउंड ऑफ 16) तक पहुंचाया था। इसके बाद उन्होंने ईरान की टीम को लगातार तीन वर्ल्ड कप में कोचिंग दी, जहां टीम ने 13 मैचों में 3 जीत दर्ज की। मोज़ाम्बिक में जन्मे क़्वीरोज़ पूर्व गोलकीपर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में मिस्र, जापान, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को भी कोचिंग दी है, जबकि 1990 के दशक की शुरुआत में पुर्तगाल टीम का भी नेतृत्व किया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में घाना को ग्रुप एल में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला क्रोएशिया, इंग्लैंड और पनामा जैसी मजबूत टीमों से होगा। अब क़्वीरोज़ के अनुभव के दम पर घाना टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

आरसीबी के खिलाफ टक्कर से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये।

तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रां की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है।

ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था। वह मुंबई इंडियंस के साथ उनके पहले मैच से ठीक पहले ही जुड़े थे। ऐसे में वह अपने को थोड़ा बचाकर गेंदबाज़ी कर रहे थे जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं।

वीकएंड पर फिर गरजी 'धुरंधर 2', जानें 'डकैत' और 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' का कैसा है हाल?

सिनेमाघरों में बॉलीवुड, हॉलीवुड और साउथ की फिल्में धमाल मचा रही हैं। रविवार का दिन सभी फिल्मों के लिए ठीक-ठाक रहा। 'धुरंधर 2' सभी फिल्मों पर हावी रही है। इसे वीकएंड का फायदा मिला है। धीमी रफ्तार से 'डकैत' की कमाई जारी है। 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' की भी वीकएंड पर कमाई बढ़ी है। आइए जानते हैं सभी फिल्मों का कलेक्शन।

'धुरंधर 2' दुनियाभर में भी अच्छी कमाई कर रही है। इसने 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 1712.98 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अगर फिल्म की कमाई इसी तरह जारी रही तो यह जल्द ही 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड तोड़ देगी। 'पुष्पा 2' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 1740 करोड़ रुपये है। 'धुरंधर 2' ने रचा इतिहास 'धुरंधर 2' चीन और खाड़ी देशों के कलेक्शन को छोड़कर, दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। चीन और खाड़ी देशों के बिजनेस को छोड़कर 'दंगल' ने 700झ790 करोड़ रुपये, 'पुष्पा 2' 1685 करोड़ रुपये और 'बाहुबली 2' 1615 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

'डकैत' का कुल कलेक्शन

साउथ की फिल्म 'डकैत' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 6.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को इसने 6.85 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले दिन इसकी कमाई 6.55 करोड़ रुपये थी। इस तरह से इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 19.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसमें मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष अहम किरदार में हैं। यह फिल्म तेलुगु और हिंदी में रिलीज हुई है।

'प्रोजेक्ट हेल मेरी'

26 मार्च को भारत में रिलीज होने वाली फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' ने रविवार को 4.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को फिल्म ने 4.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे हफ्ते में इसने 20.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पहले हफ्ते में फिल्म ने 24.70 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 55.01 करोड़ रुपये हो गया है।

नीतू कपूर ने ऋषि कपूर के साथ शेयर की थ्रोबैक तस्वीर

अपनी सगाई की 47वीं सालगिरह पर किया याद

रणबीर कपूर की मां और दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर को याद करते हुए एक खास तस्वीर शेयर की है। यह खास तस्वीर उनकी सगाई की 47वीं सालगिरह के दौरान की है। नीतू ने किया ऋषि को याद नीतू कपूर ने इंसटाग्राम स्टोरी पर ऋषि कपूर के साथ अपनी एक खास पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में नीतू और ऋषि दोनों बहुत खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों के चेहरों पर प्यारी सी मुस्कान दिखाई दे रही है। नीतू ने इस थ्रोबैक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'आज ही के दिन 1979 में हमारी सगाई हुई थी।' नीतू और ऋषि की शादी नीतू और ऋषि कपूर की शादी 22 जनवरी 1980 को हुई थी। उस समय यह बॉलीवुड की सबसे महंगी और चर्चित शादियों में से एक थी। शादी में फिल्म इंडस्ट्री के बहुत सारे बड़े स्टार आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नीतू अपनी शादी के बीच में इतने सारे स्टारों और भीड़ को देखकर बेहोश हो गई थीं। शादी के बाद 1980 में उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी पैदा हुई और 1982 में बेटे रणबीर कपूर का जन्म हुआ। ऋषि कपूर का अप्रैल 2020 में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। 'दादी की शादी' में नजर आएंगी नीतू कपूर नीतू कपूर जल्द ही फिल्म ह्यदादी की शादीह्न में नजर आएंगी। यह फिल्म कपिल शर्मा और रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ है।

2003 की यादों में लौटीं पूजा भट्ट, 'पाप' के सेट से जॉन अब्राहम संग शेयर की अनदेखी तस्वीर

बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जो सिर्फ अपनी कहानी के लिए ही नहीं बल्कि अपनी लोकेशन और असलपन के लिए भी याद की जाती हैं। इन्हीं फिल्मों में एक नाम है 'पाप'... सोमवार को इस फिल्म से जुड़ी एक खास याद अभिनेत्री पूजा भट्ट ने साझा की। उनके इस पोस्ट ने फैंस को एक बार फिर 2003 के दौर में पहुंचा दिया। दरअसल, पूजा भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जो फिल्म 'पाप' की शूटिंग के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में वह जॉन अब्राहम के साथ सीढ़ियों पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके आसपास काजा के स्थानीय लोग भी मौजूद हैं। सभी के चेहरे पर मुस्कान है। तस्वीर की खास बात यह है कि इसमें स्थानीय लोग अपने पारंपरिक पहनावे में नजर आ रहे हैं। ऊनी टोपी, गर्म कपड़े और सांस्कृतिक गहनों से सजी उनकी वेशभूषा उस इलाके की पहचान को बखूबी दर्शाती है। स्पीति वैली की यह झलक फिल्म की कहानी को और भी असली बनाती है। पूजा भट्ट ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, "2003 में काजा में ली गई यह तस्वीर फिल्म की सादगी और उसके असली अंदाज को बहुत खूबसूरती से दिखाती है।" बता दें कि 'पाप' पूजा भट्ट की डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम और उदिता गोस्वामी मुख्य भूमिका में थे, जबकि दिग्गज अभिनेता मोहन अगाशे ने भी अहम किरदार निभाया था। फिल्म की शूटिंग स्पीति की खूबसूरत वादियों में हुई थी। अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो यह 'काया' नाम की एक बौद्ध लड़की (उदिता गोस्वामी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे भविष्य में आध्यात्मिक गुरु बनने के लिए तैयार किया जा रहा होता है। उसकी जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उसकी मुलाकात पुलिस इंस्पेक्टर शिवेन से होती है, जिसका किरदार जॉन अब्राहम ने निभाया है। फिल्म में धर्म, इच्छाएं, आत्मसंघर्ष और मोक्ष जैसे गहरे विषयों को बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है।

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन

'वाराणसी' के अलावा इस फिल्म में आएंगी नजर

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रही हैं। महेश बाबू के साथ फिल्म 'वाराणसी' के बाद अब वह एक नई फिल्म पर काम कर रही हैं। जानिए प्रियंका की नई फिल्म का नाम क्या है। प्रियंका ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन इस महीने की शुरूआत में प्रियंका चोपड़ा को स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करते और रसोई में सेवा करते देखा गया था। हाल ही में उन्होंने फिर से स्वर्ण मंदिर जाकर प्रार्थना की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका कल रात करीब 12 बजे स्वर्ण मंदिर में नजर आईं। वह वहां प्रार्थना कर रही थीं और परिक्रमा स्थल पर कुछ देर रुकीं। पंजाब में कई जगहों पर की प्रार्थना स्वर्ण मंदिर के अलावा, पिछले कुछ दिनों में प्रियंका ने पंजाब के कई और धार्मिक जगहों पर भी जाकर दर्शन किए। इनमें शहीद बाबा गुरबख्श सिंह जी, थड़ा साहिब, शहीदान सिंह मेमोरियल, झंडा बंगा साहिब, बाबा बुद्धा जी और दुख भंजनी बेर साहिब शामिल हैं। प्रियंका चोपड़ा ने स्वर्ण मंदिर में सेवा भी की कुछ दिन पहले प्रियंका की सेवा करते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उन तस्वीरों में प्रियंका सिर पर कपड़ा बांधे, पारंपरिक कपड़े पहने, सबके साथ एक जगह बैठी थीं। वह बर्तन धोने और दूसरे कामों में मदद कर रही थीं। प्रियंका ने मंदिर में सबके साथ प्रार्थना भी की थी। प्रियंका की नई फिल्म 'अमरी' की शूटिंग शुरू प्रियंका इन दिनों अपनी नई फिल्म के लिए पंजाब के अमृतसर में रुकी हुई हैं। फिल्म 'अमरी' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। प्रियंका अपना पूरा शेड्यूल पूरा करने में व्यस्त हैं। वह आखिरी बार फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ काम किया था। 'अमरी' के अलावा प्रियंका फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। 'वाराणसी' में प्रियंका साउथ अभिनेता महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

'जना नायकन' लीक मामले में तमिलनाडु साइबर क्राइम ने शुरू की जांच, छह गिरफ्तार

थलपति विजय की आगामी राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' के रिलीज से पहले लीक होने की घटना सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बन चुकी है। साउथ के कई बड़े सुपरस्टार ने लीक और पाइरेसी की बढ़ती घटनाओं पर सवाल किए, जिसके बाद अब तमिलनाडु की साइबर पुलिस हरकत में आ गई है और मामले में 6 लोगों की गिरफ्तारी भी कर ली है। इस बात की जानकारी खुद तमिलनाडु की साइबर पुलिस ने दी है। तमिलनाडु पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने कथित डेटा लीक की विस्तृत जांच आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। यह शिकायत केवीएन प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन कंट्रोलर आर. उदयकुमार की ओर से आई थी। उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि अप्रकाशित फुटेज को गैरकानूनी रूप से प्राप्त कर अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया। शिकायत के अनुसार, यह कोई आकस्मिक लीक नहीं थी। इसमें 21 व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं, जिन पर एक कथित पायरेसी नेटवर्क में शामिल होने का आरोप है। तमिलनाडु साइबर क्राइम ने अपने ट्वीट में जानकारी दी है कि अब तक छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और 300 से अधिक अवैध लिंक पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पाइरेसी को अपराध बनाते हुए ऐसी हरकत करने वाले लोगों को चेताया है और कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। बता दें कि थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' अभिनेता विजय के राजनीति में आने से पहले की आखिरी फिल्म है, जिसमें पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। फिल्म में विजय की एंट्री के कुछ सीन्स को लीक कर दिया गया है, जिसमें अभिनेता सादे कपड़ों में बच्चों के साथ खेलते नजर आ रहे हैं। माना जाता रहा है कि यह फिल्म का शुरूआती सीन है, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। मामले में कमल हासन, रजनीकांत, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और अल्लू अर्जुन जैसे अभिनेता घटना को निंदनीय बता चुके हैं। इससे पहले आरआरआर, पुष्पा-2 और बाहुबली-2 जैसी बड़े बजट की फिल्मों को भी पाइरेसी का दंश झेलना पड़ा था। मेकर्स ने उस वक्त भी फैंस से फर्जी लिंक्स से फिल्म न देखने की अपील की थी।

शाहरुख की इस फिल्म में काम ना करने का राजपाल यादव को है पछतावा

अभिनेता राजपाल यादव अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि गलतफहमी में एक फिल्म ठुकराने का उन्हें बहुत पछतावा है। उनके मुताबिक गलतफहमी की वजह से उनके हाथ से शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' निकल गई थी।शाहरुख को किया नाराज राजपाल यादव ने बताया कि शुरूआत में उन्हें प्रियदर्शन की फिल्म 'बिल्लू' में बिल्लू बार्बर का किरदार निभाना था। हालांकि, बाद में यह रोल इरफान खान ने निभाया। उन्हें एहसास हुआ कि 'ओम शांति ओम' में कथित तौर पर एक रोल ठुकराने के बाद उन्होंने अनजाने में शाहरुख खान को नाराज कर दिया था। राजपाल यादव ने बताया कि उन्हें इस गलतफहमी के बारे में तब पता चला, जब वे 'बिल्लू' के सेट पर थे। शाहरुख से मिले राजपाल जूम के साथ बातचीत में राजपाल यादव ने कहा 'बिल्लू' का पूरा प्रोडक्शन जूही चावला के भाई देखते थे। वह मुझसे गले मिले और कहा भाई शाहरुख से मिल लेना। भाई आपको बहुत प्यार करते हैं। जब हम 'कल हो ना हो' में काम कर रहे थे तो उन्होंने कहा था कि कभी एक लंबा और बढ़िया ट्रैक करेंगे, एक सीन में मजा नहीं आया। मैंने कहा मैं तो दोपहर में ही मिला था, उन्होंने कहा थोड़ा कंफ्यूजन है। तो मैंने पूछा क्या? तो वह बोले आपके लिए रोल लिखवाया था। आपने ये कह कर मना कर दिया कि टाइम नहीं है।' किसी ने पेश की खराब छवि राजपाल यादव ने आगे कहा कि मैंने अपने मैनेजर को बुलाया और पूछा कि क्या इस तरह का कोई मामला हुआ था। इस पर उसने कहा उन्हें नहीं पता। राजपाल यादव ने कहा 'पता चला कि बीच में किसी ने मेरी बुराई करके मेरी दूसरी छवि पेश कर दी। इस बारे में शाहरुख को भी नहीं पता और मुझे भी नहीं पता। तो ये बॉलीवुड है। यहां इस तरह के कई किस्से हो जाते हैं। इसके बाद हम और शाहरुख से ऐसे गले मिले जैसे कुछ हुआ ही नहीं।' 'ओम शांति ओम' का कलेक्शन फराह खान के निर्देशन में बनी 'ओम शांति ओम' में दीपिका पादुकोण थीं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। 38 करोड़ रुपये में

'ड्रैगन' की शूटिंग के बीच जूनियर एनटीआर ने बना ली शानदार बॉडी

साउथ के मशहूर अभिनेता जूनियर एनटीआर अपकमिंग फिल्म 'ड्रैगन' को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जारी है। इस बीच सोमवार को जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। एनटीआर ने फ्लॉन्ट की बॉडी सोशल मीडिया पर जूनियर एनटीआर ने जो तस्वीर शेयर की है, वह वायरल हो रही है। इस तस्वीर में जूनियर एनटीआर अपना बैक साइड फ्लॉन्ट कर रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'बनाओ, खरीदो नहीं।' इस पोस्ट में उन्होंने अपने कोच और प्रशांत नील को टैग किया है। पोस्ट पर फैंस ने किए कमेंट तस्वीर में जूनियर एनटीआर की गठीली बॉडी देखकर फैंस हैरान हो गए। वे एनटीआर के समर्पण और जुनून की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है 'टाइगर'। एक और यूजर ने लिखा 'ड्रैगन'। एक और यूजर ने लिखा 'जय एनटीआर'। एक और यूजर ने लिखा है 'प्रशांत नील की ताकत'। सितंबर में शुरू की तैयारी खबरों के मुताबिक एक्टर ने अपनी फिल्म के लिए पिछले साल सितंबर में तैयारी शुरू की थी। अब ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। उनकी वर्कआउट रूटीन में ताकत बढ़ाने वाली ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज शामिल हैं, ताकि एक्शन सीन्स के लिए उनका शरीर पूरी तरह से तालमेल में रहे। कब रिलीज होगी 'ड्रैगन'? फिल्म 'ड्रैगन' एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म में लंबी स्टार कास्ट हो सकती है। जूनियर एनटीआर फिल्म में मुख्य किरदार में हैं। फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार पहले 2026 में रिलीज होने वाली

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिग प्रेस डी–85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी–148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली–110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com